THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 363 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.12 2083 सोमवार, 30 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## ममता बोलीं- मैं मौत से लड़ी हूं, डॉक्टर की रिपोर्ट देखें

### शाह ने कहा था चुनाव आते ही दीदी पैर तुड़वा लेती हैं

कोलकाता, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को शाह के विक्टिम कार्ड वाले आरोपों का जवाब दिया। ममता ने पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, वे (अमित शाह) कहते हैं कि मैं पट्टी बांधकर घूमती हूं, मैंने मौत से लड़ाई लड़ी है। उन्हें डॉक्टर की रिपोर्ट देखनी चाहिए। मुझ पर हमला हुआ था और मैं प्लास्टर में व्हीलचेयर पर घूमती थी।

## तेलंगाना विधानसभा में हंगामा

# बीआरएस के 24 विधायक दो दिनों के लिए निलंबित

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में रविवार को भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 24 विधायकों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया है।

**क्या है पूरा मामला :**

दरअसल, पूरे विवाद की जड़ सूबे के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर लगे कथित भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप हैं। रविवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के विधायक इस मुद्दे को लेकर आक्रामक हो गए। विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि इन आरोपों की जांच के लिए 'हाउस कमेटी' बनाई जाए। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। प्रस्ताव नामंजूर किए जाने के बाद विपक्षी विधायक भड़क गए। वे नारेबाजी करते हुए सीधे सदन के बीचों-बीच यानी वेल में आ गए। इस हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही पूरी तरह ठप हो गई।

**कांग्रेस सरकार ने हाउस कमेटी बनाने से किया इनकार :**

दूसरी तरफ, सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने विपक्ष की हाउस कमेटी बनाने की मांग को साफ तौर पर ठुकरा दिया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने दलील दी कि राज्य में 2014 से हो रहे अवैध खनन की जांच के लिए सरकार पहले ही सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दे चुकी है, इसलिए अलग से किसी हाउस कमेटी की कोई जरूरत नहीं है। बजट सत्र के दौरान सदन में खूब बवाल हुआ। दोनों तरफ से तीखी नोकझोंक हुई। इस बीच बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी ने कडियम श्रीहरि पर कुछ टिप्पणी कर दी, और इसी ने आग में घी डालने का काम किया।

**मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विपक्षी विधायकों पर लगाया आरोप :**

विपक्ष के तेवरों को देखते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस पर जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी विधायकों को सस्पेंड करने की मांग की। >14

# जंग के चलते पेट्रोल-डीजल का संकट : मोदी

## भारत चुनौती से निपट रहा, अफवाहों में न आएं, सरकार की जानकारी पर भरोसा करें

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है।

सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।

**पीएम के संबोधन की बड़ी बातें...**

जंग के चलते ऊर्जा संकट :

साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

**अफवाहों में न आएं :**

मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं। सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

**मार्च महीने में हलचल :**

मार्च का ये महीना, वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरी दुनिया इससे पहले कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजर चुकी है। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं।

**खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद जारी :**

वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक

माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

### मन की बात का 132वां एपिसोड

**गर्मियों के सीजन और मछुआरों पर भी बात की :**

देश के कई हिस्सों में गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है यानि ये समय जल संरक्षण के अपने संकल्प को फिर से दोहराने का है। पिछले 11 सालों में 'जल संचय अभियान' ने लोगों को बहुत जागरूक बनाया है। इस अभियान के तहत देश-भर में करीब 50 लाख आर्टिफिशियल वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए गए हैं।

हमारे मछुआरे भाई-बहन सिर्फ समुद्र के योद्धा नहीं हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की एक मजबूत नींव भी हैं। वे सुबह होने से पहले समन्दर की लहरों से जूझते हुए, अपने परिवार के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में जुट जाते हैं। ऐसे मेहनतकश मछुआरों का जीवन आज कई तरह से आसान बनाया जा रहा है।

जब समाज खुद आगे आता है, तो छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव बन जाते हैं। हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जो हमें यही सिखाते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक प्रेरक प्रयास देखने को मिला। वहां एक ही घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाए गए और एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना।

## महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

**तमिलनाडु में समर पैकेज, असम में बिहू बोनस, बंगाल में ममता ने सबसे बड़ा दांव लगाया**

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। अगले महीने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से चार राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रहे हैं। चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे।

> तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने 2-2 हजार रुपये स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए।

> असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने के लिए 4-4 हजार रुपये दे दिए।

> केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम नकद योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार रुपये मिल रहे हैं। > बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रुपये बढ़ा चुकी है।

खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार को अगले साल 5 हजार करोड़ देने पड़ेंगे। इसी स्कीम ने 2021 के चुनाव में ममता को जीत दिलाई थी। चारों राज्यों में सभी योजना की लाभार्थी महिलाओं की संख्या 4.1 करोड़ है, जबकि कुल वोटर 17.89 करोड़। यानी इनमें नकद स्कीमों की कुल लाभार्थी 23 प्रतिशत हैं।

## पूर्व सीआरपीएफ डीआईजी को तीन साल की कठोर कैद

**2009 के भ्रष्टाचार के मामले में हुई सजा**

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ की विशेष सीबीआई अदालत ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) और दो अन्य को आरक्षी भर्ती से संबंधित रिश्वत के 17 साल पुराने मामले में तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि अदालत ने सीआरपीएफ के तत्कालीन उप-महानिरीक्षक विनोद कुमार शर्मा तथा बल के दो कर्मियों सत्यवीर सिंह और तीरथ पाल चतुर्वेदी को दोषी ठहराया एवं उन्हें सजा सुनाई।

सीबीआई ने बयान में कहा कि अदालत ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में आरक्षियों की भर्ती से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में तीनों को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनायी तथा उन पर कुल 1.2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

एजेंसी ने शर्मा और अन्य लोगों के खिलाफ 23 फरवरी, 2009 को मामला दर्ज किया था। बयान में कहा गया है, जांच से पता चला कि उसने (शर्मा ने) सीआरपीएफ में आरक्षी (सामान्य ड्यूटी) पद पर भर्ती होने के इच्छुक उम्मीदवारों से रिश्वत लेने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश रची थी। शर्मा ने भर्ती कार्यक्रम और उपलब्ध रिक्तियों के बारे में बिचौलियों को अग्रिम जानकारी दी थी। एजेंसी ने एक वर्ष के भीतर 2010 में आरोपपत्र दाखिल किया था। बाद में 2012 में एक और आरोपपत्र दाखिल किया गया।

# केरल में पीएम मोदी का विपक्ष पर हमला

## 'एलडीएफ-यूडीएफ ने अब तक किया सत्ता का व्यापार', लोगों से किए खोखले दावे

तिरुवनंतपुरम, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए पलक्कड़ पहुंचे। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल मुंडू (धोती) पहने हुए नजर आए। जनसभा में पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला जब प्रधानमंत्री ने केरल के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र 'चेंडा' (ड्रम) पर अपना हाथ आजमाया। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ चेंडा बजाया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार उन्हें केरल में एक अलग ही माहौल दिखाई दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल इस बार बदलाव का संदेश भेज रहा है।

**क्या बोले पीएम :**

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए

की बढ़ती लोकप्रियता और भाजपा पर लोगों का भरोसा अब साफ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद भीड़ के उत्साह को देखकर कहा कि पलक्कड़ का यह मिजाज अब एक आंदोलन बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और एनडीए पर पूरा भरोसा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बदलाव का श्रेय केरल की जनता के आशीर्वाद और भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत को दिया। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने केरल में राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई है। प्रधानमंत्री ने केरल की सुंदरता की तारीफ करते हुए कहा कि इसे 'सुंदरतम' क्यों कहा जाता है, इसका एहसास पलक्कड़ आते ही हो जाता है।

**पीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना :**

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केरल दशकों से स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ को 'भ्रष्ट' और 'महाभ्रष्ट' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों गठबंधनों की नीतियां केवल वोटबैंक के लिए होती हैं और इन्हें विकास की कोई परवाह नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दोनों ने दशकों तक केरल को लूटा और आपस में लाभ बांटा है। इनके बीच समझौता था कि कुछ साल एक सरकार चलाएगी और फिर दूसरी।

प्रधानमंत्री ने जनता को आगाह किया कि ये दोनों पार्टियां भाजपा से डरती हैं क्योंकि उन्हें डर है कि भाजपा सत्ता में आई तो उनके काले कामों का पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने बताया कि ये दल देश के अन्य राज्यों जैसे बिहार, तमिलनाडु और झारखंड में एक साथ गठबंधन में हैं, लेकिन केरल में एक-दूसरे को बुरा-भला कहकर जनता को धोखा दे रहे हैं।

**जनता को दी मोदी की गारंटी :**

केरल में भाजपा और एनडीए की टीमें सरकार बनाने के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। केरल की जनता के आशीर्वाद से हम यहां सरकार बनाएंगे। एनडीए का लक्ष्य लोगों के सपनों को साकार करना है। हमने केंद्र में रहते हुए भी केरल के विकास का पूरा प्रयास किया है। >14

## खड़गे ने कांग्रेस की पांच गारंटियों का किया एलान

गुवाहाटी, 29 मार्च (एजेंसियां)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को राज्य के लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में आयोजित रैली में कांग्रेस की ओर से 'पांच गारंटी' का एलान किया। इन गारंटियों में महिलाओं, स्वास्थ्य, भूमि अधिकार और जस्टिस जैसे मुद्दों पर फोकस किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने नकद सहायता दी जाएगी। इसके अलावा जो महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू करना या बढ़ाना चाहती हैं, उन्हें 50,000 रुपये की अतिरिक्त मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफर बिना किसी शर्त के होगा।

खड़गे ने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार बनने पर राज्य के सभी परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये देने का भी वादा किया गया।

# होर्मुज संकट के बीच भारत को बड़ी राहत

## दो और एलपीजी टैंकर देश की ओर रवाना, सरकार ने भी गैस को लेकर की ये अपील

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध जैसे हालात के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। देश के दो और एलपीजी टैंकर सुरक्षित रास्ता पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये टैंकर देश की एक दिन की रसोई गैस की जरूरत पूरी करने जितनी गैस लेकर आ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने भी साफ कहा है कि देश में गैस और ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए।

सरकारी जानकारी के मुताबिक, बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी जहाज करीब 94 हजार टन गैस लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च तक मुंबई पहुंचेगा, जबकि बीडब्ल्यू ईएलएम अप्रैल तक न्यू मैंगलोर पहुंचेगा। इस्राइल और अमेरिका के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई थी। हालांकि अब कुछ जहाज सुरक्षित निकलने लगे हैं।

**क्या पहले भी सुरक्षित पहुंचे हैं गैस टैंकर :**

इससे पहले चार भारतीय टैंकर भी सुरक्षित भारत पहुंच चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत करीब 92,612 टन गैस लेकर 26 से 28 मार्च के बीच भारत पहुंचे। वहीं, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी भी इससे पहले गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंच चुके हैं। इससे देश में गैस सप्लाई को बड़ी राहत मिली है।

**भारत की गैस जरूरत कितनी और क्यों है यह रास्ता अहम :**

भारत अपनी करीब 60 प्रतिशत रसोई गैस जरूरत आयात से पूरी करता है। देश में पिछले साल 33.15 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई। इसमें से करीब 90 प्रतिशत गैस पश्चिम एशिया से आती है। ऐसे में होर्मुज रास्ता बंद होने का सीधा असर भारत की सप्लाई पर पड़ता है। अब भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से भी गैस मंगा रहा है।

**सरकार ने ईंधन और गैस को लेकर क्या बड़े कदम उठाए :**

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर घटा दी है। वहीं डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया है। गैस सेक्टर में घरों और ट्रांसपोर्ट को 100 प्रतिशत सप्लाई दी जा रही है। उद्योगों को सीमित गैस दी जा रही है। साथ ही पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ाए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी पर दबाव कम हो।

सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। रोजाना 55 लाख से ज्यादा सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है।

# भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन फ्यूल भेजा : श्रीलंकाई नेताओं ने जताया आभार

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में भारी तनाव का असर दुनिया के अलग-अलग देशों में देखने को मिल रहा है। इस बीच भारत ने अपने पड़ोसी देश श्रीलंका की मदद के लिए उसे 38 हजार मीट्रिक टन फ्यूल की मदद भेजी है। भारत की ओर से इस मदद के लिए श्रीलंकाई नेताओं ने धन्यवाद किया। वहीं सांसद और श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के राष्ट्रीय आयोजक और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने श्रीलंकाई सरकार को फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर काम करने की सलाह दी। उन्होंने भारत की नीतियों की जमकर सराहना की। नमल राजपक्षे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों ने एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम की

नमल राजपक्षे

समय पर शिपमेंट करके नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी को बनाए रखा है। भारत हमेशा संकट के समय में श्रीलंका के लिए सबसे पहले खड़ा रहा है। जरूरी सप्लाई से लेकर आर्थिक मदद तक, जो उसकी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी की सच्ची झलक है। एक क्षेत्र के तौर पर यह जरूरी है कि देश क्षेत्र की बेहतरी के लिए रणनीतिक साझेदार के तौर पर मिलकर काम करें।

उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से भारत का मॉडल अपनाने की सलाह दी और कहा कि हम श्रीलंका सरकार से अपील करते हैं कि वह भारत के हालिया फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर विचार करे। भारत ने एक्साइज ड्यूटी इसलिए कम नहीं की, ताकि कीमतें तुरंत कम हों, बल्कि मार्केट को स्थिर करने और ग्लोबल तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान और बढ़ोतरी को रोकने के लिए ऐसा किया।

नमल राजपक्षे ने कहा, जैसे-जैसे श्रीलंका आगे बढ़ेगा, सरकार को अपनी आर्थिक नीतियों को भी मजबूत करना होगा। हालांकि फिस्कल डिसिप्लिन जरूरी है, लेकिन भारत के ज्यादा ग्रोथ-ओरिएंटेड अप्रोच में देखा गया ज्यादा टैक्स बोझ कम करने से निवेश को बढ़ावा देने, नागरिकों पर दबाव कम करने और लंबे समय की रिकवरी में मदद मिल सकती है।

भारत ने यह पहली बार आगे आकर श्रीलंका की मदद नहीं की है, इससे पहले भी कई बार भारत

# अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

## 3,300 जगह प्रदर्शन, ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

वॉशिंगटन डीसी, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च को हुआ।

**व्हाइट हाउस बोला- प्रदर्शन से लोगों को फर्क नहीं पड़ता :**

व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को 'थेरेपी सेशन' बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे 'राजा' नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

# गुजरात में दलित-आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप

## राहुल गांधी ने उठाया ऊना कांड का मुद्दा

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत, भेदभाव और हिंसा का माहौल लगातार गहराता जा रहा है।

**ऊना कांड का फिर उठाया मुद्दा :**

राहुल गांधी ने 2016 के ऊना कोड़े मारने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। उस समय चार दलित युवकों को सार्वजनिक रूप से पीटा गया था। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक बीत जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिल सका है, जो अपने आप में एक बड़ी विफलता है।

राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात से आए दलित और आदिवासी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई पीड़ितों की आपबीती सुनी। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में लोगों को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उनके शरीर में कई फ्रैक्चर हो गए, वहीं एक अन्य मामले में व्यक्ति को जिंदा जला दिया गया।

**'डर और अन्याय का माहौल' :**

कांग्रेस नेता ने कहा कि ये घटनाएं सिर्फ अलग-अलग अपराध नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे माहौल की तस्वीर पेश करती हैं जहां डर और अन्याय हावी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, उन्हें धमकियों, हिंसा और यहां तक कि हत्या के जरिए दबाने की कोशिश की जाती है।

## वर्दी पहनने का सपना रह गया अधूरा, भर्ती के दौरान दौड़ते समय युवक की मौत

बुलढाणा, 29 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक की पुलिस भर्ती प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई और उसका पुलिस की ड्रेस पहनने का सपना अधूरा रह गया। पुणे में पुलिस भर्ती के दौरान बुलढाणा के युवक की दौड़ते समय मौत हो गई। बुलढाणा जिले के देऊळगाव राजा तहसील के चिंचोली बुरकुल निवासी 23 वर्षीय पुरुषोत्तम भीमराव बुरकुल की 28 मार्च को पुणे में पुलिस भर्ती प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। यह घटना पुणे के शिवाजीनगर मैदान में हुई,

जहां पुरुषोत्तम 1600 मीटर दौड़ की परीक्षा में हिस्सा ले रहे थे। दो चक्कर सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद, तीसरे चक्कर के दौरान उन्हें अचानक दौरा (फिट) पड़ा और वे ट्रैक पर ही गिर पड़े। अधिकारियों द्वारा उन्हें तुरंत ससून अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# दस साल में 10,000 से ज्यादा माओवादियों का आत्मसमर्पण

### अर्बन नक्सल पर भी नकेल

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत में नक्सलवाद अब अपने अंत की ओर है। पिछले 10 साल में 10,000 से ज्यादा माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के दबाव और सरकार की पुनर्वास नीतियों ने इस उग्रवाद को करारा झटका दिया है। केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय की थी। आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 2,300 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया।

वहीं, 2026 के पहले तीन महीनों में ही 630 से ज्यादा कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। सरकार ने अब पुरानी और बिखरी हुई नीतियों की जगह एक मजबूत और एकजुट रणनीति अपनाई है। पहले 'लाल गलियारे' (बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश) में ठेकेदार काम करने से डरते थे। अब केंद्र सरकार ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को मुख्य इलाकों में सड़कें बनाने का काम दिया। इसमें विद्रोह के इन गढ़ों में पांच मुख्य सड़कों और छह ज़रूरी पुलों का निर्माण शामिल था। माओवादी से प्रभावित इलाकों में 15,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं, जिनमें से 12,250 किलोमीटर सड़कें अकेले पिछले 10 वर्षों में पूरी की गई हैं।

### सुरक्षा के मोर्चे पर बड़े बदलाव

सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़े बदलाव हुए हैं। साल 2014 में केवल 66 मजबूत पुलिस स्टेशन थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 586 हो गई है। पिछले 6 साल में 361 नए सुरक्षा कैंप बने हैं। ऑपरेशन की ताकत बढ़ाने के लिए 68 नाइट-लैंडिंग हेलीपैड भी बनाए गए हैं। इसका असर यह हुआ कि नक्सली घटनाओं वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 330 से घटकर सिर्फ 52 रह गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार माओवादी आंदोलन बिना किसी बड़े नेता के रह गया है।

### आम लोगों तक पहुंच रही योजनाएं

इसका असर है कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब आम लोगों तक पहुंच रहा है। पीएम-आवास योजना के तहत घरों की संख्या 92,847 से बढ़कर 2.54 लाख से ज्यादा हो गई है। आधार नामांकन और आयुष्मान कार्डों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। शिक्षा के लिए 250 एकलव्य स्कूल मंजूर हुए हैं, जिनमें से 179 चल रहे हैं।

इनके अलावा, 11 केंद्रीय विद्यालय और 6 नवोदय विद्यालय भी संचालित हो रहे हैं। युवाओं को रोजगार देने के लिए 48 जिलों में आईटीआई और कौशल विकास केंद्र बनाए गए हैं। इससे नक्सलियों की नई भर्ती रुकी है। संचार के लिए 9,000 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। रेलवे ने भी बस्तर से छत्तीसगढ़ के बीच रेल लाइन बिछाई है। दंतेवाड़ा से मुनुगुरु तक नई रेल लाइन का सर्वे भी पूरा हो गया है।

### अर्बन नक्सलियों पर नकेल

नक्सलियों की फंडिंग रोकने के लिए एनआईए और ईडी ने करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की है। इससे शहरी नक्सलियों और उनके सूचना तंत्र को गहरा नुकसान पहुंचा है। सरकार की नई पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद, ट्रेनिंग और घर भी दिया जा रहा है।

#### कंटेनर में कॉपर की जगह ईंट-पत्थर रख भारत भेजा

# जिम्बाब्वे में सूरत के कारोबारी संग बड़ा 'खेल', ठग लिए सात करोड़

सूरत, 29 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कारोबारी से जिम्बांबे से कॉपर का स्क्रैप दिलाने के नाम पर सात करोड़ से अधिक रुपए की ठगी की गई।

ठगों ने कंटेनर में कॉपर स्क्रैप दिखाकर सील मारने के बाद उसमें पत्थर और धूल भरकर भेज दिया। इस मामले में वराछा पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सरथाणा जकातनाका के पास स्थित रिवर पैलेस अपार्टमेंट में रहने वाले प्रकाशभाई भीखाभाई कथीरिया करीब दस साल से वराछा थाना क्षेत्र में न्यू बॉम्बे मार्केट में मधुर कॉर्पोरेशन के नाम से फर्म चलाते हैं।

वहीं गांधीधाम में रहने वाला रोहित वीरेंद्र सिंह यादव स्क्रैप की दलाली करता है। इन ठगों ने प्रकाशभाई को ठगने का काम किया। पहले 25-25 टन के चार कंटेनर में कॉपर स्क्रैप भरकर सील लगाए थे। बाद में प्रकाशभाई सूरत आ गए है। प्रकाशभाई ने बताया कि उनके आने के कुछ दिन बाद एक कंटेनर मुद्रा पोर्ट पहुंचा, जहां जांच में सील बदली हुई मिल। इतना ही नहीं कंटेनर का वजन भी कम था, उसका वजन 25 की जगह सिर्फ 5 टन ही था। उसके अंदर पत्थर और धूल निकले। इसके बाद प्रकाशभाई हैरान रह गए, वो फिर से जिम्बांबे गए, जहां आरोपी ने फिर से कंटेनर में स्क्रैप भरकर भेजने की बात कही।

इसके बाद आरोपी दीपक ने प्रकाश भाई को यह कहकर रोक लिया कि पैसे आने वाले हैं। इस दौरान उनके घर पर करीब 200 किलो कॉपर रख दिया गया। जिम्बांबे में कॉपर का कारोबार करना मना है। इस दौरान दीपक ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस जब प्रकाशभाई के घर पहुंची तो कॉपर मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

#### कुपवाड़ा सैन्य शिविर में चलीं गोलियां

# सेना के जवान ने साथियों पर किया अंधाधुंध फायरिंग; तीन घायल

कुपवाड़ा, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में रविवार को एक सैन्य इकाई (आर्मी यूनिट) के भीतर हुई गोलीबारी की घटना में तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रात के समय बैरक के अंदर हुई, जब एक जवान ने कथित तौर पर अपने साथियों पर गोलियां चला दीं। आरोपी की पहचान 36 वर्षीय नायक ड्राइवर (मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट) पवन कुमार के रूप में हुई है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 36 वर्षीय आरोपी पवन कुमार मध्य प्रदेश के मुरैना जिले का रहने वाला है, जो पिछले 17 वर्षों से सेना में सेवारत है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी करने वाले आरोपी जवान को तुरंत काबू कर लिया गया। हालांकि, अभी तक फायरिंग के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

# कूनो की राजकुमारी को पूरे हुए तीन साल

### मौत को मात देकर बनी धाकड़ शिकारी

श्योपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। देश में चीतों की वापसी के लिए शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट चीता' के लिए 29 मार्च 2026 का दिन ऐतिहासिक है। आज ही के दिन कूनो की सबसे चर्चित मादा चीता 'मुखी' पूरे तीन साल की हो गई है।

इन तीन सालों की मुखी की कहानी किसी संघर्ष से कम नहीं रही। हालांकि इन तमाम संघर्षों के बाद भी वह डट कर खड़ी रही और सभी के लिए एक प्रेरणा बनकर सामने आई। वह भारत में जन्मी पहली मादा चीता है। मार्च 2023 में जन्मी मुखी का शुरुआती सफर कांटों भरा था। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने जन्म के बाद उसे छोड़ दिया था। भीषण गर्मी और स्वास्थ्य चुनौतियों के कारण उसके अन्य भाई-बहन जीवित नहीं बच सके थे। ऐसे नाजुक वक्त में वन विभाग की टीम ने मां की भूमिका निभाई और कड़ी निगरानी में मुखी को नई जिंदगी दी। यही वजह है कि आज उसे कूनो की सबसे जीवट चीता माना जाता है। मुखी ने न केवल खुद को कूनो के माहौल में ढाला, बल्कि नवंबर 2025 में 5 स्वस्थ शावकों को जन्म देकर इतिहास रच दिया। महज 33 महीने की उम्र में मां बनी मुखी आज अपने शावकों की देखभाल खुद कर रही है, जो किसी भी वन्यजीव प्रजाति के पुनर्वास की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना है। उसकी शिकार करने की क्षमता और शावकों के प्रति उसका व्यवहार विशेषज्ञों को हैरान करता है। प्रोजेक्ट चीता के डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा और डीएफओ आर थिरुकुरल के अनुसार, मुखी की सफलता यह साबित करती है कि कूनो का इकोसिस्टम विदेशी चीतों और उनकी अगली पीढ़ी के लिए पूरी तरह अनुकूल हो चुका है।

# पुरी जगन्नाथ मंदिर के खजाने की गिनती पर शंकराचार्य नाराज

### कहा- नहीं दी कोई जानकारी, एससी के आदेश का हुआ उल्लंघन

भुवनेश्वर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के जारी सूचीकरण को लेकर जगद्गुरु शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि उन्हें इस प्रक्रिया के बारे में न तो जानकारी दी गई और न ही उनसे कोई परामर्श किया गया। इससे निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन पर सवाल खड़े हो गए हैं। भुवनेश्वर के जगमारा में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें इस सूचीकरण प्रक्रिया की कोई जानकारी नहीं है। शंकराचार्य ने कहा कि न तो मंदिर प्रशासन और न ही जिला प्रशासन ने इस मामले में उनसे संपर्क किया। उन्होंने संकेत दिया कि प्रक्रिया के किसी भी चरण में उनसे सलाह नहीं ली गई। उन्होंने कहा, "मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने मुझसे इस विषय पर कोई चर्चा नहीं की और न ही मुझे सूचित किया।"

अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का उल्लेख किया, जिनके अनुसार मंदिर से जुड़े किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में शंकराचार्य से परामर्श किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि मेरे मार्गदर्शन में काम आगे बढ़ाया जाए, लेकिन समिति के सदस्यों ने मुझसे किसी भी विषय पर परामर्श नहीं किया।"ये टिप्पणियां कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब में दी गईं।

## इंस्टाग्राम पर लाइव आकर दोस्तों को कहा बॉय और लगाई फांसी

शिवपुरी, 29 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से सुसाइड की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां देहात थानांतर्गत हवाई पट्टी जवाहर कॉलोनी क्षेत्र में निवासरत एक युवक ने शुक्रवार की देर रात सोशल मीडिया पर लाइव आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने आत्महत्या करने से पहले अपने दोस्तों को बाय भी किया। पुलिस ने मृतक का पीएम करवा कर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जवाहर कॉलोनी क्षेत्र में निवासी 22 वर्षीय युवक मनोज पुत्र सिंधिया रजक ने शुक्रवार की रात करीब दस बजे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव आकर फांसी लगा ली, जिससे युवक की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि कुछ साल पहले मनोज की मां की मौत हो गई थी, जिसके बाद घर में पिता और बेटे-बेटी अकेले रह गए थे। ऐसे में घर संभालने के लिए सिंधिया रजक ने दूसरी शादी कर ली। कुछ समय पहले मनोज की बहन की भी शादी हो गई। बेटी की शादी के बाद मनोज के पिता की भी मौत हो गई।

# गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर अब उम्रकैद तक की सजा

### सीएम भगवंत मान का बड़ा ऐलान

चंडीगढ, 29 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान का धार्मिक ग्रंथों के खिलाफ बेअदबी किए जाने वाले कानून को लेकर एक बड़ा ऐलान है। उन्होंने कहा कि पंजाब में धार्मिक ग्रंथो की बेअदबी का कानून और सख्त होगा। भगवंत मान ने कहा कि हम 13 अप्रैल को बेअदबी कानून में संशोधन करेंगे, जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वाले किसी भी व्यक्ति को 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा होगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान बेअदबी की घटनाओं के बाद बादल परिवार ने आंखें मूंद ली थीं, उनके बड़े-बड़े दावों की पोल खुल गई।

लोग किसी भी हालत में बेअदबी को नहीं भूलेंगे, इसके लिए बादल परिवार जिम्मेदार है और रहेगा। बेअदबी (अपवित्रता) के मामले में जीरो-टॉलरेंस का रुख अपनाते हुए, सरकार ने कहा कि 'बेअदबी' का दोषी कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा। मान ने शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) पर उनके शासनकाल में हुई पिछली 'बेअदबी' (अपवित्रता) की घटनाओं को लेकर तीखा हमला बोला।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार कानूनों को मजबूत करके और कड़ी सजा लागू करके न्याय सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि वे इन 'बेअदबी' की घटनाओं को भूल गए हैं और उन्हें लगता है कि लोग भी इन्हें भूल जाएंगे, लेकिन लोग इन्हें नहीं भूलेंगे।

उन्होंने कहा कि बैसाखी के अवसर पर, हमने 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार अधिनियम, 2008' में संशोधन करने के लिए विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया है। 'बेअदबी' का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को सबसे कड़ी सजा मिलेगी, जिसमें कम से कम 10 साल और अधिकतम आजीवन कारावास शामिल है। किसी को भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अनादर करने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए।

## नाबालिग बेटी के सामने पत्नी की हत्या

कोलकाता, 29 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता के कस्बा इलाके में रविवार तड़के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना दक्षिण कोलकाता के बोसपुकुर रोड पर सुबह करीब 4 बजे हुई। आरोपी की पहचान बिनोद सिंह के रूप में हुई है। उसने अपनी 42 साल की पत्नी स्वप्ना सिंह पर धारदार हथियार से हमला किया। पुलिस के अनुसार, यह पूरी वारदात उनकी नाबालिग बेटी के सामने हुई। बेटी ने पुलिस को बताया कि घटना से ठीक पहले उसके माता-पिता के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था।

धीरे-धीरे बहस इतनी बढ़ गई कि पिता ने अचानक चाकू निकाला और मां पर हमला कर दिया। बेटी इस पूरी घटना की चश्मदीद गवाह है। महिला की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल महिला को सुबह करीब 5:30 बजे कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सुबह 6:30 बजे इस घटना की जानकारी मिली। परिवार के एक सदस्य ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है।

# टीएमसी दफ्तर में कैरम खेलना सीआरपीएफ के 3 जवानों को पड़ा महंगा, चुनाव आयोग ने लिया एक्शन

कोलकाता, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय बलों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करने वाली एक बड़ी घटना सामने आई है। चुनाव आयोग ने ड्यूटी में लापरवाही और निष्पक्षता के उल्लंघन के आरोप में सीआरपीएफ के तीन जवानों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई देर रात की गई। मामला बीरभूम जिले का है, जहां केंद्रीय बलों को एक तय इलाके में गश्त करने की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, ड्यूटी के दौरान 3 जवान अचानक टीएमसी के एक स्थानीय दफ्तर में घुस गए।

### कैरम खेल रहे थे सीआरपीएफ के जवान

बताया जा रहा है कि वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जवानों ने न सिर्फ बातचीत की बल्कि कैरम खेलने में भी लग गए। यह खेल करीब एक घंटे तक चलता रहा। इस दौरान वे अपनी ड्यूटी से पूरी तरह अलग रहे, जिससे उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे। मामले की त्वरित जांच के बाद 3 जवानों को सस्पेंड करने का फैसला लिया गया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के भी आदेश दिए गए हैं।

### बीएसएफ के जवानों पर भी हो चुकी है कार्रवाई

गौरतलब है कि इससे पहले भी आयोग ने शिकायत मिलने पर बीएसएफ के कुछ जवानों के खिलाफ सख्त कदम उठाए थे। सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग इस बार किसी भी हालत में केंद्रीय बलों की छवि को खराब नहीं होने देना चाहता, खासकर जब विधानसभा चुनाव बेहद करीब हैं।

### चुनाव आयोग ने जवानों को चेतावनी दी

आयोग का मानना है कि किसी एक राजनीतिक दल के दफ्तर में इस तरह मौजूदगी केंद्रीय बलों की पेशेवर छवि पर सवाल खड़ा करती है। यही वजह है कि इस मामले में तुरंत और कड़ी कार्रवाई की गई। इस घटना के बाद जिले के अन्य इलाकों में तैनात जवानों को भी चेतावनी दी गई है। चुनाव आयोग ने साफ संदेश दिया है कि चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की किसी भी तरह की लापरवाही या पक्षपात बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# तमिलनाडु चुनाव के लिए टीवीके ने जारी की उम्मीदवारों की सूची

### विजय दो सीटों से चुनावी मैदान में

चेन्नई, 29 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में टीवीके प्रमुख विजय ने रविवार को अपने पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। विजय ने घोषणा की कि विधानसभा चुनावों में दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह चेन्नई के पेराम्बुर और त्रिची ईस्ट से सी जोसेफ विजय के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। पार्टी की बैठक में विजय ने अन्य उम्मीदवारों के नाम भी घोषित किए। उनके करीबी टीम के सभी सदस्य सूची में शामिल हैं। पार्टी प्रमुख ने कहा मैंने ऐसे उम्मीदवार चुने हैं जो जनता के साथ खड़े होंगे।

### प्रमुख नेताओं और विजय की आंतरिक टीम के सदस्यों के नाम

वरिष्ठ पार्टी नेताओं और विजय की आंतरिक टीम के सदस्यों - एन आनंद, अधाव अर्जुन, आर अरुणराज, सीटीआर निर्मल कुमार और केए सेंगोट्टैयान को पार्टी प्रमुख द्वारा टी नगर, विल्लिवक्कम, गोबिचेट्टीपलायम और तिरुप्पारंकुंद्रम सहित सीटों के लिए टीवीके उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है।

### लोगों का गठबंधन बनाम स्टालिन गठबंधन

विजय ने दोहराया कि चुनावी लड़ाई उनके लोगों के गठबंधन टीवीके और स्टालिन गठबंधन के बीच है और उन्होंने सत्तारूढ़ डीएमके के नेतृत्व वाले गुट को केवल एक पैच-अप बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसे लोगों को उम्मीदवार के रूप में चुना है जो लोगों के साथ खड़े होंगे।

### युवाओं के लिए घोषणापत्र और गारंटी

युवाओं के लिए एक एजेंडा पेश करते हुए, जिसे उन्होंने गारंटी बताया, विजय ने अन्य बातों के अलावा, ड्रग्स-मुक्त तमिलनाडु के लिए कदम उठाने और कक्षा 12 से पीएचडी तक के छात्रों के लिए 20 लाख रुपये तक के कोलेटरल-मुक्त ऋण की गारंटी देने का वादा किया।

## ज्वेलर के लापता बेटे का शव बलवाड़ा में मिला

इंदौर, 29 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के अग्रसेन नगर से 27 मार्च की सुबह लापता हुए ज्वेलर के बेटे का शव बलवाड़ा क्षेत्र में मिला है। दो दिन से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार को परिजन पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे। पुलिस ने प्राथमिक जांच में जहर से मौत की आशंका जताई है। मल्हारगंज थाना पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय अखिल पुत्र अनिल सोनी निवासी अग्रसेन नगर एयरपोर्ट रोड 27 मार्च की सुबह घर से नाश्ता करने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसी रात मल्हारगंज थाने पहुंचकर अखिल की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

परिजनों को सूचना मिली कि अखिल का शव बलवाड़ा के पास एक पुलिया के पास पड़ा है। सूचना मिलते ही परिजन इंदौर से खरगोन के लिए रवाना हो गए। बलवाड़ा पुलिस ने शुरुआती तौर पर जहर से मौत की आशंका जताई है, हालांकि अभी शॉर्ट पीएम रिपोर्ट नहीं आई है।

# नकली प्रोटीन सप्लीमेंट रैकेट मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

### पहले हुई थी दो आरोपियों की गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली प्रोटीन सप्लीमेंट रैकेट मामले में नवीन कुमार उर्फ बंजारा नाम के एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है।

पिछली कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने मोहित तिवारी और मोहित दीक्षित नाम के दो आरोपित को गिरफ्तार किया था और उनसे 150 किलोग्राम नकली न्यूट्रिशन सप्लीमेंट तथा कई ब्रांडों के जाली स्टिकर बरामद किए गए थे। इस बार टीम ने हरियाणा के नवीन कुमार को गिरफ्तार किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के मुताबिक पहले गिरफ्तार किए गए दो आरोपितों से पूछताछ के आधार पर इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी विश्लेषण व स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार को नवीन कुमार को गिरफ्तार किर उसकी निशानदेही पर रानी खेड़ा गांव स्थित एक परिसर पर छापा मार वहां नकली प्रोटीन सप्लीमेंट बनाने और उनकी पैकेजिंग करने में लगी एक और अवैध निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। जांच से पता चला कि वह विभिन्न कच्चे पाउडर और फ्लेवरिंग एजेंटों को मिलाकर "आप्टिमम न्यूट्रिशन" और "सिंथा-6" जैसे नामी ब्रांडों के नकली प्रोटीन सप्लीमेंट बना रहा था, और उन्हें जाली स्टिकर, होलोग्राम और सील का उपयोग करके नकली डिब्बों में पैक कर रहा था।

इन नकली उत्पादों को फिर बाजार में आपूर्ति किया जाता था, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी होती थी और ब्रांड मालिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचता था। वहां से एक डेस्कटॉप कंप्यूटर भी बरामद किया गया, जिसमें नकली आप्टिमम न्यूट्रिशन स्टिकर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री की साफ्ट कापी मौजूद थीं। इस दौरान एफएसएसएआइ के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और आवश्यक नमूने एकत्र किए गए। नवीन कुमार, चरखी दादरी, हरियाणा का रहने वाला है और नकली न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स के अवैध निर्माण और सप्लाई में सक्रिय रूप से शामिल था।

वह दिल्ली के रानी खेड़ा गांव में निर्माण इकाई चला रहा था, जहां माल्टोडेक्सट्रिन, कोको पाउडर और फ्लेवरिंग एजेंट जैसे सस्ते कच्चे माल का उपयोग करके नकली सप्लीमेंट्स तैयार किए जाते थे। उसने कच्चे माल की खरीद, नकली उत्पादों के निर्माण और प्रतिष्ठित ब्रांडों के स्टिकर, होलोग्राम और कैप सील सहित नकली पैकेजिंग सामग्री की व्यवस्था करके सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पहले भी इसी तरह के मामलों में शामिल रहा है।

सु वि चा र

किसी की सलाह से रास्ते जरुर मिलते है पर मंजिल तो खुद की मेहनत से ही मिलती है!

# मुख्यमंत्री ने गोदावरी पुष्करालू की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की

## सीएम ने मास्टर प्लान पर अधिकारियों को कई निर्देश और सुझाव दिए

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बासर से भद्राचलम तक गोदावरी नदी के प्रवाह मार्ग पर स्थित प्रमुख मंदिरों और पुष्कर घाटों के विकास योजनाओं पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जून 2027 तक गोदावरी पुष्करालों से पहले पूर्ण किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने पुष्करालू के आयोजन के लिए तैयार की गई योजनाओं को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई सुझाव दिए और टेक्निकल इंजीनियर्स की समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो क्षेत्र स्तर पर जाकर पुष्करालों के आयोजन के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करे। इस समिति को 15-20 दिनों के भीतर रिपोर्ट अधिकारियों की समिति को सौंपनी है। इसके बाद अधिकारियों की समिति इस रिपोर्ट का मूल्यांकन कर कैबिनेट सब-कमेटी को सटीक अनुमान के साथ भेजेगी। कैबिनेट सब-कमेटी की मंजूरी के बाद इस योजना पर अंतिम निर्णय कैबिनेट द्वारा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में स्थायी और अस्थायी कार्यों को प्राथमिकता के क्रम में पूरा किया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की कमी से बचने के लिए पब्लिक भवन में विशेष वॉर रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

पुष्करालू की तैयारियों के तहत मुख्य मंदिरों और पर्यटन स्थलों पर घाटों का विस्तार करने की भी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, सड़कों और विभिन्न क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी में किसी प्रकार की दिक्कत न आने देने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने बासर श्री ज्ञान सरस्वती मंदिर के विकास और मंदिर विस्तार से संबंधित मास्टर प्लान मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने मास्टर प्लान पर अधिकारियों को कई निर्देश और सुझाव दिए।

# कालेश्वरम परियोजना में सीबीआई जांच में देरी को लेकर भाजपा पर निशाना

**भाजपा और बीआरएस के बीच मिलीभगत का आरोप**

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना में सीबीआई जांच के आदेश नहीं देने पर भाजपा की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले एक वर्ष से लगातार इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रही है, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाया था कि केसीआर परिवार ने कालेश्वरम परियोजना के लिए आवंटित धन का दुरूपयोग किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा था कि राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र 48 घंटे के भीतर सीबीआई जांच के आदेश देकर केसीआर और हरीश राव को जेल भेज सकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र की त्वरित प्रतिक्रिया की अपेक्षा करते हुए राज्य सरकार ने कालेश्वरम घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि कालेश्वरम घोटाले में बीआरएस और भाजपा के बीच मिलीभगत है।

मुख्यमंत्री ने हरीश राव के भाई महेश राव पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि महेश राव ने महबूबनगर जिले के बालानगर क्षेत्र में धारणी पोर्टल का दुरूपयोग कर निजी उद्योगों के मालिकों को धमकाकर सैकड़ों एकड़ भूमि पर कब्जा किया। उन्होंने कहा कि यदि बीआरएस नेता केटीआर और वेंकटरामी रेड्डी तैयार हों, तो सरकार इस भूमि अतिक्रमण मामले की जांच के लिए हाउस कमेटी गठित करने के लिए तैयार है।

## मेट्रो रेल अधिग्रहण के जरिए जनता पर 15,000 करोड़ रुपये का बोझ : केटीआर

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटीआर ने आज विधानसभा में कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने मेट्रो रेल परियोजना के अधिग्रहण संबंधी आंकड़ों को झूठे तरीके से पेश किया। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्यवासियों पर निजी कंपनी एलएंडटी के 15,000 करोड़ के कर्ज का बोझ जबरन डाल रही है। केटीआर ने यह स्पष्ट किया कि पूर्व वाईएसआर सरकार ने केवल 280 एकड़ सरकारी भूमि को मेट्रो परियोजना के लिए लीज पर दिया था, इसे निजी कंपनी को बेचा नहीं गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने एलएंडटी के पास स्थित भूमि खरीद ली, जबकि वास्तविकता में ये जमीन केवल लीज़ पर थी और राज्य सरकार की संपत्ति बनी हुई है। केटीआर ने इसे जनता के साथ छल और भ्रम फैलाने वाला कदम बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि "डंडुपाल्यम गैंग" इस 280 एकड़ सरकारी भूमि को हथियाने की योजना बना रहा है। केटीआर ने सवाल उठाया कि यदि मेट्रो परियोजना एलएंडटी के अधीन रहती, तो केंद्रीय सरकार आपत्ति क्यों करती? उन्होंने यह भी पूछा कि उनके कार्यकाल में केंद्र सरकार ने परियोजना के लिए वित्तीय सहायता क्यों प्रदान की, यदि परियोजना में कोई समस्या थी। केटीआर ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि कांग्रेस सरकार की मेट्रो रेल अधिग्रहण की घोषणा त्रुटिपूर्ण और गलत निर्णय है।

# साइबर अपराध पीड़ितों को 24.91 करोड़ रुपये की वापसी : शिखा गोयल

## राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से हुआ मामलों का निपटारा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधियों के जाल में फंसकर आर्थिक नुकसान झेलने वाले पीड़ितों को तेलंगाना पुलिस ने बड़ी राहत प्रदान की है। वर्ष 2026 की राष्ट्रीय लोक अदालत के मंच के माध्यम से राज्यभर के हजारों पीड़ितों को उनकी धनराशि वापस दिलाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है।

इस मेगा लोक अदालत के जरिए कुल 4,627 पीड़ितों को 24.91 करोड़ रुपये की राशि वापस की गई है, ऐसा तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने शनिवार को एक बयान में बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, विभिन्न बैंकों और डिजिटल भुगतान कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, सभी कमिश्नरेट्स और जिला पुलिस अधीक्षकों के सहयोग से इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

शिखा गोयल ने बताया कि इस वर्ष की पहली तिमाही में ही रिकॉर्ड स्तर पर रिकवरी हासिल की गई है। विशेष रूप से टीजीसीएसबी मुख्यालय के अंतर्गत 87 पीड़ितों को 5.64 करोड़ रुपये वापस दिलाए गए। इसके अलावा मलकाजगिरी इकाई ने 4.79 करोड़ रुपये (832 पीड़ित), हैदराबाद इकाई ने 3.99 करोड़ रुपये (553 पीड़ित) की रिकवरी कर अग्रणी स्थान प्राप्त किया।

वहीं साइबराबाद और संगारेड्डी इकाइयों ने प्रत्येक 1.52 करोड़ रुपये की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में 2026 में साइबर अपराधों के प्रति प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया गया है तथा लोक अदालत जैसे व्यवस्थित माध्यमों के जरिए पीड़ितों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना ही उनका मुख्य उद्देश्य है। निदेशक ने बताया कि साइबर सुरक्षा ब्यूरो की स्थापना के बाद से अब तक राज्यभर में कुल 53,434 पीड़ितों को 399.06 करोड़ रुपये की राशि वापस दिलाई जा चुकी है। वर्ष 2023 में यह राशि 8.3 करोड़ रुपये थी, जो 2024 में बढ़कर 183.9 करोड़ रुपये और 2025 में 183 करोड़ रुपये हो गई।

वर्ष 2026 में केवल तीन महीनों में ही 24.91 करोड़ रुपये की रिकवरी उनके निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

उन्होंने यह भी बताया कि यूपीआई धोखाधड़ी, निवेश योजनाओं के नाम पर होने वाले घोटाले और पहचान संबंधी धोखाधड़ी जैसे मामलों में बैंकों और न्याय व्यवस्था के साथ निरंतर समन्वय कर रिफंड प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है। इसी क्रम में शिखा गोयल ने जनता से साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने की अपील की।

## सीएम रेवंत रेड्डी और केटीआर में सांठगांठ : बंडी संजय

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के साथ सांठगांठ कर रहे हैं, और इसी कारण उन्होंने केटीआर के खिलाफ लंबित भ्रष्टाचार मामलों की जांच नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी केवल पूर्व मंत्री हरीश राव को निशाना बना रहे हैं और केवल कालेश्वरम परियोजना के भ्रष्टाचार के एक हिस्से पर ही जांच को सीमित कर रहे हैं। संजय ने कहा कि रेवंत रेड्डी केटीआर और कलवाकुंटला कविता के बीच समझौता करवाने में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी केवल 9,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि पूरे 1 लाख करोड़ रुपये के कथित कालेश्वरम घोटाले की व्यापक जांच छिपाई जा रही है। संजय ने कहा कि बीजेपी किसी तरह से कांग्रेस की कठपुतली नहीं है और केटीआर एक बड़े भ्रष्ट नेता हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि केटीआर इतना भ्रष्ट है, तो मुख्यमंत्री क्यों उनकी रक्षा कर रहे हैं। संजय ने स्पष्ट किया कि बीजेपी किसी राजनैतिक वंशवाद वाले गठबंधन में शामिल नहीं होगी और उनका लक्ष्य केसीआर परिवार के भ्रष्टाचार को समाप्त करना है।

## तालाब में डूबने से दो मजदूरों की मौत

निर्मल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल के महालक्ष्मी डबल-बेडरूम कॉलोनी में शनिवार शाम एक सिंचाई टैंक में तैरने के दौरान दो दिहाड़ी मजदूरों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों नशे की हालत में थे। पुलिस के अनुसार कॉलोनी निवासी कैलाश (32) और कोटेश्वर (48) उप्परिकुंटा नामक तालाब में तैरने गए थे, जबकि उन्हें तैरना नहीं आता था। गर्मी से राहत पाने के लिए वे पानी में उतरे, लेकिन डूब गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया। शनिवार देर रात एक शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरा शव रविवार सुबह मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## तेज रफ्तार टिपर की टक्कर से दो की मौत

निर्मल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल के कद्दाम मंडल के उदमपुर गांव में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार टिपर ने मोटरसाइकिल को कुचल दिया, जिससे एक महिला और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान कुमराम रामबाई (45) और उयिके भीमराव (20) के रूप में हुई है। दोनों अल्लमपल्ली गांव के गुर्रममदिरे बस्ती के निवासी थे। बताया जा रहा है कि टिपर की टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के समय दोनों कद्दाम मंडल मुख्यालय से अपने गांव की ओर जा रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## तालाब में डूबने से दो चरवाहों की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिल्ला जिले के कोनाराओपेट मंडल के धर्माराम गांव में रविवार को एक तालाब में डूबने से दो चरवाहों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मुदुके लक्ष्मीराजम (58) और कुम्मम मोंडैया (50) भेड़ों को चराने के लिए गांव के बाहरी इलाके में गए थे। इसी दौरान पानी पीते समय तीन भेड़ें तालाब में अंदर चली गईं। भेड़ों को बचाने के प्रयास में दोनों चरवाहे पानी में उतरे, लेकिन गहराई में जाने के कारण डूब गए। दोपहर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और तालाब के पास भेड़ों को देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाशी अभियान चलाया और दोनों के शव तालाब से बरामद किए। मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## लॉरी की चपेट में आकर 10 माह के बच्चे की मौत

मंचेरियल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के सीतारामपल्ली गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में सीमेंट ईंट निर्माण इकाई में लॉरी के पीछे हटने के दौरान 10 महीने के बच्चे की कुचलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार राजू की 10 माह की बेटी लिंगमपल्ली मिल्की लॉरी की चपेट में आ गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और अंदरूनी चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि राजू मूल रूप से पेद्दाबुधा गांव का रहने वाला है और कुछ साल पहले रोजी-रोटी की तलाश में सीतारामपल्ली आकर ईंट निर्माण कार्य करने लगा था। पुलिस ने गोदावरीखानी निवासी ड्राइवर वेंकट के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## नारसिंगी में दोस्त ने चाकू मारकर की युवक की हत्या

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नारसिंगी क्षेत्र में शनिवार रात एक युवक की उसके ही दोस्त ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार पी. कार्तिक (39) कोकापेट में रहते थे और मूल रूप से मंचेरियल जिले के निवासी थे। वह एक परिवार के यहां ड्राइवर का काम करते थे। जानकारी के मुताबिक कुछ महीने पहले कार्तिक की दोस्ती शेख बाशा से हुई थी और दोनों अक्सर साथ में शराब पीते थे। शनिवार शाम दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई, जो बढ़कर झगड़े में बदल गई। गुस्से में आकर शेख बाशा ने रसोई का चाकू उठाकर कार्तिक पर कई बार वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और

# विभिन्न दलों ने युद्ध के खिलाफ शांति रैली निकाली

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका- इजराइल-ईरान युद्ध के खिलाफ समिति के बैनर तले आज चारमीनार से एग्ज़ीबिशन ग्राउंड तक एक शांति रैली आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न राजनीतिक पार्टियों, नागरिक समाज समूहों और समुदाय के नेताओं ने भाग लिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तेलंगाना जनता समिति, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), साथ ही शिया और सुन्नी समुदाय के धार्मिक प्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठन रैली में सक्रिय रूप से शामिल हुए। वरिष्ठ नागरिक ने मार्च में भाग लेकर वैश्विक संघर्षों के प्रति व्यापक चिंता व्यक्त की। रैली का नेतृत्व एम. कोदंडराम ने किया और इसका समन्वयन सैयद निज़ामुद्दीन ने किया। प्रमुख नेताओं में के. नारायण, बी.वी. राघवुलु, मोता रोहित, डीसीसी खैरताबाद, खालिद सैफुल्लाह डीसीसी हैदराबाद, मुश्ताक मलिक, और अमजदुल्लाह खान समेत अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभा में संबोधित करते हुए वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि युद्ध मानवता के लिए कोई लाभ नहीं लाता और यह राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर आर्थिक अस्थिरता को बढ़ाता है। प्रतिभागियों ने मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि भारत की अंतर्राष्ट्रीय रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करें और संयुक्त राष्ट्र व अन्य वैश्विक नेताओं के साथ सक्रिय संवाद करके युद्ध को तुरंत समाप्त करने के लिए कदम उठाएं। एग्ज़ीबिशन ग्राउंड में आयोजित जनता सभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री से राज्य विधानसभा में युद्ध समाप्ति के लिए एक प्रस्ताव पेश करने और शांति व कूटनीतिक प्रयासों का संदेश मजबूत करने का अनुरोध किया गया।

## राज्यपाल ने सेवाभारती डॉ. हेडगेवार ब्लड बैंक का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को कोटी स्थित वाईएमआईएस ग्रंथालय भवन में सेवाभारती डॉ. हेडगेवार ब्लड बैंक का उद्घाटन किया। इस नई चैरिटेबल ब्लड बैंक का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सेवा करना और तत्काल रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। यह पहल समाज के सभी वर्गों को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए की गई है। समारोह में कोल एवं खनिज मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुहास राव हिरेमत, सुनील सपरे और आले श्याम कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.जी. सतीश रेड्डी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड सदस्य एवं पूर्व डीआरडीओ अध्यक्ष ने की।

सेवाभारती तेलंगाना के अध्यक्ष डी. दुर्गा रेड्डी ने संगठन की स्वास्थ्य सेवा में बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सेवाभारती पहले से मल्लेपल्ली में एक अस्पताल, एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बोइनपल्ली में जनरल ड्यूटी नर्सिंग असिस्टेंट प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर रहा है।

# हरीश ने अवैध खनन मामले में सीबी-सीआईडी जांच को कवर-अप करार दिया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के लोगों के लिए अब यह स्पष्ट हो गया है कि राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी अवैध खनन में शामिल हैं। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार निष्पक्ष जांच करने के बजाय सीबी-सीआईडी का उपयोग कवर-अप के रूप में कर रही है। उन्होंने पोंगुलेटी के इस्तीफे या बर्खास्तगी की मांग की और हाई कोर्ट के न्यायाधीश या हाउस कमेटी द्वारा जांच कराने का आग्रह किया। राव ने कहा कि विधानसभा में आज की घटनाओं से यह स्पष्ट हो गया कि अवैध खनन वास्तव में हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वीकार किया कि राघव कंस्ट्रक्शन्स ने गड़बड़ी की और इसलिए सरकार रक्षात्मक मोड में चली गई और ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है।

बीआरएस विधायक ने आरोप लगाया कि जब पार्टी ने विधानसभा में गंभीर रूप से अवैध खनन मुद्दा उठाया, तो सरकार ने उचित चर्चा की अनुमति नहीं दी और इसके बजाय सीबी-सीआईडी जांच की घोषणा कर मुद्दे को मोड़ने का प्रयास किया। हरीश राव ने कहा कि बीआरएस ने इस मुद्दे पर हाउस कमेटी की मांग की थी, लेकिन सरकार ने निष्पक्ष जांच करने की बजाय इसे दलितों से संबंधित राजनीतिक विवाद में बदलने की कोशिश की। उन्होंने बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी पर लक्षित हमले की भी कड़ी निंदा की, कहा कि सरकार उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बना रही है क्योंकि वे भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं।

## सड़क हादसे में पैदल यात्री की मौत

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सरूरनगर क्षेत्र में शनिवार रात एक सड़क दुर्घटना में एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अंबेडकरनगर कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय बी. रंगा स्वामी सड़क पार कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# कविता ने बीते समय के लिए मांगी माफी

## आउटसोर्सिंग संकट पर सरकार पर हमला किया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने रविवार को राज्य में आउटसोर्सिंग और कांट्रेक्ट कर्मचारियों के लिए समर्पित निगम तुरंत स्थापित करने की मांग की। हैदराबाद के इंदिरा पार्क में आउटसोर्सिंग एम्प्लॉईज जेएसी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कविता ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए न्याय सुनिश्चित न कर पाने पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। कविता ने पिछले और वर्तमान दोनों ही सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि लगभग पांच लाख आउटसोर्सिंग और कांट्रेक्ट कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रशासन निजी एजेंसियों के पक्ष में काम कर रहा है, जिससे कर्मचारियों के साथ अन्याय हो रहा है, जबकि समाधान मौजूद हैं जो सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं डालते। कविता ने तत्काल कार्रवाई की मांग की और सरकार को दो दिन का समय दिया, अन्यथा उन्होंने हैदराबाद में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी। कविता ने यह भी कहा कि एम. कोडंदराम और जी. हरगोपाल जैसे बुद्धिजीवियों की चुप्पी ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल असर डाला है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि तेलंगाना जागृति राजनीतिक दल में परिवर्तित होने पर विचार कर रही है और यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो आउटसोर्सिंग और कांट्रेक्ट रोजगार प्रणाली को समाप्त कर स्थायी सरकारी रोजगार संरचना सुनिश्चित करेगी। कविता ने कहा कि संघर्ष तब तक जारी रहेगा

## कौशिक रेड्डी पर कडियम श्रीहरी के साथ अभद्र हरकत करने का आरोप

### बीआरएस और कांग्रेस सदस्यों के बीच जोरदार बहस

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में रविवार को बीआरएस और कांग्रेस सदस्यों के बीच जोरदार बहस देखी गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी के विधायक पाड़ी कौशिक रेड्डी ने उनके पार्टी के विद्रोही विधायक और पूर्व मंत्री कडियम श्रीहरी के साथ अभद्र और "गुंडागर्दी" जैसी हरकत की। कांग्रेस सदस्यों के अनुसार, जब कडियम श्रीहरी बोल रहे थे, तब कौशिक रेड्डी ने उनके प्रति धमकाने वाली मुद्रा अपनाई और उंगली तानते हुए डराने का प्रयास किया। कांग्रेस ने उनके खिलाफ विधानसभा सदस्यता रद्द करने सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। राज्य मंत्री अडलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी का व्यवहार विशेषकर आक्रामक इशारे और धमकाना अस्वीकार्य है, खासकर जब यह व्यवहार दलित समुदाय के सदस्य कदियाम श्रीहरी के साथ किया गया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष प्रसाद कुमार से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। कई अन्य मंत्रियों ने भी कौशिक रेड्डी के व्यवहार पर गहरी नाराजगी जताई और उनके निलंबन की मांग की। भाजपा विधायक पायल शंकर ने कहा कि कौशिक रेड्डी की हरकतें शर्मनाक हैं और सभ्य समाज के लिए कलंक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी को दलितों की कोई परवाह नहीं है और पार्टी जानबूझकर विधानसभा की कार्यवाही बाधित कर रही है। उन्होंने पूछा कि हरीश राव और केटीआर कौशिक रेड्डी की हरकतों पर मौन रहकर क्या संदेश दे रहे हैं। विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने कहा कि कौशिक रेड्डी का व्यवहार पूर्णतः अपमानजनक है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक पेद्दा बोज्जु ने कहा कि कौशिक रेड्डी की हरकतें शर्मनाक हैं और उनके वीडियो फुटेज जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता आगामी चुनावों में बीआरएस पार्टी को इसका सबक जरूर सिखाएगी। विधायक बालू नाइक ने सवाल उठाया कि क्या दलितों और आदिवासियों के लिए विधानसभा में कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने हरीश राव, केटीआर और अन्य बीआरएस नेताओं से कडियम श्रीहरी से माफी मांगने की मांग की।

## श्रद्धालुओं से भरी बस पेड़ से टकराई: 40 लोग घायल

मऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा के पास मुबारकपुर में करीब 12:30 बजे अयोध्या से बलिया जा रही श्रद्धालुओं की बस के चालक को झपकी आने से पीपल के पेड़ से टकरा गई। हादसे में 40 लोग घायल हो गए। 27 घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार की हालत गंभीर बनी है। जानकारी के मुताबिक बीते दिनों बलिया से श्रद्धालु निजी बस यूपी 70 सिटी 5763 से अयोध्या में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में शामिल होने के लिए कुल 65 लोग गए थे।

कार्यक्रम के समापन के बाद सभी बस से वापस बलिया आ रहे थे। अभी हलधरपुर क्षेत्र के मुबारकपुर के पास पहुंचे थे कि बीती रात चालक को झपकी आने से सड़क किनारे स्थित पीपल के पेड़ में बस की टक्कर हो गई। बस में सवार 40 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को रतनपुरा सीएससी पर लाया गया।

# नीतीश कुमार आज देंगे विधान परिषद से इस्तीफा

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति एक साथ दो सदनों का सदस्य नहीं रह सकता। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में उन्हें 14 दिनों के भीतर एक पद छोड़ना अनिवार्य है। इसी नियम के तहत 30 मार्च को नीतीश कुमार का एमएलसी पद छोड़ना अब लगभग तय माना जा रहा है।

**30 मार्च को ही इस्तीफा क्यों?**

दरअसल, जब कोई नेता राज्यसभा के लिए चुना जाता है (जैसा कि नीतीश जी 16 मार्च को चुने गए), तो नियम के मुताबिक उसे 14 दिनों के अंदर अपनी पुरानी सीट (जैसे विधान परिषद) छोड़नी पड़ती है।

यह डेडलाइन 30 मार्च को खत्म हो रही है। दूसरी तरफ, बिहार विधानसभा और परिषद में तक छुट्टियां हैं, इसलिए सदन की कार्यवाही शुरू होते ही 30 मार्च को वे अपना औपचारिक त्यागपत्र विधान परिषद के सभापति को सौंपेंगे।

**बिना एमएलसी बने बिहार पर किया राज**

बता दें कि नीतीश कुमार ने आखिरी बार 2004 में लोकसभा का चुनाव (नालंदा से) लड़ा था। उसके बाद से वे लगातार विधान परिषद के सदस्य रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी भी एक सदन (विधानसभा या विधान परिषद) का सदस्य होना जरूरी होता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने परिषद के रास्ते ही सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। अब माना जा रहा है कि वे राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होना चाहते हैं। राज्यसभा का सदस्य बनकर वे दिल्ली में रहकर केंद्र सरकार में किसी अहम जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं।

## 7 साल की मासूम को तेंदुआ ने बनाया शिकार

लखीमपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। खीरीबेलरायां वन रेंज के फुटहा फार्म इलाके में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ आखिरकार 77 घंटे बाद वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। सात वर्षीय मासूम सिमरन को शिकार बनाने वाले तेंदुए को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान में रात सफलता मिल गई। तेंदुए के पकड़े जाने की खबर मिलते ही क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने फुटहा फार्म समेत सिंधौना, रमुआपुर और दलराजपुर गांवों में व्यापक अभियान चलाया था। पांच पिंजरे लगाए गए थे,

जिनमें बकरियों को चारे के रूप में बांधा गया। इसके अलावा ट्रैप कैमरे और ड्रोन की मदद से 24 घंटे निगरानी की जा रही थी। शाम फुटहा फार्म निवासी जोगा सिंह की सात वर्षीय बेटी सिमरन घर में खेल रही थी। इसी दौरान तेंदुआ घर में घुस आया और बच्ची को उठाकर खेतों की ओर भाग गया।

## अखिलेश पर पंकज चौधरी का पलटवार

### बोले-भ्रष्ट राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा है नोएडा एयरपोर्ट

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रधानमंत्री को मेहमान बताने संबंधी बयान पर यूपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन उस डरपोक और भ्रष्ट राजनीति करने वालों के मुंह पर करारा तमाचा है, जिन्होंने नोएडा को सिर्फ अपनी तिजोरी भरने का जरिया बनाया था। चौधरी ने कहा कि पीएम को मेहमान बताने वालों को अच्छी तरह से यह समझ लेना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का हर घर अब पीएम मोदी का अपना घर बन चुका है।

प्रदेश की जनता ने मेहमान तो अब उन लोगों को बना दिया है, जो पांच साल में एक बार चुनाव देखकर एसी कमरों से बाहर निकलते हैं और हार दिखने पर संस्कारों का रोना रोते हैं। उन्होंने कहा कि जो कुर्सी जाने के डर से कभी नोएडा की दहलीज लांघने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उसी नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ है। अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि आपकी संकुचित सोच विकास की इस ऊंची उड़ान को कभी समझ ही नहीं पाएगी।

रही बात विदाई की तो 2027 में प्रदेश की जनता आपकी राजनीति पर परमानेंट फुल स्टॉप लगाकर आपको ससम्मान घर बैठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यानि, सत्ताइस में सपा साफ।

# केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बोले

## 'ममता बनर्जी चुनाव हार चुकी हैं, लोकप्रियता भी खत्म'

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी लोकप्रियता अब घट चुकी है और वह यह चुनाव पहले ही हार चुकी हैं। गिरिराज सिंह ने अपने बयान में कहा, "ममता बनर्जी की लोकप्रियता घट गई है और वह यह चुनाव पहले ही हार चुकी हैं। पिछले 15 वर्षों में उन्होंने गरीबी, शिक्षा घोटालों या बेरोज़गारी जैसे मुद्दों का समाधान नहीं किया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद राज्य में बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, "हताशा में ममता बनर्जी गृहयुद्ध जैसा वातावरण बनाना चाहती हैं। वह यह नहीं कहेंगी कि वहाँ के कर्मचारियों का सातवाँ वेतन कब से लागू होगा। वह यह नहीं कहेंगी कि बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलेंगी। वह महिलाओं को 3000 देने के बजाय मासिक 3000 देने की घोषणा नहीं करेंगी। लेकिन महिलाओं से कहेंगी कि बूथ पर जाइए और गृहयुद्ध जैसा वातावरण बनाइए।"

गिरिराज सिंह ने इस पूरे मामले को लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कहा, "यह एक तरह से लोकतंत्र के विरोध में है। वह हार चुकी हैं। 15 साल में उन्होंने गरीबी पर बात नहीं की। शिक्षा के घोटाले पर बात नहीं की। बेरोजगारी पर बात नहीं की। कर्मचारियों के सातवें वेतन पर बात नहीं की। महिलाओं को 3000 मासिक देने पर बात नहीं की। वह केवल इसी तरह का वातावरण बनाना चाहती हैं, जिससे सरकार की विफलता पर चर्चा न हो।"

**चुनाव से पहले बढ़ी सियासी बयानबाजी**

पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले इस तरह के बयान राजनीतिक माहौल को और गर्म कर रहे हैं। एक तरफ सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियां गिना रहा है, तो दूसरी तरफ विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। गिरिराज सिंह का यह बयान भी उसी सियासी घमासान का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

## अमेजन से मंगाया मछली का दाना, पहुंची 314 लीटर शराब; बिहार में ऑनलाइन तस्करी का भंडाफोड़

समस्तीपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में मुफस्सिल थाने की पुलिस ने शनिवार को अमेजन (ऑनलाइन शापिंग कंपनी) के डिलीवरी सर्विस पार्सल पार्टनर विंग के आफिस में छापा मारकर शराब की खेप बरामद की। यहां मछली दाना की बुकिंग की आड़ में शराब की तस्करी की जा रही थी। पुलिस को इसकी सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई। इस संबंध में तीन लोगों पर प्राथमिकी की गई है। शराब की यह खेप शराब कल्याणपुर थाना क्षेत्र के लदौरा पंचायत भवन के समीप वीरेंद्र कुमार के यहां डिलीवर होनी थी। इसे प्लास्टिक की 20 बाल्टियों में पैक किया गया था। जितवारपुर स्थित वेयर हाउस में पार्सल से शराब की गंध आने के बाद कूरियर कंपनी ने इसकी सूचना अमेजन के प्रतिनिधि और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पार्सल को खोला तो होश उड़ गए।

# यूपी से पटना पहुंचा 38 केजी स्मैक

## पुड़िया बनाकर होता था सप्लाई; ड्रग्स तस्करी में पुलिसवाला भी शामिल!

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। पटना पुलिस ने रात 1.661 किलोग्राम स्मैक और 19.5 किलोग्राम कच्चा माल बरामद किया है। जो कच्चा माल बरामद किया गया है उसे पावर, कट पत्थर एवं पाउडर बोलते हैं। यह विभिन्न रूपों में है। इसमें रसायन मिलकर इससे 38 किलोग्राम स्मैक तैयार किया जाना था। स्मैक तैयार हो जाने के बाद इसे पटना के अलग-अलग इलाकों में खपाने की तैयारी थी।

पुलिस ने स्मैक के साथ ही एक पिस्टल, एक कट्टा, दो मैग्जीन, इलेक्ट्रानिक तराजू, 2.15 लाख नकद, 12 मोबाइल, सात बैंकों के चेक, सात पासबुक और नशीली दवा भी जब्त की है। वहां से मिले 19 लाख रुपये के दो चेक पर लिखे नाम का सत्यापन करने पर पुलिस भी दंग रह गई। वह चेक पुलिसकर्मी ऋषिकेश कुमार के नाम के थे, जो पीटीसी (प्रोमोशनल ट्रेनिंग कोर्स) में है। छानबीन में पता चला कि वह मूल रूप से नालंदा का निवासी है, जो पहले गया जिले में तैनात था। करीब नौ माह पूर्व उसका भागलपुर स्थानांतरण हुआ, लेकिन तब से योगदान नहीं किया है। वह फरार है।

पुलिस अब ऋषिकेश को गिरफ्तार करने के लिए छापे मार रही है। वहीं, उसके साथ ही एक-दो अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। स्मैक और कच्चे माल की तस्करी वाराणसी और अन्य जगह से की गई थी। आशंका है कि तस्करी के सिंडिकेट में आरोपित पुलिसकर्मी की भूमिका अहम थी, जो कुरियर या पासिंग में काम कर रहा था। वर्दी की आड़ में उत्तर प्रदेश से बिहार लाने और पटना सिटी व अन्य जगहों पर आपूर्ति कराने में भी उसकी भूमिका हो सकती है। इन सबकी जांच-पड़ताल की जा रही है। तस्करी कुरियर या छोटे वाहनों से की जा रही थी। अब तक इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों की पहचान समस्तीपुर के अंगार के जितेंद्र कुमार और जहानाबाद के काको निवासी नितीश कुमार के रूप में हुई है। जितेंद्र कुमार को पहले भी आलमगंज थाना क्षेत्र से सात किलोग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में वह 35 माह बेउर जेल में गुजार चुका है।

इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक, हथियार और नकदी की बरामदगी से स्पष्ट है कि इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। इस चेन से जुड़े डेढ़ दर्जन से अधिक अपराधियों की संलिप्तता की बात सामने आ रही है। पुलिस उन सभी की पहचान कर सत्यापन में जुटी है। जिले में लगातार स्मैक और ब्राउन शुगर की पुड़िया बरामद हो रही थी।

# डिजिटल हुआ विधान परिषद

## नीतीश के फैसले का करेंगे सम्मान',सासाराम में बोले- अवधेश नारायण सिंह

सासाराम, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह रविवार को सासाराम पहुंचे। अवधेश नारायण सिंह ने मीडिया से कहा कि बिहार विधान परिषद देश का पहला हाउस है, जहां संपूर्ण कार्रवाई डिजिटल हो चुकी है। इस आधुनिक पहल से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता व गति आई है। इसके अलावा उन्होंने एआई के दौर में सदन की जरूरतों पर भी चर्चा की और कहा कि इसके लिए सदन के सभी सदस्यों को प्रशिक्षण देने के लिए टेक्निकल एक्सपर्ट को बुलाया गया है।

अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे लोकप्रिय, प्रगतिशील, विकासशील एवं महत्वपूर्ण नेता के बिहार छोड़कर जाने का सबको दुख है। सभी लोग दिल से चाहते हैं कि नीतीश कुमार बिहार की सेवा करते रहे, लेकिन राज्यसभा जाने का फैसला उनका निजी है। नीतीश कुमार प्रदेश के शीर्ष नेता है और राष्ट्रीय नेतृत्व में भी उनका महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए उनका अंतिम फैसला सभी के लिए सर्वमान्य होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ अपने रिश्ते पर कहा कि उनका संबंध पद से नहीं जुड़ा बल्कि आत्मा से जुड़ा है। वहीं, बिहार के अगले मुख्यमंत्री के सवाल पर सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि एनडीए का शीर्ष नेतृत्व हीं बिहार का अगला सीएम तय करेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बारे में अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है, अगर सूचना मिलती है तो वे जरूर जायेंगे। अवधेश नारायण सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी तारीफ की। कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण उत्पन्न विषम परिस्थितियों में भी प्रधानमंत्री धैर्य के साथ काम कर रहे हैं और उनके कार्यों की विपक्ष भी सराहना कर रहा है। हमारे देश में तेल एवं गैस की कोई किल्लत नहीं है।

# 'डिप्टी सीएम डिलीवरी बॉय भी हो सकते हैं'

## एलपीजी की जमाखोरी का जिक्र कर अखिलेश यादव का केशव प्रसाद मौर्य पर तंज

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कथित कमी और जमाखोरी को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा, मैं सोच रहा था कि डिप्टी सीएम क्या-क्या हो सकते हैं। आज के जमाने में डिप्टी सीएम डिलीवरी बॉय भी हो सकते हैं।

उन्हें एक काम करना चाहिए, अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक कर देना चाहिए, ताकि किसी को सिलेंडर की जरूरत हो तो वे उपलब्ध करा सकें। उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा, सबसे ज्यादा पेट्रोल, डीजल और सिलेंडर का भंडारण अगर किसी ने किया है, तो डिप्टी सीएम ने खुद किया होगा या फिर बीजेपी के लोगों ने बड़े पैमाने पर जमाखोरी कर रखी होगी। तभी तो वे कह रहे हैं कि कोई कमी नहीं है। अखिलेश यादव ने मीडिया और जमीनी हालात का हवाला देते हुए कहा, कैमरे झूठ नहीं बोल सकते। एक बार को आप किसी के प्रभाव में आकर गलत टिप्पणी कर सकते हैं, गलत बात कह सकते हैं, लेकिन कैमरे झूठ नहीं बोलते। कैमरा जो देखता है, वही रिकॉर्ड करता है। एक तरह से ये नई आंखें हैं, नए जमाने की आंखें हैं। उन्होंने दावा किया कि वास्तविक स्थिति सरकार के दावों से अलग है और इसे कोई भी व्यक्ति खुद जाकर देख सकता है।

**पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों पर लंबी लाइनें**

जमीनी हालात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आप किसी भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर चले जाइए, बड़े पैमाने पर लोग लाइन में खड़े इंतजार कर रहे हैं। कुछ लोग रात भर रुके रहते हैं या इंतजार करते हैं कि कैसे गाड़ी में पेट्रोल या डीजल मिल जाए।

**'झूठ मत बोलिए, जनता सीधी है'**

सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा, जब देश के प्रधानमंत्री ने सदन में कहा कि कोरोना जैसी परिस्थिति आ सकती है, तब उनके नीचे के नेता झूठ बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री क्या कह रहे हैं, डिप्टी सीएम क्या कह रहे हैं, सबके बयान अलग हैं। इनके लोग इनके इशारे पर आप लोगों के माध्यम से झूठ फैलवा रहे हैं। उन्होंने जनता का जिक्र करते हुए कहा, कम से कम सच बोलना चाहिए। देश की जनता बहुत भोली-भाली और सीधी है। अगर आपके पास गैस नहीं है,

तो लोग कंडे, लकड़ी या कोयले का इंतजाम कर लेंगे और खाना बना लेंगे, लेकिन आप झूठ मत बोलिए। उन्होंने आगे कहा, अगर डिप्टी सीएम कह रहे हैं कि कहीं कोई कमी नहीं है, तो इसका मतलब है कि सबसे ज्यादा पेट्रोल, डीज़ल और गैस सिलेंडर का भंडारण कहीं न कहीं किया गया है। यदि कमी नहीं है, तो फिर यह भंडारण किसके पास है? इसका मतलब है कि उन्हें पता है कि यह सब कहां रखा गया है, उनके पास या उनके सहयोगियों के पास। इसलिए उन्हें चाहिए कि वे आगे आकर लोगों को ये सभी चीजें उपलब्ध कराएं।

## कमरा दिखाने के बहाने नाबालिग को बंधक बनाया और 2 दोस्तों संग मिलकर युवक ने किया गैंगरेप

कानपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में हुए बिठूर गैंगरेप मामले ने एक बार फिर पूरे समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। यहां वाराणसी की 15 साल की नाबालिग के साथ मंधना क्षेत्र के हॉस्टल में हुई गैंगरेप की घटना शनिवार को कोर्ट में कलमबंद हुई। नाबालिग ने अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालत में आपबीती सुना दी। वहीं, पीड़िता के माता-पिता भी जब बिठूर थाने पहुंचे, जहां उनका बेटी से आमना-सामना कराया गया, तो मां को देखते ही नाबालिग उनसे लिपटकर फूट-फूटकर रो पड़ी।

जानकारी के अनुसार, वाराणसी से कानपुर के मंधना पहुंची नाबालिग को बीते मंगलवार की रात करीब 12 बजे पदम त्रिपाठी नामक युवक हॉस्टल में कमरा दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया था। हॉस्टल के कमरे में पहुंचते ही पदम ने अपने दोस्त निहाल सिंह और नितेश दुबे उर्फ बिल्लू को भी बुला लिया। तीनों ने मिलकर नाबालिग को 5 घंटे तक बंधक बनाया और उसके साथ गैंगरेप किया।

## हड़ताली राजस्व कर्मियों पर सरकार सख्त, एफआईआर के आदेश, धमकी देने वालों पर होगी कार्रवाई

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि अब काम में बाधा डालने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी और इसके लिए सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को आदेश जारी कर दिए गए हैं। विभाग के अनुसार, करीब 50% राजस्व कर्मचारी अंचल कार्यालयों में हड़ताल पर हैं, जबकि बाकी 50% कर्मचारी काम संभाल रहे हैं। काम प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार ने गैर-हड़ताली कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंप दिया है। इसके बावजूद कई जगहों से काम कर रहे कर्मचारियों को धमकाने की शिकायतें सामने आई हैं।

विभाग को मिली शिकायतों में कहा गया है कि हड़ताल पर गए कुछ कर्मचारी अपने ही साथियों को व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमका रहे हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर उनका नाम उजागर कर 'नेमिंग एंड शेमिंग' भी की जा रही है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। विभाग ने इसे सरकारी कामकाज में बाधा डालने की गंभीर कोशिश माना है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सी. के. अनिल ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने को कहा है। इसके साथ ही आईटी एक्ट, 2000 की धारा 67 के तहत भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की सख्ती का असर अब दिखने लगा है। विभागीय जानकारी के मुताबिक अब तक 24 हड़ताली कर्मचारी काम पर लौट चुके हैं।

अधिकारियों का कहना है कि आगे भी बड़ी संख्या में कर्मचारी वापस लौट सकते हैं। विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि वे हर कार्रवाई की रिपोर्ट तुरंत भेजें। उप मुख्यमंत्री सह राजस्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था से कोई भी खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# 'अखिलेश यादव से मुसलमानों का विश्वास हट गया'

## एआईएमआईएम नेता ने बाबरी मस्जिद का भी किया जिक्र

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। सभी प्रमुख दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं और अपने-अपने वोट बैंक को साधने में जुटे हैं। इसी बीच बयानबाजी का स्तर भी लगातार तीखा होता जा रहा है। एआईएमआईएम समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से थोड़ी खफा-खपा लग रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एआईएमआईएम ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोला है। पार्टी के पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के हालिया बयानों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे प्रदेश की राजनीति और गर्म हो गई है।

इसरार अहमद ने कहा, अखिलेश यादव से मुसलमानों का विश्वास हट गया है। वो मुसलमानों के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं, समाजवादी पार्टी के मुखिया स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव मुसलमानों के नेता हुआ करते थे, जिसकी वजह से मुसलमान समाजवादी को वोट देता था। अखिलेश यादव के पिता जी ने खुद यह कहा था कि अखिलेश मुसलमानों को पसंद नहीं करते हैं, उनसे रंजिश रखते हैं

अखिलेश यादव के राम मंदिर जाकर दर्शन करने और अपने गृह जनपद में मंदिर निर्माण से जुड़े बयान पर एआईएमआईएम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इसरार अहमद ने कहा कि अखिलेश यादव कह रहे थे कि वे जो अपने गृह जनपद में जो मंदिर निर्माण करवा रहा हूं फिर मैं भागते हुए अयोध्या जाऊंगा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुलायम सिंह यादव जी जिस बाबरी मस्जिद के हिफाजत में वहां कारसेवकों पर गोलियां चलवा रहे थे, क्या समाजवादी पार्टी उस एजेंडे से हट रही है।

इसरार अहमद ने अपने बयान में मुलायम सिंह यादव की विरासत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव को मुसलमानों का नेता माना जाता था, क्योंकि उन्होंने बाबरी मस्जिद की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाए थे। उन्होंने कहा, लोग समझ गए हैं कि लोगों ने मुलायम सिंह को मुल्ला मुलायम सिंह क्यों कहा था क्योंकि जो लोग बाबरी मस्जिद को ढहाने गए बाबरी मस्जिद को बचाने के लिए उन पर उन्होंने गोली चलवा दी थी, उसी बुनियाद पर मुसलमान उन्हें अपने नेता मानता था।

इसरार अहमद ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने भाजपा के साथ समझौते किए, जिसमें मुलायम सिंह को पद्म सम्मान और आजम खान के जेल जाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इससे सपा की साख को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने साफ कहा, मुसलमानों का विश्वास अब सपा से हट चुका है, अब अपनी डूबती हुई नाव को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हिंदू वोटों को साधने की कोशिश कर रहे हैं, जो दिखाता है कि वे कितने घबराए हुए हैं,

## बंगाल में टीएमसी की वापसी मुश्किल

### जेडीयू नेता का बड़ा बयान; नागरिकता और सुरक्षा पर उठाए सवाल

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजीव रंजन प्रसाद ने पश्चिम बंगाल की राजनीति और नागरिकता के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में मौजूदा हालात तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जाते दिख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी की सत्ता में वापसी आसान नहीं होगी। जनता अब बदलाव चाहती है और राज्य की राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है।

राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि देश में वही लोग नागरिक माने जाएंगे जिनके पास वैध दस्तावेज हैं। उन्होंने इसे कानून और व्यवस्था के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था पूरे देश में लागू होनी चाहिए।

**राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा मुद्दा**

उन्होंने नागरिकता के मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते हुए कहा कि यह सिर्फ संसाधनों के सही इस्तेमाल का सवाल नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा का भी अहम विषय है।

**दुनिया के उदाहरण दिए**

जेडीयू नेता ने कहा कि दुनिया के कई देश ऐसे लोगों को बाहर कर रहे हैं जिनके पास वैध कागजात नहीं हैं। भारत में भी इस दिशा में सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

**ममता बनर्जी पर सीधा हमला**

उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे राज्य में लग रहे आरोपों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रही हैं, जिससे उनकी राजनीतिक मुश्किलें बढ़ रही हैं।

**बंगाल की राजनीति में बढ़ती हलचल**

राजीव रंजन प्रसाद के इस बयान को पश्चिम बंगाल की राजनीति में बढ़ती हलचल के तौर पर देखा जा रहा है। आने वाले समय में यह मुद्दा और अधिक राजनीतिक बहस का केंद्र बन सकता है।

## एलपीजी संकट का असर: मुंबई में चोरी हो गए 27 गैस सिलेंडर

### पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) इलाके में एक डिलीवरी टेंपो से 27 एलपीजी सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटना की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। यह चोरी चारकोप इलाके में हुई है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से गैस सप्लाई को लेकर पहले से ही चिंता बनी हुई है, ऐसे में यह वारदात हर तरफ चर्चा का विषय बन गई है।

डिलीवरी मैन नंदकुमार रामराज सोनी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि 25 मार्च को उन्होंने अपने घर के पास काका केनी चौक पर एलपीजी सिलेंडरों से भरा अपना टेंपो खड़ा किया था। जब सोनी 26 मार्च को वापस आए, तो उन्होंने देखा कि टेंपो की खिड़की का कांच टूटा हुआ था और पीछे का ताला भी टूटा हुआ था। पुलिस अधिकारी ने शनिवार को एफआईआर के हवाले से बताया कि वाहन से कुल 27 गैस सिलेंडर लदे हुए थे जो कि चोरी हो गए हैं। इनमें से पांच सिलेंडर भरे हुए थे और 22 खाली थे। चोरों ने बड़ी चालाकी से इस वारदात को अंजाम दिया।

## ईरान के राष्ट्रपति को लेकर पूछे गए सवाल में महुआ मोइत्रा ने कर दी गलती

# विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध को लेकर बढ़ते संकट, क्षेत्रीय तनाव और ईरान के शीर्ष नेतृत्व की हमले में मौत के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज है। भारत में भी यह मुद्दा छाया हुआ है। इसी कड़ी में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा में ईरान से जुड़े एक संवेदनशील मुद्दे पर विदेश मंत्रालय से सवाल किया। ईरान के राष्ट्रपति को लेकर पूछे गए सवाल को लेकर महुआ मोइत्रा ने गलती कर दी। हालांकि विदेश मंत्रालय ने इस जवाल का जवाब दिया और महुआ मोइत्रा का ध्यान उनकी गलती की ओर भी दिलाया।

लोकसभा में तृणमूल सांसद ने महुआ मोइत्रा ने अतारांकित प्रश्न किया था। इसलिए सरकार ने उनके सवाल का 27 मार्च को मौखिक नहीं बल्कि लिखित जवाब दिया है। हालांकि मोइत्रा के सवाल का विदेश मंत्रालय ने क्या जवाब दिया है, इसका जवाब जानने से यह जरूरी है कि उन्होंने सवाल क्या किया है। महुआ मोइत्रा ने भारत-ईरान संबंध शीर्षक के तहत तीन भागों में सवाल पूछा था। 2024 में ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी की मृत्यु के बाद दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने वाले

सरकारी अधिकारी का पद और पदनाम क्या था? अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु के बाद दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने वाले सरकारी अधिकारी का पद और पदनाम क्या था? प्रतिनिधित्व के स्तर में अंतर के कारण क्या हैं?

**विदेश सचिव ने जताया था शोक**

सवाल सामान्य सा था लेकिन इसमें सरकार को घेरने की कोशिश भी थी। दरअसल विपक्ष इस बात के लिए सरकार की आलोचना करता रहा है कि खामेनेई की मौत के बाद मोदी सरकार ने तुरंत इसका शोक नहीं जताया और शोक जताने दिल्ली के ईरानी दूतावास गए भी तो विदेश सचिव विक्रम मिस्री। हालांकि इस सवाल में मोइत्रा ने एक तथ्यात्मक गलती कर दी।

**सरकार ने क्या दिया जवाब?**

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने तीनों सवालों का सिलसिलेवार क्या जवाब दिया है। यह प्रश्न नहीं उठता क्योंकि 2024 में ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी नहीं थे। अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु के बाद विदेश सचिव ने 5 मार्च 2026 को दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे। तो यह प्रश्न नहीं उठता।

**2024 में किस ईरानी राष्ट्रपति की हुई मृत्यु?**

अब आप समझ गए होंगे कि वो तथ्यात्मक गलती क्या थी। दरअसल, जिस ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी का जिक्र मोइत्रा ने अपने पहले सवाल में किया है वो 2013 से 2021 तक पद पर थे और आज भी जीवित हैं। रूहानी के पद से हटाने के बाद उनकी जगह 2021 में राष्ट्रपति के पद पर इब्राहिम रईसी काबिज हुए, जिनकी मृत्यु 2024 में हुई थी।

**विपक्ष कर रहा विदेश नीति की आलोचना**

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जब से शुरू हुआ है, तब से विपक्ष लगातार ईरान मामले पर विदेश नीति को लेकर सरकार पर हमलावर है। खासकर कांग्रेस और राहुल गांधी इस बात का आरोप लगाते रहे हैं कि सरकार ने इजरायल और अमेरिका के दबाव में ईरान से जुड़ी भारत की दशकों पुरानी नीति को बदल दिया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ईरान पर हुए हमले और उसमें ईरान के सुप्रीम धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत को लेकर चुप्पी साधे हुए है और उसने इस हमले की निंदा नहीं की है।

## उत्तराखंड में 'खेला', हरियाणा में खलबली

# कुमारी सैलजा ने एक साथ दी बीजेपी और हुड्डा गुट को टेंशन

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका देते हुए उसके कुछ नेताओं को अपने पाले में कर लिया है। उत्तराखंड की कांग्रेस प्रभारी कुमार सैलजा ने बीजेपी में सेंध लगाने में अहम भूमिका निभाई है। हरियाणा से सिरसा से सांसद सैलजा गांधी परिवार के बेहद करीब मानी जाती हैं। हरियाणा में भी वे कांग्रेस का सबसे बड़ा दलित और गैर-जाट चेहरा हैं। उत्तराखंड में उनके नेतृत्व में भाजपा में हुई 'तोड़फोड़' से अब साफ हो गया है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें 'फ्री हैंड' दिया है। इसका असर हरियाणा में भी होगा और उनका सबसे बड़े विरोधी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गुट असहज होगा। उत्तराखंड में जिन बीजेपी नेताओं को सैलजा ने कांग्रेस में शामिल कराया है उनमें बीजेपी के टिकट पर दो बार के विधायक रहे राजकुमार ठुकराल सबसे बड़ा नाम है। ठुकराल के अलावा बीजेपी के पूर्व विधायक भीमलाल आर्य भी कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

रुड़की के पूर्व मेयर गौरव गोयल ने भी बीजेपी का साथ छोड़ कांग्रेस का दामन थामा है और भीमताल के भाजपा नेता लखन सिंह अपनी पत्नी के साथ कांग्रेस मसूरी से अनुज गुप्ता भी कांग्रेसी हो गए हैं। बीजेपी के अलावा सैलजा ने बीएसपी में भी सेंध लगाई है। बहुजन समाज पार्टी के दो बार के विधायक नारायण पाल ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। कुमारी सैलजा को राजनीति उनके पिता दलबीर सिंह से विरासत में मिली। वे हरियाणा के बड़े दलित नेता थे। कुमारी सैलजा हरियाणा से चार बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हो चुकी हैं।

## दुष्कर्म की शिकायत के बाद युवती ने खुद को लगाई आग

गंजाम, 29 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले में एक 20 वर्षीय युवती ने दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराने के अगले ही दिन आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, युवती ने कोटीनडा थाना क्षेत्र में अपने घर के पीछे केरोसिन डालकर खुद को आग लगा ली। घटना के वक्त वह घर पर अकेली थी। परिजनों ने उसे बचाकर एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है,

जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वह करीब 50 प्रतिशत झुलस गई है। पुलिस ने बताया कि युवती ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दी थी और शनिवार को उसका बयान दर्ज होना था। शुरुआती जांच में पता चला है कि वह 2022 से आरोपी के साथ रिश्ते में थी। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

## 10 साल बाद कच्छ में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का जन्म

# तकनीक-संयुक्त प्रयासों से मिली सफलता

कच्छ, 29 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले के अबडासा क्षेत्र में 10 साल के लंबे इंतजार के बाद 'घोराड़' (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के एक बच्चे ने जन्म लिया है। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने इस सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात और राजस्थान के वन विभाग, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) ने मिलकर इस मिशन को पूरा किया है। कच्छ में घोड़ाड पक्षियों की आबादी में नर पक्षियों की कमी के कारण, कारण मादा पक्षी जो अंडे देती थी, वे निषेचित नही हो पाते थे, जिसके चलते उनसे बच्चे नहीं निकलते थे। इस चुनौती को दूर करने के लिए 'जंपस्टार्ट अप्रोच' नाम की आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

फिलहाल वन विभाग की टीम मादा घोराड़ और उसके बच्चे की लगातार निगरानी कर रही है। वन मंत्री ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और हर्ष संघवी के नेतृत्व में मिली इस सफलता पर खुशी जाहिर की। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस साझा प्रयास की सराहना की है। साल 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोराड़ पक्षियों के संरक्षण का विचार रखा था। इसके बाद 2016 में 'प्रोजेक्ट जीआईबी' की शुरुआत हुई। राजस्थान के सैम और रामदेवरा में बने ब्रीडिंग सेंटरों में अब इन पक्षियों की संख्या बढ़कर 73 हो गई है। यह सफलता वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए गर्व का पल है। इससे भारत में वन्यजीवों को बचाने के संकल्प को और मजबूती मिली है।

## हवालात में पीआरडी जवान की मौत का मामला, डॉक्टरों का पैनल कर रहा पोस्टमार्टम

देहरादून, 29 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर थाने में पुलिस कस्टडी के दौरान पीआरडी जवान सुनील रतूड़ी की मौत हो गई। जवान का शव शनिवार को कंबल से बने फंदे में लटका मिला। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वहीं, आज डॉक्टरों का पैनल पोस्टमार्टम कर रहा है।

पोस्टमार्टम हाउस के बाहर लोगों की भीड़ लगी है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। दोपहर पुलिस को सूचना मिली थी कि लाडपुर स्थित एक पेट्रोल पंप पर एक व्यक्ति पेट्रोल भरवाने के बाद भुगतान नहीं कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस के अनुसार संबंधित व्यक्ति शराब के नशे में था। समझाने के बावजूद जब वह नहीं माना तो उसे थाने लाया गया और शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

# पत्नी को नहीं पसंद था पति

## प्रेमी के साथ 3 बार घर छोड़कर भागी, अब सुपारी देकर करवा दी हत्या

यादगिरी, 29 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगिरी जिले में एक भयावह घटना सामने आई है। यहां एक पत्नी को अपने खुशहाल परिवार में 'शैतान' की तरह घुस आए एक व्यक्ति से प्रेम हो गया और उसने अपने नाजायज संबंध में बाधा डालने वाले पति की हत्या करा दी। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी के प्रेमी ने हत्या के लिए एक लाख रुपए की सुपारी दी थी। आरोपियों ने हत्या के बाद मामले को सड़क हादसा का रूप देने की कोशिश भी की थी। यादगीर तालुक के चमनहल्ली टांडा निवासी सागर राठौड़ (35) की हत्या एक ऑटो चालक ने कर दी। सागर की पत्नी पूजा और उसी गांव के रेड्डी राठौड़ के बीच पिछले तीन वर्षों से अवैध संबंध थे। पूजा तीन बार अपने प्रेमी के साथ भाग चुकी थी। पंचायत की बैठक और सलाह के बावजूद उनके यौन संबंध नहीं रुके। पत्नी और प्रेमी ने सागर को खत्म करने की योजना बनाई, क्योंकि सागर उनके रास्ते का रोड़ा बन रहा था। प्रियथम रेड्डी राठौड़ ने सागर की हत्या करने के लिए महेश नाम के एक व्यक्ति को 1 लाख रुपए की सुपारी दी थी।

रात को, सागर को किराए की गाड़ी होने का झूठ बोलकर ऑटो में बुलाया गया। लिंगरी के पास एक सुनसान इलाके में सागर पर हथौड़े से हमला किया गया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद, शव को एक कार में डालकर होसाहल्ली लाया गया, जहां कार को एक ऑटो ने टक्कर मार दी। हत्या के बाद सड़क हादसे में मौत होना का नाटक रचा गया।

# कर्ज के जाल ने परिवार को उजाड़ा

## मां-बहन और भांजे का काटा गला, खुद भी की खुदकुशी की कोशिश

बेंगलुरू, 29 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में बेटे ने अपने ही परिवार के तीन लोगों का गला रेत दिया। उसके बाद खुद भी सुसाइड की कोशिश की, जहां उसकी बहन और मां की मौत हो गई। अब वह खुद और भांजा जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहा है। मृतकों की पहचान आशा (55) और उनकी बेटी वर्षिता (34) के रूप में हुई है। वहीं, बेटा मोहन गौड़ा (32) और वर्षिता के बेटे मयंक (11) को गंभीर चोटें आई हैं। उनका फिलहाल इलाज चल रहा है। मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके में अनेकल तालुक के अत्तिबेले के पास मल्लेनाहल्ली का है। पुलिस के अनुसार, मोहन ने कथित तौर पर अपनी मां, बहन और भांजे का गल रेता था। उसके बाद खुद ने भी गला रेतने की कोशिश की। घटना का पता तब चला जब परिवार ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने बताया कि बढ़ते कर्ज के बोझ ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने यह वीडियो रिश्तेदारों को भेजा था, जिसे देख रिश्तेदार उनके घर की ओर भागे। जब घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। फिर घर के पीछे वाले दरवाजे से घर में प्रवेश किया। उसके बाद सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने परिवार को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां मां और बहन को मृत घोषित कर दिया था। बेंगलुरु ग्रामीण के एसपी चंद्रकांत एमवी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि भारी आर्थिक कर्ज की वजह से परिवार ने यह कदम उठाया है।

बताया जा रहा है कि मोहन चिट फंड के कारोबार से जुड़ा था, जिसमें वह 5 लाख रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक की रकम का लेन-देन करता था। वह उगाडी के दौरान मांस के लिए और दिवाली के दौरान पटाखों के लिए मौसमी चिट योजनाएं भी चलाता था। इसके साथ ही मोहन बहुत ही खर्चीले स्वाभाव का है। इस वजह से ही उसकी जिंदगी कर्ज में डूब गई। जब कर्ज चुका नहीं पाया तो उसने परिवार के साथ जान देने का फैसला कर लिया। हालांकि, पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

## साइबर जालसाजों ने कारोबारी को ठगा

भोपाल, 29 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल में साइबर जालसाजों ने एक कारोबारी से 5.5 लाख रुपए की ठगी कर ली। आरोपियों ने उनके मोबाइल में एक ऐप इंस्टॉल कराया। इसके इंस्टॉल होते ही मोबाइल का एक्सेस आरोपियों को मिल गया। इसके बाद उन्होंने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन शॉपिंग की। इसके बाद स्वयं बैंक कर्मचारी बनकर फरियादी को कॉल किया और पूछा कि क्या आपने ऑनलाइन शॉपिंग की है। पीड़ित ने इनकार किया तो उन्होंने कार्ड ब्लॉक करने में मदद की बात कही।

कुछ ही देर में दूसरे नंबर से कॉल कर बताया कि आपके दोनों क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए गए हैं। इसके बाद उन्होंने दोनों बैंक खातों के नंबर पूछे। पीड़ित ने नंबर बताया तो आरोपियों ने एक एपीके फाइल भेजी। इसके बाद उनके अलग-अलग खातों से तीन बार में 5.5 लाख रुपए उड़ा दिए। फरियादी ने ठगी की शिकायत अशोका गार्डन थाना और स्टेट साइबर पुलिस कार्यालय में की है।

# सोना-चांदी का लालच

## नौकरानी ने की मालकिन की बेरहमी से हत्या, बोरी में भरकर शव को नाले में फेंका

बनासकांठा, 29 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा के पालनपुर में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां पहचान और भरोसे का फायदा उठाकर एक महिला ने ही दूसरी महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। सोना-चांदी के गहनों और नकदी के लालच में आरोपी रेखा राठौड़ ने पहले विश्वास जीता और फिर मौके का फायदा उठाकर शांति बेन आकेडीवाला को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना को लेकर परिवार और समाज में भारी आक्रोश का माहौल बना हुआ है। मृतका शांति बेन आकेडीवाला पालनपुर तालुका के आकेडी गांव के मूल निवासी थी और वर्तमान में पालनपुर शहर की चाणक्यपुरी सोसायटी में रहती थी। मिली जानकारी के अनुसार, रेखा राठौड़ नाम की महिला पिछले पंद्रह वर्षों से इस परिवार से जुड़ी हुई थी। घर के कामकाज से लेकर खाना बनाने तक का काम वो करती थी। इतना ही नहीं हनुमान टेकरी क्षेत्र में फर्नीचर के व्यवसाय से जुड़ी रेखा राठौड़ का इस परिवार के साथ संपर्क लगातार बढ़ता गया।

**आरोपी महिला ने हत्या की रची साजिश**

करीब एक साल पहले शांति बेन ने जरूरत के समय रेखा राठौड़ को सोना-चांदी के गहने और नकद पैसे दिए थे, लेकिन समय बीतने के साथ शांति बेन ने इन पैसों और गहनों की मांग शुरू की, जो आरोपी के लिए परेशानी का कारण बन गई। 22 मार्च की रात करीब 8 बजे शांति बेन, आरोपी की फर्नीचर दुकान पर पहुंचीं, जहां पहले से ही साजिश रची जा चुकी थी। इस दौरान आरोपी रेखा राठौड़ और तीन अन्य लोगों ने मिलकर शांति बेन की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बोरे में भरकर एक सुनसान नाले में फेंक दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

**महिला समेत दो गिरफ्तार**

घटना की शिकायत मिलने पर पालनपुर शहर पश्चिम पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू की। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रेखा राठौड़ सहित दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इधर, शांति बेन के परिवार में शोक और गुस्सा का माहौल बना हुआ है। परिवारजनों ने इस घटना को विश्वासघात बताते हुए आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

## दो लॉज से 7 महिलाओं को निकाला, दो गिरफ्तार

इटानगर, 29 मार्च (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने अनैतिक तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लॉज से सात महिलाओं को रेस्क्यू किया है। नाहरलगुन के एसपी न्येलम नेगा ने बताया कि बंदरदेवा पुलिस स्टेशन की टीमों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में असम निवासी फिरदौस अहमद (35) और मोइना दास (34) को गिरफ्तार किया है। रेस्क्यू की गई महिलाएं मुख्य रूप से असम की रहने वाली हैं और गरीब परिवारों से ताल्लुक रखती हैं। पूछताछ में लॉज अधिकारियों ने स्वीकार किया कि कमरों का इस्तेमाल देह व्यापार और तस्करी के लिए किया जा रहा था।

आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

# नाकाबंदी के दौरान अवैध हथियारों की खेप बरामद

## गैंगस्टर कनेक्शन की जांच जारी

अमृतसर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जिला शहरी पुलिस ने शहर में नाकाबंदी के दौरान अवैध हथियारों की खेप बरामद की है। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान दो 9 एमएम सब-मशीन गन और एक खाली मैगजीन कब्जे में ली। यह बरामदगी उस समय हुई जब संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर वाहनों की जांच की जा रही थी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस मामले के तार गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों से जुड़े हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह खेप पंजाब में आपराधिक और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए लाई जा रही थी। हालांकि इस संबंध में अभी विस्तृत जांच जारी है और अन्य संभावित कड़ियों को भी खंगाला जा रहा है।

इस मामले में थाना छेहर्टा में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पूरे नेटवर्क का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है ताकि अवैध हथियारों की सप्लाई चेन को रोका जा सके।

## दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार कब्जे से 83 स्मार्टफोन बरामद

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराष्ट्रीय मोबाइल चोर गिरोह के दो शातिर को गिरफ्तार किया है। दोनों दिल्ली-एनसीआर से चुराए गए स्मार्टफोन को बंगाल के रास्ते कोरियर से बांग्लादेश भेज बेच देते थे। इनके कब्जे से 83 चोरी के स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। इन्हें यमुना विहार से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे बांग्लादेश में सप्लाई के लिए स्मार्टफोन-को डिब्बे में पैक कर रहे थे। समय पर की गई कार्रवाई से लाखों रुपये के चोरी के स्मार्ट फोन बाजारों में बेचे जाने से बच गए। डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के मुताबिक इंस्पेक्टर आशीष शर्मा 27 मार्च को यमुना विहार से संचालित इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह की गतिविधियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस टीम के साथ किराए के एक फ्लैट में तीसरी मंजिल पर छापा मारा।

# एनआरआई रिश्तेदार से मांगी दो करोड़ की रंगदारी

## गोल्डी बराड़ का नाम लेकर धमकाया, आरोपी का कनाडा में कारोबार

जालंधर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर ग्रामीण पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ गिरोह का नाम लेकर 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने अपने ही एनआरआई रिश्तेदार को कॉल कर धमकाया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जालंधर ग्रामीण हरविंदर सिंह विरक, पीपीएस के दिशा-निर्देशों पर समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक (तफ्तीश) विनीत अहलावत की अगुवाई में गठित विशेष टीम, जिसमें डीएसपी ओंकार सिंह बराड़, डीएसपी इंदरजीत सिंह, सीआईए इंचार्ज इंस्पेक्टर पुष्प बाली और एसएचओ सब-इंस्पेक्टर दिलबाग सिंह शामिल थे, ने आधुनिक तकनीकी और मानवीय संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए आरोपियों को ट्रेस किया। मामला 21 मार्च 2026 को सामने आया, जब गांव शंकर निवासी एनआरआई परिवार की बलजिंदर कौर ने शिकायत दी कि 12 जनवरी 2026 की रात उनके पति को विदेशी नंबर से कॉल कर खुद को गोल्डी बराड़ गिरोह से जुड़ा बताते हुए 2 करोड़ रुपये की मांग की गई। 10 दिन में रकम न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। बाद में उनके बेटे रणजीत सिंह, जो विदेश में रहते हैं, को भी व्हाट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए 1.5 करोड़ की मांग कर घर पर गोलीबारी की धमकी दी गई।

जांच में सामने आया कि इस साजिश के पीछे परिवार का ही ससुराल पक्ष से रिश्तेदार तीरथ सिंह (निवासी बहादुरपुर, जालंधर) और उसके साथी जशनदीप सिंह उर्फ जशन (निवासी धर्मकोट, जिला शहीद भगत सिंह नगर) शामिल थे। तीरथ सिंह, जो कनाडा में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करता है,

## ताश के पत्तों की तरह ढह गया मकान, तीन की मौत

बरनाला, 29 मार्च (एजेंसियां)। बरनाला जिले के गांव फरवाही में रविवार तड़के दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब एक मकान को जैक की मदद से ऊपर उठाने का काम चल रहा था। ताश के पत्तों की तरह मकान अचानक ढह गया। यहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे में दब गए और उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी विशाल के मकान को पिछले कुछ दिनों से मरम्मत के तहत जैक से उठाया जा रहा था। रविवार सुबह करीब 4:15 बजे अचानक मकान गिर गया, जिससे अंदर सो रहे मजदूर मलबे में दब गए।

हादसे की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। गुरुद्वारा साहिब से तुरंत अनाउंसमेंट कर लोगों को मदद के लिए बुलाया गया और प्रशासन को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से राहत कार्य शुरू किया गया

## इजरायल ने किया ईरान के दिल पर वार, तेहरान के मिसाइल भंडारण केंद्र और कई अस्थाई कमांड सेंटर तबाह

तेल अवीव, 29 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान युद्ध के एक महीने से अधिक हो चुके हैं। रविवार को इजरायल ने ईरान के दिल कहे जाने वाले तेहरान पर कई बड़े हमले किए। इजरायली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि उसने तेहरान में ईरान के दर्जनों मिसाइल भंडारण केंद्रों और अस्थाई कमांड सेंटरों को निशाना बनाया। इजरायली हमले में तेहरान में बड़ी तबाही का दावा किया गया है। ईरानी मीडिया के अनुसार इजरायल ने तेहरान के रिहायशी इलाकों पर भी घातक बमबारी की है। वहीं ईरान ने जवाब में तेल अवीव और इजरायल के परमाणु केंद्र डिमोना पर मिसाइलें बरसाईं। आईडीएफ ने एक पोस्ट में लिखा, तेहरान के दिल में यानी राजधानी में हमला किया गया। ईरानी आतंकवादी शासन के बुनियादी ढांचे को व्यापक हमलों की लहर के दौरान हमले में निशाना बनाया गया।

# अमेरिका ईरान में फंसा, ताइवान पड़ा अकेला

## चीन ने 'भेड़िए' की तरह घेरा, 19 फाइटर जेट, 9 जहाजों से डराया

बीजिंग, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान में एक महीने से युद्ध चल रहा है। अमेरिका इस समय बुरी तरह ईरान में उलझा हुआ है, जिस कारण ताइवान अकेला पड़ गया है। इसका सबसे बड़ा फायदा चीन उठा रहा है। चीन ने चुपचाप एक शिकारी की तरह अपना ध्यान ताइवान पर तेज कर दिया है। चीन इस समय जो कर रहा है, उससे इस बात की आशंका जताई जा रही है कि ताइवान पर अटैक की फुल प्लानिंग चीन कर चुका है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रविवार सुबह तक चीन के 19 सैन्य विमान, 9 नौसैनिक जहाज और 2 सरकारी जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से 13 लड़ाकू विमान ताइवान स्ट्रेट की मिडियन लाइन पार करते हुए उसके एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन यानी एडीजेड में घुस गए।

इससे एक दिन पहले भी चीन ने 15 सैन्य विमान तैनात किए थे, जिनमें से 11 ने मिडियन लाइन पार की थी। ये सभी विमान संयुक्त हवाई और समुद्री अभ्यास कर रहे थे। ताइवान की सेना ने इन सभी गतिविधियों पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई के लिए अपनी तैयारी भी दिखाई। यह घटनाएं ऐसे समय पर हो रही हैं जब मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसे में विशेषज्ञ मान रहे हैं कि चीन इस मौके का फायदा उठाकर ताइवान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति अपना रहा है।

**चीन-ताइवान में क्या है विवाद?**

दरअसल, चीन लंबे समय से ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को स्वतंत्र मानता है। यही विवाद दोनों के बीच सबसे बड़ा टकराव बना हुआ है। चीन बार-बार यह संकेत देता रहा है कि वह ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए सैन्य विकल्प भी अपना सकता है। दिलचस्प बात यह है कि ईरान चीन के काफी अच्छे रिश्ते हैं। लेकिन अमेरिकी हमले के बावजूद चीन का रुख काफी शांत रहा है। उसने सिर्फ बयानबाजी तक खुद को सीमित रखा और कोई ठोस सैन्य समर्थन नहीं दिया। इसके पीछे चीन की प्राथमिकता ताइवान मानी जा रही है।

**ईरान पर शांत क्यों है चीन?**

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी अमेरिका के साथ बातचीत में ताइवान को सबसे बड़ा मुद्दा बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि ताइवान चीन का अभिन्न हिस्सा है और इस पर किसी भी तरह की बाहरी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चीन इसीलिए ईरान के मुद्दे में सीधे दखल नहीं दे रहा ताकि अमेरिका भी ताइवान से दूर रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन फिलहाल सीधे टकराव से बचते हुए 'प्रेशर बिल्ड-अप' की रणनीति पर काम कर रहा है। यानी लगातार सैन्य गतिविधियों के जरिए ताइवान और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाया जा रहा है।

## अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ईरानी मीडिया की चेतावनी; लिखा- जो भी ईरान आएगा ताबूत में लौटेगा

तेहरान, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की बढ़ती तैनाती के बीच, ईरानी तेहरान ने वॉशिंगटन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। अखबार ने अंक के पहले पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में लिखा वेलकम टू हेल और चेताया कि जो भी अमेरिकी सैनिक इरानी क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, वे सिर्फ ताबूत में लौटेंगे। अखबार की चेतावनी के ठीक समय पर लगभग 3,500 अमेरिकी मरीन सैनिक पश्चिम एशिया में अमेरिका के सेंट्रल कमांड क्षेत्र में तैनात किए गए।

मरीन सैनिक यूएसएस त्रिपोली के जरिए जापान से रवाना किए गए, जो अमेरिका के सबसे बड़े अम्फीबियस असॉल्ट जहाजों में से एक है। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तैनाती खर्ग द्वीप को कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन की तैयारी हो सकती है।

यह द्वीप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसी महीने पहले भी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत इसका निशाना बनाया गया था। तेहरान की यह चेतावनी अमेरिकी सैनिकों और वॉशिंगटन प्रशासन के लिए सीधे संदेश की तरह है। अखबार ने स्पष्ट किया कि इरानी क्षेत्र में कोई भी अमेरिकी हस्तक्षेप भारी नुकसान का सामना करेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस चेतावनी और सैनिकों की बढ़ती तैनाती से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर असर पड़ सकता है।

# अगला टारगेट क्यूबा

## ट्रंप की धमकी से फिर मचा हड़कंप, क्या होगी नई जंग की शुरुआत

हवाना, 29 मार्च (एजेंसियां)। नए साल की शुरुआत कैरेबियन क्षेत्र के लिए भारी तनाव लेकर आई है। या कहा जाए नए साल शुरुआत दुनिया के एक देश के लिए मनहूस साबित हुई। डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिका की तीनों आर्मी ने एक साथ वेनेजुएला पर पर बड़ा हमला बोला। एकाएक हुए इस बड़े हमले का वेनेजुएला कोई जवाब नहीं दे पाया। हमले के बाद सबसे चौंकाने वाली खबर यह रही कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर अमेरिका ले जाया गया। इस घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भूचाल ला दिया।

वेनेजुएला पर इस हमले के बाद सबसे ज्यादा खतरा क्यूबा पर मंडरा रहा है। दरअसल, ट्रंप पिछले एक साल में कम से कम 10 बार क्यूबा को धमकी दे चुके हैं। एक बार फिर ट्रंप ने वही बात दोहराई है। अगला नंबर क्यूबा का है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला के बाद अगला नंबर क्यूबा का हो सकता है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल ने भी इन धमकियों का जवाब देते हुए देश की संप्रभुता की रक्षा का दावा किया है। ट्रंप का ये बयान ऐसे समय में आया है जब क्यूबा गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा है। वेनेजुएला से तेल सप्लाई बंद होने के बाद वहां ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे हालात और खराब हो गए हैं। निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा की बड़ी ऊर्जा सप्लाई पूरी तरह कट गई।

वैसे अमेरिका की क्यूबा से दुश्मनी का इतिहास करीब 67 साल पुराना है। जब 1959 में फिदेल कास्त्रो ने क्रांति करके क्यूबा की सत्ता संभाली तो अमेरिकी कंपनियों की जमीन और फैक्ट्रियां छीन लीं और सोवियत संघ से दोस्ती कर ली। अमेरिका को ये बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने क्यूबा पर आर्थिक नाकाबंदी लगा दी, जो आज भी चल रही है। यहां तक कि अमेरिका ने कई बार फिदेल कास्त्रो को मरवाने की भी कोशिश की, लेकिन वो सारी कोशिशें नाकाम रहीं। 1962 में क्यूबन मिसाइल संकट आया।

# ईरान में होने वाला है तख्तापलट

## राष्ट्रपति और आईआरजीसी चीफ के बीच ठनी, कंगाली की कगार पर पहुंचा देश

तेहरान, 29 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के अंदरूनी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और आईआरजीसी के चीफ-कमांडेंट अहमद वाहिदी के बीच जंग को लेकर भारी अनबन शुरू हो गई है। 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच इस बात पर विवाद है कि युद्ध और उससे टूटती अर्थव्यवस्था को कैसे संभाला जाए। राष्ट्रपति ने आईआरजीसी के पड़ोसी देशों पर बढ़ते हमलों की आलोचना की है और चेतावनी दी है कि अगर तुरंत युद्धविराम (सीजफायर) नहीं हुआ, तो अगले 3 हफ्ते से 1 महीने के अंदर ईरान की इकोनॉमी पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी।

'ईरान इंटरनेशनल' के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने सेना के 'फायर एट विल' यानी बिना पूछे हमला करने वाले रवैये पर माफी मांगी थी और इसे रोकने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद हमले नहीं रुके। राष्ट्रपति चाहते हैं कि मैनेजमेंट की पावर सरकार के पास वापस आए, लेकिन कमांडर वाहिदी ने इसे साफ मना कर दिया है। वाहिदी ने उल्टा सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने जंग शुरू होने से पहले जरूरी सुधार नहीं किए, जिसकी वजह से आज ये हालात हैं।

**तख्तापलट के संकेत?**

इजरायली मीडिया भी ईरान के शासन में दरार की खबरें दे रहा है। 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से लिखा है कि ईरानी शासन में दरारें दिखने लगी हैं और वहां सत्ता पलटने के हालात बन रहे हैं। वहीं, एक अन्य इजरायली आउटलेट 'वाईनेट' ने भी इसी महीने ईरान के अंदरूनी झगड़ों की पुष्टि की है।

**ईरान में कंगाली की हालत**

जंग के पांचवें हफ्ते में ईरान की जनता दाने-दाने को मोहताज हो रही है। 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट बताती है कि बड़े शहरों के एटीएम में कैश खत्म हो गया है और बैंक मिल्ली जैसे बड़े बैंकों की ऑनलाइन सर्विस ठप पड़ गई है। सरकारी कर्मचारियों को पिछले 3 महीने से सैलरी नहीं मिली है। फरवरी में ही जरूरी चीजों की महंगाई 105% से 115% के बीच पहुंच गई थी, जो अब और भी भयावह हो गई है।

## पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के बाद केरोसीन में भी लगी आग, जनता बेहाल

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट, रिकॉर्ड महंगाई, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान में आम लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बीच अब ईंधन की कीमतों में एक और बढ़ोतरी ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। पाकिस्तान सरकार ने केरोसिन की कीमतों में इजाफा करते हुए आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है, जिससे घरेलू खर्च और महंगाई दोनों पर सीधा असर पड़ने वाला है।

बताया कि पेट्रोलियम विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान की सरकार ने केरोसिन की कीमत में 4.66 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है, जिससे मार्च से इसकी नई दर 433.40 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकार ईंधन पर सब्सिडी का कुछ हिस्सा खुद वहन कर रही है। इसके तहत पेट्रोल पर 95.59 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 203.88 रुपये प्रति लीटर का भुगतान तेल विपणन कंपनियों को किया जा रहा है। इसके बावजूद केरोसिन की कीमतों में बढ़ोतरी ने गरीब और मध्यम वर्ग की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि इसका सीधा असर घरेलू ईंधन और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ता है।

इस बीच पाकिस्तान सरकार ने वाणिज्यिक यात्री विमानों के लिए जेट ईंधन की कीमतों में भी 28 दिनों में पांचवीं बार बढ़ोतरी की। रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और तेल संकट को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। पाकिस्तान स्टेट ऑयल के अनुसार, ताजा 5 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद जेट ईंधन की कीमत रिकॉर्ड 476.97 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, पाकिस्तान स्टेट ऑयल ने एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि 5 पाकिस्तानी रुपया प्रति लीटर की ताजा बढ़ोतरी के बाद जेट ईंधन की कीमत रिकॉर्ड 476.97 पाकिस्तानी रुपया प्रति लीटर हो गई है।

## ईरान युद्ध के बीच किम जोंग उन की अमेरिका पर तिरछी नजर, किया एक और टेस्ट

सियोल, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाई पावर वाले ठोस ईंधन इंजन के परीक्षण का अवलोकन किया। उन्होंने इसे देश की सामरिक सैन्य क्षमता को बढ़ाने वाला घटनाक्रम बताया। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस बारे में जानकारी दी। यह परीक्षण संभवतः इस बात का संकेत है कि किम जोंग उन ऐसी मिसाइलों के जखीरे का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहते हैं जो अमेरिका की मुख्यभूमि तक पहुंचने में सक्षम हो। 'कोरियन की ओर से यह जानकारी देने से कुछ दिन पहले ही, किम जोंग उन ने संसद में अपने भाषण में कहा था कि वह उत्तर कोरिया को स्थायी तरीके से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे और "सबसे बड़े दुश्मन" दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रहेंगे।

किम ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। केसीएनए के अनुसार, किम ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बनाए गए नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण (इंजन का जमीन पर किया गया परीक्षण) देखा। एजेंसी ने बताया कि इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है,

जो सितंबर में इसी तरह के ठोस ईंधन इंजन के एक परीक्षण में बताये गये लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर में यह नहीं बताया कि यह परीक्षण कब और कहां हुआ। केसीएनए की खबर में बताया कि यह परीक्षण देश के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया।

# अमेरिका ने एक बार फिर पाकिस्तान को बताया आतंकियों का ठिकाना,लश्कर, जैश समेत कई गुटों का किया जिक्र

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च सर्विस की एक रिपोर्ट ने पाकिस्तान से काम करने वाले आतंकवादी गुटों, खासकर जम्मू-कश्मीर पर फोकस करने वाले गुटों को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं का फिर से जिक्र किया है। ये रिपोर्ट भारत और कश्मीर पर फोकस करने वाले कई गुटों को लेकर है। इन गुटों में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल-जिहाद इस्लामी, हरकत-उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन शामिल हैं। ये अभी भी पाकिस्तान के इलाके से काम कर रहे हैं और सुरक्षा के लिए लगातार चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। इस विश्लेषण के मुताबिक, पाकिस्तान अभी भी कई तरह के हथियारबंद गैर-सरकारी गुटों के लिए एक केंद्र और निशाना, दोनों बना हुआ है। इनमें से कई गुट 1980 के दशक से ही सक्रिय हैं। बार-बार किए गए फौजी ऑपरेशनों और नीतिगत उपायों के बावजूद, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र की ओर से आतंकवादी संगठन घोषित किए गए इन गुटों के नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है।

इस रिपोर्ट का मकसद अमेरिकी सांसदों को जानकारी देना है और जिसे दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के। एलन क्रोनस्टैड ने तैयार किया है। इन समूहों को पांच श्रेणियों में बांटती है। वैश्विक स्तर पर सक्रिय, अफगानिस्तान पर केंद्रित, भारत और कश्मीर पर केंद्रित, घरेलू स्तर पर सक्रिय और सांप्रदायिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सूची में शामिल 15 में से 12 समूहों को अमेरिकी कानून के तहत 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया गया है। इनमें से ज्यादातर समूह इस्लामी कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रेरित हैं। वैश्विक स्तर पर सक्रिय समूहों में रिपोर्ट अल-कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएससीपी) का जिक्र करती है। वहीं अफगानिस्तान पर केंद्रित समूहों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं। घरेलू स्तर पर सक्रिय संगठनों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और जैश अल-अदल शामिल हैं,

जबकि सांप्रदायिक समूहों में सिपाही-ए-सहाबा पाकिस्तान और लश्कर-ए-झंगवी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2014 की 'राष्ट्रीय कार्य योजना' का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि देश में कोई भी सशस्त्र मिलिशिया सक्रिय न रहे। लेकिन रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कई बड़े पैमाने पर चलाए गए सैन्य अभियानों, जिनमें हवाई हमले और खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन शामिल हैं।

## ईरान ने मार गिराया अमेरिकी फाइटर जेट एफ-16

# आईआरजीसी ने किया बड़ा दावा

तेहरान, 29 मार्च (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में जारी टेंशन के बीच ईरान ने बड़ा दावा करते हुए अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उनके फाइटर जेट एफ-16 को निशाना बनाने की बात कही। ईरान के अर्धसैनिक बल इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कोर के हवाले से लोकल मीडिया ने बताया कि उसने एक एफ-16 लड़ाकू विमान और एक अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया है।

हालांकि, अमेरिका की तरफ से इसको लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ईरान के मुताबिक, यह एक्शन ईरान के नागरिकों और इंडस्ट्रियल साइट्स पर हुए हमलों के जवाब में लिया गया है। आईआरजीसी का दावा है कि उसने 'कब्जे वाले क्षेत्रों' में स्थित अमेरिकी-इजरायली ठिकानों को भी निशाना बनाया है। आईआरजीसी के दावे के अनुसार, साउथ ईरान के शिराज के ऊपर उड़ रहे अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को कामयाबी से गिरा दिया गया है। साथ ही, आईआरजीसी ने यह भी क्लेम किया कि उसने अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट पर अटैक किया है, हालांकि इस अटैक के नुकसान या स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं, अमेरिका की तरफ से इन दावों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सैन्य विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह के दावों की स्वतंत्र पुष्टि होना बहुत जरूरी है, क्योंकि मौजूदा परिस्थितियों में दोनों पक्षों की तरफ से सूचना युद्ध भी जारी है। गौरतलब है कि मध्य-पूर्व में पहले से जारी तनाव लगातार और बढ़ रहा है। ईरान और इजरायल-अमेरिका की तरफ से एक-दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं। इस संघर्ष के और व्यापक होने के आसार हैं। फिलहाल, पूरे विश्व की नजरें इस बात पर टिकी हुई हैं कि ईरान से जारी इजरायल-अमेरिका का युद्ध कब और किस मोड़ पर आकर खत्म होगा।

# 'रूस ने ईरान को दी थी अमेरिकी एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें

## फिर हुआ घातक अटैक' जेलेंस्की का बड़ा दावा

कीव, 29 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित एक महत्वपूर्ण अमेरिकी हवाई अड्डे की सैटेलाइट तस्वीरें ईरानी हमले से पहले ली थीं। इस कारण ईरानी हमले में वहां कई अमेरिकी सैनिक घायल हुए। अमेरिका-ईरान युद्ध को लेकर एनबीसी न्यूज़ को दिए एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि ईरानियों की मदद करना रूस के हित में है और मुझे सिर्फ विश्वास नहीं है बल्कि मैं जानता हूं कि वे जानकारी शेयर करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे (रूसी) ईरानियों की मदद करते हैं? इस पर उन्होंने कहा कि बिल्कुल। कितने प्रतिशत? सौ प्रतिशत।

यूक्रेनी नेता ने कहा कि ये जानकारी देश की खुफिया एजेंसियों ने जुटाई है और उन्हें ये जानकारी राष्ट्रपति ब्रीफिंग के दौरान दी गई। यूक्रेनी खुफिया जानकारी के अनुसार, रूसी सैटेलाइट ने हमले से कुछ ही दिन पहले 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस की तस्वीरें लीं थीं। 26 मार्च को ईरान ने प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हमला किया, जहां अमेरिकी और सऊदी दोनों सेनाएं तैनात हैं। ईरान ने बेस पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे थे। एसोसिएटेड प्रेस ने मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि कम से कम 15 सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से 5 गंभीर रूप से घायल हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने पहले कहा था कि कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से 2 गंभीर रूप से घायल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के पिछले अनुभवों से पता चलता है कि मॉस्को द्वारा बार-बार सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें अक्सर सैन्य कार्रवाई का संकेत देती हैं।

# एक चींटी की कीमत 20 हजार, केन्या में क्यों बढ़ रही चींटियों की तस्करी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत के अलावा अफ्रीकी देश केन्या में भी इस समय मौसम सुहाना हो पड़ा है। इस बारिश में सबसे मेहनतकश माने जाने वालीं चीटियां भी अपने बिलों से बाहर निकलती हैं, केन्या की 'रिफ्ट वैली' के एक शांत कृषि प्रधान शहर गिलगिल और उसके आसपास के हजारों चींटियों के टीलों से उनके झुंड निकलते देखे जा सकते हैं। इससे इतर चीटियों के लिए संकट भी है। गिलगिल शहर चीटियों के अवैध व्यापार का केंद्र बन गया है। तस्करों के लिए यह समय रानी चींटियों को पकड़ने का सबसे सही मौका होता है। आपको जानकर शायद ताज्जुब होगा कि एक चींटी की कीमत 20 हजार रुपये तक तय की जा रही है। तस्करों के बीच 'जायंट अफ्रीकन हार्वेस्टर एंट' की सबसे ज्यादा मांग है।

ये आकार में बड़ी और लाल रंग की होती हैं। ये ब्लैक मार्केट मुख्य रूप से ऑनलाइन चलता है। एक रानी चींटी की कीमत 170 (220 यानी लगभग 18,500 रुपये) तक हो सकती है।एक अकेली रानी चींटी में पूरी कॉलोनी बसाने में सक्षम होती है और दशकों तक जीवित रह सकती है। इन्हें डाक के जरिए भेजना भी आसान होता है क्योंकि स्कैनर्स अक्सर जैविक पदार्थों को पकड़ नहीं पाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उसने एक समय दलाल के रूप में काम किया था, जो विदेशी खरीदारों को स्थानीय नेटवर्क से जोड़ता था। उसने कहा, शुरुआत में मुझे पता भी नहीं था कि यह अवैध है। इन चींटियों को वैज्ञानिक भाषा में मेसर सेफैलोट्स कहा जाता है। ये पूर्वी अफ्रीका की मूल निवासी हैं और अपने अनोखे बीज-इकट्ठा करने के व्यवहार के लिए जानी जाती हैं, जो इन्हें चींटियों को इकट्ठा करने वालों के बीच काफी लोकप्रिय बनाता है। पूर्व दलाल ने बताया, एक दोस्त ने मुझे बताया था कि एक विदेशी इन रानी चींटियों के लिए अच्छे पैसे दे रहा है वे बड़ी लाल कलर में होती हैं और आसानी से दिख जाती हैं। केन्या में इस अवैध व्यापार का पैमाना पिछले साल तब सामने आया, जब गिल्गिल्ल के आसपास से पकड़ी गई 5,000 जायंट हार्वेस्टर रानी चींटियां नैवाशा के एक गेस्ट हाउस में जीवित पाई गईं।

## तल्खी बढ़ने की आशंका के बीच करीब आए भारत-बांग्लादेश खालिदा जिया से अलग तारिक रहमान का रुख

ढांका, 29 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल में भारत से रिश्तों में आई तल्खी इसी साल फरवरी महीने में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद और बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। कारण था पाकिस्तान का करीबी और भारत से दूरी बनाए रखने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत। हालांकि पूर्वानुमानों और आशंकाओं के उलट भारत और बांग्लादेश के बीच दूरी की जगह करीबी बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान की जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को खरी-खरी, आईपीएल प्रसारण पर लगा प्रतिबंध हटना और विदेश मंत्री खलील उर रहमान का भारत दौरा तय होना बता रहा है कि बांग्लादेश अंतरिम सरकार के दौरान ठंडे पड़े द्विपक्षीय रिश्तों में गर्माहट लाना चाहता है। खासकर पीएम तारिक का 1971 में पाकिस्तानी सेना के कत्लेआम पर अपनी ही पार्टी से अलग रुख अपनाना चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि रहमान ने इस संगठित हत्याकांड का प्रतिरोध नहीं करने पर तत्कालीन पाकिस्तान सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया। इतना ही नहीं नरसंहार दिवस के जरिये वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य और महत्व समझाने पर जोर भी दिया।

दरअसल सत्ता में आने के बाद जब शेख हसीना सरकार ने जनसंहार की जांच शुरू की तब बीएनपी ने इसे राजनीति प्रेरित बताते हुए इसका विरोध किया था। तब बीएनपी की कमान वर्तमान पीएम तारिक की दिवंगत मां और पूर्व पीएम खालिदा जिया के हाथों में थी। इतना ही नहीं 1991 से 1996, 2001 से 2006 तक पीएम रहने के दौरान खालिदा ने भारत पर पाकिस्तान को तरजीह दी।

बांग्लादेश की जमीन के दुरुपयोग की भारत की चिंता को भी दूर करने की कोशिश की गई है।

# वैशाख क्यों है सबसे श्रेष्ठ माह?

हिंदू नववर्ष 2083 का दूसरा माह वैशाख का प्रारंभ चैत्र पूर्णिमा के अगले दिन से होगा. हिंदी कैलेंडर के 12 महीनों में वैशाख को सबसे महत्वपूर्ण माह कहा गया है. इस महीने में स्नान, दान, पूजा, पाठ का विशेष महत्व है. इस माह में ग्रहों के राजा सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में होते हैं. मेष संक्रांति से सौर कैलेंडर का नया साल भी प्रारंभ होता है. यह नया सौर वर्ष होता है.

**वैशाख 2026 का प्रारंभ**

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को वैशाख का पहला दिन होता है. वैशाख कृष्ण प्रतिपदा तिथि 2 अप्रैल को सुबह 07:41 ए एम से प्रारंभ होगी और यह तिथि 3 अप्रैल को सुबह 08:42 ए एम तक है. ऐसे में उदयातिथि के आधार पर वैशाख माह का शुभारंभ 3 अप्रैल दिन शुक्रवार से होगा।

**व्याघात योग और चित्रा नक्षत्र में शुरू होगा वैशाख**

वैशाख माह का प्रारंभ व्याघात योग और चित्रा नक्षत्र में हो रहा है. 3 अप्रैल को व्याघात योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 02:09 पी एम तक है, उसके बाद से हर्षण योग लगेगी. वहीं चित्रा नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर शाम 07:25 पी एम तक है, उसके बाद स्वाति नक्षत्र है.

**वैशाख पहले दिन का शुभ मुहूर्त**

वैशाख के पहले दिन सुबह 6:09 बजे से लेकर सुबह 10:51 बजे तक का समय शुभ है. उस दिन चर-सामान्य मुहूर्त 06:09 ए एम से 07:43 ए एम तक, उसके बाद लाभ-उन्नति मुहूर्त 07:43 ए एम से 09:17 ए एम तक और फिर अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त 09:17 ए एम से 10:51 ए एम तक है. उस दिन का ब्रह्म मुहूर्त 04:37 ए एम से 05:23 ए एम तक रहेगा, जबकि अभिजीत मुहूर्त ठीक दोपहर 12:00 बजे से लेकर 12:50 बजे तक है।

वैशाख माह का समापन वैशाख पूर्णिमा के दिन होता है. इस साल वैशाख पूर्णिमा 1 मई दिन शुक्रवार को है. इस आधार पर वैशाख का समापन 1 मई को होगा. वैशाख पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल को रात 9 बजकर 12 मिनट से 1 मई को रात 10 बजकर 52 मिनट तक है।

**वैशाख माह का महत्व**

देवर्षि नारद ने राजा अंबरीष को वैशाख माह के महत्व को बताया है. स्कंद पुराण में इसका वर्णन मिलता है. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से सभी विद्याओं में वेद और मंत्र, पेड़ों में कल्पतरु, गायों में कामधेनु, पक्षियों में गरुड़, धातुओं में सोना उत्तम माने गए हैं, वैसे ही साल के 12 महीनों में वैशाख को श्रेष्ठ माना गया है. इस माह में स्नान और दान से प्राप्त किए गए पुण्य अक्षय होते हैं, वे नष्ट नहीं होते हैं, वे मनुष्य के साथ हमेशा रहते हैं. इसी वजह से अक्षय पुण्य देने वाली अक्षय तृतीया भी इसी माह में आती है. इस वजह से वैशाख माह में पूजा, पाठ, जप, ध्यान आदि का महत्व बढ़ जाता है।

**कैसे हुआ वैशाख माह का नामकरण?**

हिंदी कैलेंडर में माह का नाम पूर्णिमा के दिन जिस नक्षत्र में चंद्रमा होता है, उस आधार पर किया जाता है. वैशाख माह का नाम विशाखा नक्षत्र के नाम से लिया गया है. वैशाख पूर्णिमा के दिन चंद्रमा विशाखा नक्षत्र में होते हैं, इसलिए इसका नाम वैशाख पड़ा.

**वैशाख माह में करें ये 5 काम**

वैशाख के महीने में जल दान का सबसे श्रेष्ठ माना गया है. इस समय में गर्मी बहुत पड़ती है, ऐसे में आप किसी को पानी पिलाते हैं, तो आपको अक्षय पुण्य प्राप्त होगा. इस माह में जल दान को सबसे श्रेष्ठ दान बताया गया है।

वैशाख में अपने पितरों को जल से तर्पण दें. इससे वे प्रसन्न होंगे और आपको आशीर्वाद देंगे. उनकी कृपा से आप और आपका परिवार उन्नति करेगा।

वैशाख के समय में खड़ाऊं या चप्पल का दान करना अच्छा बताया गया है. इससे व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और उसे उनके धाम बैकुंठ में स्थान मिलता है।

वैशाख में पंखा, छाता, अन्न, फल, वस्त्र का भी दान अच्छा है. जो लोग ये दान नहीं करते हैं, वे पाप के भागी होते हैं।

वैशाख माह में हर दिन स्नान करने मात्र से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है. वह व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है. वह 10 हजार अश्वमेध यज्ञ करने के समान पुण्य फल प्राप्त करता है।

# उत्तराखंड में पहाड़ की चोटी पर रहस्यमयी 'गुफा ताल'

## अंदर शिवलिंग और नाग, खुद बनता चंदन-कुमकुम; पुरातत्व विभाग करेगा जांच

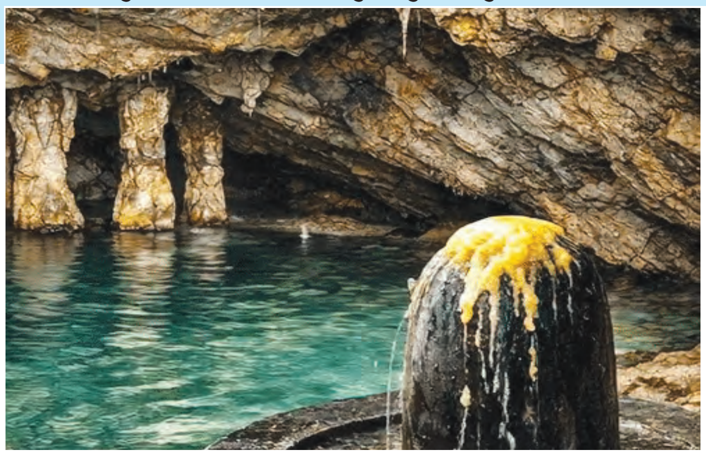

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में पहाड़ की चोटी पर बसा रहस्यमयी 'गुफा ताल' लोगों को आकर्षित कर रहा है, यहां गुफा के भीतर शिवलिंग और नाग मौजूद हैं। टपकते पानी से खुद चंदन-कुमकुम बनने और बरसात में भी पानी बाहर न निकलने की घटनाओं ने रहस्य बढ़ाया है, जिस पर अब पुरातत्व विभाग इसकी जांच करेगा।

अल्मोड़ा के बाड़ेछीना क्षेत्र के कुमौली गांव के पास यह गुफा सड़क से करीब 300 मीटर की खड़ी चढ़ाई पार करने के बाद पहाड़ी के शिखर पर मिलती है। विशाल चट्टानों के बीच प्राकृतिक रूप से बनी इस गुफा के भीतर करीब 50 फीट लंबा और 20 फीट चौड़ा ताल मौजूद है। ऊंचाई पर स्थित होने के बावजूद सालभर पानी से भरा रहना और इसका स्तर स्थिर बने रहना वैज्ञानिकों व स्थानीय लोगों दोनों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है।

**गुफा के भीतर तीन पिलर, सहारा देती प्राकृतिक संरचना**

गुफा के अंदर तीन से चार पिलर जैसी प्राकृतिक संरचनाएं दिखाई देती हैं, जो मानो पहाड़ को थामे हुए हों। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये पूरी तरह प्राकृतिक हैं और किसी मानव द्वारा निर्मित नहीं लगते।

पूर्व ग्राम प्रधान गोपाल सिंह के अनुसार, गुफा पूरी तरह प्राकृतिक संरचना है।

**शिवलिंग पर टपकता जल, खुद बनता चंदन जैसा पदार्थ**

गुफा के अंदर करीब 20-25 फीट भीतर जाने पर एक शिवलिंग दिखाई देता है। इस पर लगातार ऊपर से पानी टपकता रहता है। ग्रामीणों का दावा है कि इस शिवलिंग पर पीले रंग का चंदन या कुमकुम जैसा पदार्थ बनता रहता है, जिसे श्रद्धालु प्रसाद के रूप में माथे पर लगाते हैं।

हाल ही में यहां शिव महापुराण कथा का आयोजन भी हुआ, जिसमें श्रद्धालु गुफा के अंदर जाकर पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

**न काई जमती, न बरसात में छलकता पानी**

गुफा ताल की सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इसमें न तो कभी काई जमती है और न ही भारी बारिश के दौरान इसका पानी बाहर निकलता है। ताल का पानी बेहद ठंडा रहता है, जबकि वर्षों से इसके जल स्तर में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। ग्रामीणों के अनुसार, यह ताल लंबे समय से इसी स्थिति में स्थिर बना हुआ है, जो इसे और भी रहस्यमय बनाता है।

**अंदर सांप-चमगादड़, फिर भी श्रद्धालु पहुंच रहे**

गुफा के भीतर अंधेरा रहता है और यहां सांप व चमगादड़ जैसे जीव भी पाए जाते हैं। इसके बावजूद कुछ श्रद्धालु जोखिम उठाकर अंदर जाकर पूजा करते हैं। 80 वर्षीय आनंदी देवी बताती हैं, गुफा का पानी बिल्कुल शुद्ध है।

**82 साल के बुजुर्ग बोले- हमेशा से ऐसा ही देखा**

गांव के 82 वर्षीय रामदत्त भट्ट का कहना है कि उन्होंने बचपन से इस गुफा ताल को इसी रूप में देखा है। उनके मुताबिक, गुफा के अंदर हमेशा पानी रहता है, शिवलिंग पर लगातार जल टपकता है और चंदन जैसा पदार्थ बनता है।

# घर में कछुआ रख रहे हैं तो इन बातों का रखें विशेष ध्यान

हिंदू परंपरा में ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है. वास्तु शास्त्र में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के कई उपाय बताए गए हैं. इनमें से एक है धातु का कछुआ. कई लोग अपने घरों, दफ्तरों और दुकानों में कछुए की मूर्तियां रखते हैं. माना जाता है कि इससे आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं, करियर में तरक्की मिलती है और धन आकर्षित होता है. लेकिन आइए जानते हैं कि किस प्रकार का कछुआ किस लाभ के लिए उपयुक्त है और उसे घर में किस दिशा में रखना चाहिए।

**इस मुहूर्त में निकालें कछुआ**

धातु की कछुए की मूर्ति को किसी भी समय घर नहीं लाना चाहिए. वास्तु शास्त्र के अनुसार, कछुए की मूर्ति को पूर्णिमा तिथि के दिन लाना सबसे अच्छा होता है. विद्वानों का यह भी कहना है कि उस दिन कछुए को कुछ देर के लिए कच्चे दूध में भिगोना चाहिए. दूध में भिगोने के बाद, इसे अभिजीत मुहूर्त में निकालना चाहिए, जिसे दिन का सबसे शुभ समय माना जाता है. फिर इसे अच्छी तरह धोकर प्रतिष्ठित करना चाहिए.

**इस दिशा का रखें ध्यान**

चूंकि कछुआ एक जलीय प्राणी है, इसलिए एक कटोरे में पानी भरें और उसमें धातु का कछुआ रखें. इस कटोरे को घर के उत्तर-पूर्वी कोने में रखना चाहिए. फिर ॐ श्रीं कुर्मय नमः मंत्र का 11 बार जाप करें. कछुए का सिर घर के मुख्य द्वार की ओर होना चाहिए. उत्तर-पूर्वी के अलावा आप उत्तर दिशा में भी कछुआ रख सकते हैं क्योंकि यह दिशा लक्ष्मीजी की मानी जाती है. कछुए को भूलकर भी बेडरूम में नहीं रखना चाहिए, ड्रॉइंग रूम में कछुआ रखना सबसे अच्छा माना जाता है।

**किस प्रकार की धातु से बना कछुआ होता है शुभ**

धातु कई प्रकार की होती है. आर्थिक परेशानियों से पूरी तरह छुटकारा पाने के लिए आपको घर में सोने की कछुए की मूर्ति रखनी चाहिए. तांबे का कछुआ विद्यार्थियों और स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान लोगों के लिए शुभ होता है. घर में कलह कम करने, मन की शांति पाने, आर्थिक परेशानियों से बचने और देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपको चांदी का कछुआ चुनना चाहिए. माना जाता है कि पीतल का कछुआ नौकरी पेशा और व्यापारियों के लिए लाभदायक माना जाता है।

**कछुए की कटोरी का पानी बदलते रहें**

घर में वास्तु दोष होने पर या मानसिक तनाव अधिक होने पर घर में क्रिस्टल/क्रिस्टल से बनी कछुए की मूर्ति रखना अच्छा रहता है. प्रजनन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए घर में एक बड़े कछुए की पीठ पर छोटे कछुए की मूर्ति रखना फायदेमंद होता है. अगर परिवार के सभी सदस्य एक साथ रहना चाहते हैं, तो घर में एक दूसरे के ऊपर तीन कछुओं की मूर्ति रखनी चाहिए. हालांकि, कछुए को रखने वाले कटोरे का पानी प्रतिदिन या कम से कम दो दिन में एक बार बदलना चाहिए।

# मंगल करेंगे मीन राशि में प्रवेश हनुमान जयंती पर बन रहा है 'राजयोग'

हनुमान जयंती (2 अप्रैल) पर मंगल का मीन राशि में प्रवेश एक दुर्लभ और शुभ संयोग बना रहा है, जहां शनि पहले से विराजमान हैं. ज्योतिष विद्वान पंडित कल्कि राम के अनुसार, इस गोचर से वृषभ, मिथुन, सिंह और तुला राशि वालों का भाग्य चमकने वाला है. इन जातकों को करियर में तरक्की, व्यापार में भारी मुनाफा और पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा. हनुमान जी की कृपा से इनके पुराने संकट दूर होंगे और धन-संपत्ति में अपार वृद्धि के योग बनेंगे।

खास बात यह है कि मीन राशि में न्याय के देवता शनि देव पहले से ही विराजमान हैं. मंगल और शनि की इस स्थिति से एक ऐसा समीकरण बन रहा है, जो कुछ चुनिंदा राशियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा. अयोध्या के विख्यात ज्योतिष पंडित कल्कि राम के अनुसार, हनुमान जी की कृपा से इन राशियों के डर और भय दूर होंगे और धन-संपत्ति में अपार वृद्धि होगी।

**इन 4 भाग्यशाली राशियों पर होगी धनवर्षा**

पंडित कल्कि राम बताते हैं कि मंगल का यह गोचर मुख्य रूप से चार राशियों वृषभ, मिथुन, सिंह और तुला के लिए स्वर्णिम समय लेकर आ रहा है. इन जातकों पर हनुमान जी की विशेष नजर रहेगी और इनके सालों से रुके हुए काम पलक झपकते ही पूरे हो जाएंगे।

**वृषभ राशिः करियर में मिलेगी नई उड़ान**

वृषभ राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर खुशियों की सौगात लेकर आएगा. अगर आप लंबे समय से नौकरी या व्यापार में बदलाव की सोच रहे हैं, तो यह समय उत्तम है. आपको धन-संपत्ति के मामलों में बड़ी सफलता मिलेगी और समाज में आपका रूतबा बढ़ेगा. हनुमान जी की कृपा से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत होने वाली है।

**मिथुन राशिः मान-सम्मान और व्यापार में लाभ**

मिथुन राशि के लोगों के लिए यह समय सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला होगा. आपको कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा. यदि आप व्यापार से जुड़े हैं, तो बड़ा मुनाफा होने के योग हैं. हनुमान जी की विशेष कृपा आपके सभी संकटों को हर लेगी, जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा।

**सिंह राशिः** संपत्ति और सेहत में सुधार

सिंह राशि के जातकों को पैतृक संपत्ति या भूमि-भवन के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है. पिछले काफी समय से चली आ रही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी इस दौरान दूर होने लगेंगी. आपके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार होगा, जो आपको हर कार्य में सफलता दिलाएगा।

**तुला राशिः शत्रुओं पर विजय और चहुंओर लाभ**

तुला राशि वालों के लिए मंगल का मीन राशि में जाना किसी संजीवनी से कम नहीं है. आपको जीवन के हर क्षेत्र में लाभ देखने को मिलेगा. आपके गुप्त शत्रु परास्त होंगे और आप कोर्ट-कचहरी या विवादों के मामलों में विजयी रहेंगे. सेहत भी बेहतरीन रहेगी और पारिवारिक जीवन में मधुरता आएगी.

**हनुमान जयंती पर जरूर करें ये उपाय**

पंडित जी का सुझाव है कि इन राशियों के जातकों को हनुमान जयंती के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान के बाद हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए।

**हनुमान चालीसा का पाठः** जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ अनिवार्य रूप से करें.

**लड्डू का भोगः** बजरंगबली को बेसन के लड्डू बेहद प्रिय हैं, अतः इस दिन उन्हें लड्डुओं का भोग लगाएं।

**प्रार्थनाः** मंदिर जाकर चमेली के तेल का दीपक जलाएं और अपने कष्टों के निवारण के लिए प्रार्थना करें।

# युधिष्ठिर की इस कहानी से सीखें गुस्से पर काबू पाने का असली मंत्र

पांडव द्रोणाचार्य से शिक्षा ले रहे थे। एक दिन उनका पाठ था, क्रोध पर विजय। पाठ के बाद द्रोणाचार्य ने पांडवों से पूछा, "पाठ याद हो गया।"

युधिष्ठिर को छोड़ सभी ने उत्तर दिया, याद हो गया। लेकिन युधिष्ठिर बोले, "याद नहीं हुआ। द्रोणाचार्य ने पूछा, "क्या बात है, इतना सीधा सादा पाठ तुम्हें याद क्यों नहीं हुआ।"

युधिष्ठिर का उत्तर था, "नहीं हुआ।" द्रोण ने कहा, "ठीक है कल याद करके आना।"

अगले दिन द्रोणाचार्य ने पूछा, "याद हो गया।" युधिष्ठिर का उत्तर था, "नहीं हुआ।" क्रोधित आचार्य द्रोण बोले, '"तुम्हारे दिमाग में बुद्धि है या भूसा।"

युधिष्ठिर ने कहा, "क्षमा करें गुरुदेव, पर मैं आज भी नहीं कह सकता कि मुझे पाठ याद हो गया है।"

आचार्य द्रोण ने नाराज होकर कहा,"तुमने दो दिन बर्बाद कर दिए। अब अगर पाठ याद नहीं हुआ तो तुम्हें दंडित होना पड़ेगा।"

तीसरे दिन भी युधिष्ठिर ने हां में जवाब नहीं दिया। तब द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर के गाल पर एक चांटा मारा। युधिष्ठिर कुछ देर चुपचाप खड़े रहे, फिर अचानक बोले, "पाठ याद हो गया।"

आचार्य द्रोण बोले, "मुझे पता होता कि चांटा खाकर पाठ याद होगा तो पहले ही दिन तुम्हें चांटा खिला देता।"

विनम्र स्वर में युधिष्ठिर ने कहा, "गुरुदेव, ऐसी बात नहीं थी, मुझे अपने पर भरोसा नहीं था। आपने प्रेम से पाठ पढ़ाया तो मेरे मन ने कहा कि कोई प्यार से बात करे तो क्रोध का सवाल ही नहीं उठता। हो सकता है तीखी भाषा में बोले तो क्रोध आ जाए। अगले दिन जब आपने मेरे दिमाग की बात की, तब भी मुझे क्रोध नहीं आया।

लेकिन मेरे मन ने कहा अभी एक और परीक्षा बाकी है, कोई बल प्रयोग करे तो क्रोध आ जाए। आज आपने जब चांटा मारा फिर भी मुझे क्रोध नहीं आया। तब मैं समझा कि मुझे पाठ याद हो गया।" आचार्य द्रोण ने युधिष्ठिर को गले लगा लिया।

# प्रेमानंद महाराज से जानें किस्मत चमकने से पहले मिलते हैं कौन से इशारे

**नाम-जप में अचानक बढ़ती हुई रुचि**

महाराज जी कहते हैं कि सबसे बड़ा शुभ संकेत यह है कि बिना किसी विशेष प्रयास के आपकी जिह्वा पर भगवान का नाम राधा-राधा, राम-राम या कृष्ण-कृष्ण आने लगे। यदि आपको संसार की बातों से ज्यादा 'नाम-जप' में आनंद आने लगा है, तो समझ लीजिए कि आपके पूर्व जन्मों के पाप कट रहे हैं और साक्षात लाड़ली जी ने आपका हाथ थाम लिया है।

**ब्रह्म मुहूर्त में स्वतः नींद का खुलना**

यदि आपकी नींद रोज सुबह 3:00 से 5:00 बजे के बीच (ब्रह्म मुहूर्त) बिना किसी अलार्म के खुलने लगी है, तो यह एक अत्यंत पवित्र संकेत है।

महाराज जी के अनुसार, इस समय दैवीय शक्तियां ब्रह्मांड में विचरण करती हैं। इस समय जागना और प्रभु का स्मरण करना इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति आपको सफल और सुखी बनाना चाहती है।

**साधु-संतों और सत्संग के प्रति आकर्षण**

जब बुरा समय होता है, तो मनुष्य को संतों की वाणी कड़वी लगती है। लेकिन जब भाग्य चमकने वाला होता है, तो आपका मन सत्संग सुनने को लालायित होने लगता है। यदि आपको महापुरुषों के दर्शन करने या उनके प्रवचन सुनने में शांति मिलने लगी है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि आप ईश्वरीय मार्ग पर हैं और आपकी उन्नति निश्चित है।

**स्वभाव में क्षमा और 'धैर्य' का आना**

प्रेमानंद जी महाराज अक्सर जोर देते हैं कि असली भाग्योदय वह नहीं जब जेब में पैसा आए, बल्कि वह है जब मन से 'क्रोध' चला जाए। यदि आप अपमान सहकर भी शांत रह पा रहे हैं और दूसरों की गलतियों को माफ करने का सामर्थ्य आ गया है, तो समझ लें कि आप पर ईश्वरीय कृपा बरस रही है। यह आंतरिक शांति ही आने वाली बड़ी समृद्धि की नींव है।

**जीव-मात्र के प्रति करुणा का भाव**

यदि आपको अचानक भूखे जानवरों, पक्षियों या किसी असहाय व्यक्ति की सेवा करने में सुख मिलने लगा है, तो यह मां लक्ष्मी के आगमन का संकेत है। महाराज जी कहते हैं, ₹जो दूसरों के आंसू पोंछता है, ईश्वर उसके जीवन के सारे दुख सोख लेता है। परोपकार का बढ़ता हुआ भाव बताता है कि अब आप पर दरिद्रता का साया नहीं रहेगा।

**विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग विश्वास**

कई बार अच्छे दिन आने से ठीक पहले कठिन परीक्षाएं आती हैं। यदि उन मुश्किलों में भी आपका विश्वास डगमगाया नहीं और आप यही कह रहे हैं कि जो ठाकुर जी की मर्जी, वही सही,₹ तो समझ लें कि आप परीक्षा में पास हो गए हैं। अब ईश्वर आपको वह सब देने वाले हैं, जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की थी।

**सात्विक आहार और आचरण**

यदि आपका मन तामसिक भोजन और कुसंगति से हटने लगा है, तो यह शरीर और मन के शुद्धिकरण का इशारा है। शुद्ध शरीर ही शुद्ध और बड़ी ऊर्जा को धारण कर सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 30 मार्च - 2026

# युवा प्रधानमंत्री से नई उम्मीदें

नेपाल में ताजा परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन भर नहीं है, बल्कि यह एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत भी है। पड़ोसी देश नेपाल में युवा नेतृत्व के रूप में बालेन शाह का प्रधानमंत्री पद संभालना वहां की जनता की उम्मीदों, आकांक्षाओं और बदलाव की चाह का स्पष्ट प्रतिबिंब माना जा सकता है। लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और विकास की धीमी गति से जूझ रहे नेपाल के लिए यह एक निर्णायक मोड़ भी साबित हो सकता है। नेपाल में पिछले तीन दशकों का राजनीतिक इतिहास अस्थिरता से भरा है। वर्ष 1990 के बाद से लगातार सरकारों का बदलना और किसी भी सरकार का अपना कार्यकाल पूरा न कर पाना इस बात का संकेत है कि वहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थिरता की तलाश में है। एक युवा नेतृत्व का उभरना यह दर्शाता है कि नेपाल की जनता अब पारंपरिक राजनीति से हटकर नए विकल्पों पर भरोसा करना चाहती है। यह बदलाव केवल चेहरे का नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन भी है। बालेन शाह की सबसे बड़ी चुनौती नेपाल की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना होगी। बड़ी संख्या में नेपाली युवाओं को रोजगार की तलाश में विदेश जाना पड़ता है। प्रतिदिन लगभग 1500 लोगों का रोजगार के लिए देश छोड़ना इस बात का प्रमाण है कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भरता से काफी दूर है। यदि नई सरकार देश के भीतर ही रोजगार के अवसर पैदा करने में सफल होती है, तो यह न केवल आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि सामाजिक स्थिरता भी सुधरेगी। इसके साथ ही राजनीतिक पारदर्शिता और सुशासन स्थापित करना भी एक बड़ी परीक्षा होगी। लंबे समय से भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी राजनीति ने जनता का विश्वास कमजोर किया है। युवा नेतृत्व से लोगों की अपेक्षा स्वाभाविक है। यदि यह नेतृत्व पारदर्शी और जवाबदेह शासन देने में सफल होता है, तो नेपाल की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है। नई सरकार के सामने विदेश नीति का संतुलन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण चुनौती है। भौगोलिक दृष्टि से नेपाल भारत और चीन जैसे दो बड़े देशों के बीच स्थित है, इसलिए उसकी कूटनीतिक रणनीति का प्रभाव पूरे क्षेत्र पर पड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल की राजनीति पर चीन का बढ़ता प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है, जिससे भारत-नेपाल संबंधों में कुछ दूरी भी आई है। ऐसे में नई सरकार के सामने यह जिम्मेदारी होगी कि वह संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति अपनाते हुए दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा दे। भारत और नेपाल के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी अत्यंत गहरे रहे हैं। रोटी-बेटी के रिश्तों से जुड़े इन संबंधों को मजबूत बनाए रखना दोनों देशों के हित में है। यदि नेपाल विकास और स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ता है, तो इसका सकारात्मक प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा, विशेषकर सीमा से जुड़े क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास पर। स्पष्ट है कि बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल एक नई दिशा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा है। लेकिन केवल उम्मीदों से बदलाव संभव नहीं होता। इसके लिए मजबूत नीतियों, प्रभावी क्रियान्वयन और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है।

# हंसमुख होना और दूसरों को प्रसन्न करना ही श्रेष्ठ संस्कृति

रघु ठाकुर

वैसे तो दुनिया इसकी रचना करने वाले की ही सर्वश्रेष्ठ सद्रति है। शायद दुनिया के आरंभ होने से ही किसी न किसी रूप में कला रही होगी। हालांकि इसके भौतिक प्रमाण पिछले कुछ हजार सालों के ही मिलते हैं जो विभिन्न रूपों में आदिम युग के जमाने से उस दौर के उपयोगी उपकरण या हथियार के रूप में मिलते हैं, जब इंसान पत्थर लाठी और बाद में किन्हीं धातुओं का उपयोग कर शिकार करता रहा होगा। बाद के काल में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ जीवन कला हुआ। इनमें मुख्यतः प्रकृति के चित्रण है। भारत के अनेक वन क्षेत्र या ग्रामों में घरों के ऊपर महिलाएं शेर का चित्र बनाती हैं इसका मतलब यही है कि व्यक्ति ने अपनी कलात्मकता का विकास अपने परिवेश के साथ किया है जहां तक उनकी भौगोलिक मानसिक पहुंच रही होगी वहीं तक उनकी कला पहुंची।

भारत में भक्ति काल में मंदिरों के ऊपर या पहाड़ों पर कलाकृतियों का निर्माण हुआ और लोगों ने उन्हें ईश्वर का प्रतीक माना। नवाबी दौर में भी जो कलात्मक चित्र आदि बनाए गए वे आमतौर पर नवाबों की जीवनशैली के पर्याय थे, जिनमें महफिल, संगीत गाने वाली महिलाएं आदि थे। एक समय आया जब राम, वरुण, गणेश, हनुमान आदि का चित्र बनना शुरू हुआ। द्वापर युग में, या कहें कि महाभारत काल में कथाओं व साहित्य के केंद्रीय बिंदु के रूप में प्रस्तुत हुए। उनकी प्रतिमाएं, मंदिर, चित्र बने। कथाओं के आधार पर साहित्य रचना व सृजन प्रारंभ हुआ। फिर उन्हीं कथाओं के आधार पर नृत्य भजन आदि शुरू हुए। राम के जीवन का चित्रण मूर्तियों, चित्रों व साहित्य में शुरू हुआ। शिव भारत के शायद सबसे व्यापक और मूल भगवान हैं जो भारतीय भूभाग के प्राचीन व्यक्तियों के सबसे स्वीकृत ईश्वर रूप हैं। कृष्ण का क्षेत्र उत्तर भारत, पूर्वोत्तर और गुजरात का इलाका है। राम का क्षेत्र उत्तर भारत के साथ मध्य का इलाका भी रहा। शिव का क्षेत्र हिमालय से लेकर दक्षिण के समुद्र तक सबसे व्यापक रहा है। कर्नाटक के इलाके में जो लिंगायत पंथ शुरू हुआ वह शिव के मानने वालों का ही था। वे शिवलिंग धारण करते हैं।

शिव की पत्नी पार्वती के सती होने के बाद शिव का तांडव शुरू हुआ। उसके बाद ही शायद देश में भी नारी के ईश्वरीय स्वरूप की पूजा शुरू हुई। जहां-जहां पार्वती के अंग गिरे वहां शक्ति-केंद्र बने। पश्चिम से लेकर पूर्व तक शक्ति के रूप में महिलाओं की पूजा का काल उसी के बाद शुरू हुआ। दुर्गा, काली आदि को शक्ति का स्रोत मानकर उनकी पूजा शुरू हुई।

भारत के इतिहास को अगर गहराई से देखें तो भारत में भी नस्लवादी संघर्ष रहा है। शंकर और पार्वती की शादी शायद पहली आर्य अनार्य की शादी थी। आर्यों ने उसे मन से स्वीकार नहीं किया। किंवदंतियों के अनुसार शिव को समारोह का निमंत्रण नहीं मिला था। उनके इनकार करने के बाद भी पार्वती गईं। वहां जब शिव के लिए अपमान जनक शब्द कहे गए तब उन्होंने आत्महत्या की। उसके बाद शिव विद्रोह का तांडव हुआ। शिव की यह भी विशेषता है कि उन्होंने कभी भी संपत्ति या परिधान आदि को अपना लक्ष्य नहीं माना। उनकी वेशभूषा भारत के सामान्य या आदिजन जैसी है। वे अर्ध वस्त्रों में रहते हैं। अनेक जानवरों को अपने साथ रखते हैं, उनका वाहन नंदी है, उनके गले में सर्प है। शायद ये उस कालखंड की परिस्थितियां रही होंगी। सर्प इसका प्रतीक है कि इंसान व सर्प भी साथ-साथ सह जीवन में रह सकते हैं बस एक-दूसरे को चोट न पहुंचाएं। शिव भारत में प्रकृति के साथ सहजीवन के प्रतीक हैं। हमारे देश के आदिम समाज ने शिव के प्रकृति प्रेम को अपना जीवन में उतारा। कृष्ण राजा नहीं है परंतु आमजन के दिलों के राजा हैं। किंवदंती के अनुसार उनका भी जन्म क्षत्रिय समाज में हुआ। वे राजा के बेटे थे, परंतु उनका पालन-पोषण पिछड़ी जाति के उस समय के पशुपालक यादव परिवार में हुआ था। उनके जीवन के घटनाक्रम वर्णन में पशुपालक जिंदगी के उनके समाज का मुख्य वर्णन है। महाभारत की लड़ाई संपत्ति की लड़ाई थी। रामायण की लड़ाई एक महिला के सम्मान की लड़ाई थी। ऐसे ही लड़ाई शिव की भी है। शिव ने अपनी पत्नी के सम्मान के लिए, राम ने पत्नी के सम्मान के लिए युद्ध किया। कृष्ण ने युद्ध में जीत हासिल की, परंतु राज दूसरों को दिया। केरल के राजपरिवार के लोग वर्मा उपनाम लिखते हैं। शायद वह कभी उत्तर भारत के रहे होंगे। इन्हें कृष्ण ने वहां का राज सौंपा था। इस राज परिवार की परंपरा रही है कि कृष्ण के नाम से ही राज करते हैं। कृष्ण के विभिन्न रूप हैं। उत्तर भारत के मथुरा के इलाके में एक नटखट बांसुरी वादक गाय चराने वाले के रूप में है। महाभारत के युद्ध में कृष्ण अर्जुन को गीता का उपदेश देते वाले उपदेशक हैं। मथुरा के झंझटों को छोड़कर गुजरात के कच्छ में जाकर बसने के कारण रणछोड़ के रूप में पूजे गए। ऐसे अन्य कई रूपों में इनके मंदिर मिलते हैं।

देवियों की पूजा की परंपरा भी उत्तर से लेकर मध्य भारत में रही है। गुजरात में गरबा, उत्तर भारत में नवदुर्गा आदि में नाच प्रचलित है। दक्षिण के मंदिर में नारियों को देवदासी बनाकर रखने की परंपरा शुरू हुई। हालांकि यह आश्चर्यजनक है कि किसी मंदिर में बैठे ईश्वर किसी नारी को देवदासी रूप में क्या स्वीकार करेंगे? यह परंपरा कैसी है और क्यों शुरू हुई। यह भी खोज का विषय है।

हालांकि दक्षिण के मंदिरों में नक्काशी और कला के सुंदर रूप मिलते हैं। दक्षिण के मंदिरों की नक्काशी मानवीय कला कौशल के उत्कृष्ट स्वरूप को प्रस्तुत करती है। विष्णु के वाहन के रूप में गरुण को चित्रित या उत्कीर्ण किया गया है। केरल के मंदिरों में हाथी भेंट करने की परंपरा रही। शायद हाथी उस अंचल के वनों में पाए जाते होंगे। शायद बंगाल के समुद्र तट तक हाथियों का आवागमन रहा होगा। देवियों के मंदिरों में आमतौर पर शेर बनाए जाते हैं, जो शक्ति का प्रतीक है। शंकर का वाहन नंदी या बैल है। इससे लगता है कि शिव कृषि पूर्व काल के देवता हैं। राम ,कृष्ण बाद के काल के देवता हैं। इंसान ने सदैव अपने आप को अभिव्यक्त करने के लिए अपने आत्मिक मानसिक जरूरत को पूरा करने के लिए कला साहित्य का सृजन किया और सहारा भी लिया। बाद में कलाओं के भिन्न-भिन्न प्रकार के रूप सामने आए, पाषाण काल चित्रकला आदि कलाओं का जिक्र व्यक्ति के गुण के लिए भी हुआ। ६ कलाएं मानी गईं। उस दौर में समाज ने व्यक्ति के गुणों को ही कला में शामिल किया। प्रश्न उठता है कि कला है क्या? कला की परिभाषा क्या हो। मैं कला के क्षेत्र का न कोई जानकार या ज्ञाता हूं, न अध्येता।

परंतु मुझे लगता है कि भारत में कला शब्द दो शब्दों से मिलकर बना कल और अनिवार्यता। मानव के लिए कल की अनिवार्यता। इंसान के जीवन में जन्म के बाद ही कला की आवश्यकता शुरू हो जाती है। भविष्य की आवश्यकता भी। बच्चों का जन्म होने के बाद उसे झुनझुना पकड़ाया जाता है, जिससे वह खेलता है। पहले पालने में घंटियां लटकाई जाती थीं। तत्कालीन संस्कृति के तौर तरीके जो उस समय के समाज के रहे होंगे कला उसका चित्रण करती है। पर क्या उसे संस्कृति माना जाए? संस्कृति के बारे में विभिन्न प्रकार के मत हैं। कुछ लोग परंपरा को ही संस्कृति मानते हैं।

# सड़कों से फुटपाथ गायब : अतिक्रमण पर मौन है प्रशासन

डॉ. शैलेश शुक्ला

सड़कों से गायब होते फुटपाथ आज भारत के शहरी जीवन की एक कठोर सच्चाई बन चुके हैं, और अभी तक की स्थिति तक उपलब्ध नवीनतम सरकारी रिपोर्टों, नीतिगत दस्तावेजों और विश्वसनीय अध्ययनों को देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि यह समस्या न तो नई है और न ही आकस्मिक, बल्कि यह लगातार उपेक्षा, कमजोर शहरी नियोजन और प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम है। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट "रोड एक्सीडेंट इन इंडिया 2022" के अनुसार देश में कुल सड़क दुर्घटना मृत्यु में लगभग 19 प्रतिशत पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी रही। इसका सीधा अर्थ यह है कि हर पाँच में से लगभग एक व्यक्ति, जो सड़क पर जान गंवा रहा है, वह पैदल चल रहा था। यह आँकड़ा केवल दुर्घटना का नहीं, बल्कि शहरी ढाँचे की प्राथमिकताओं का दर्पण है, जहाँ पैदल चलने वालों की सुरक्षा को व्यवस्थित रूप से नजरअंदाज किया गया है।

भारत के शहरी ढांचे में पैदल यात्रियों की भूमिका को समझना आवश्यक है। विभिन्न शहरी परिवहन अध्ययनों, जैसे कि "नैशनल अर्बन ट्रांसपोर्ट पॉलिसी 2006" और उसके बाद के संशोधित दृष्टिकोणों में यह स्वीकार किया गया है कि भारतीय शहरों में 20 से 40 प्रतिशत तक यात्राएँ छोटी दूरी की होती हैं, जिन्हें लोग पैदल या गैर-मोटर चालित साधनों से तय करते हैं। इसके बावजूद, शहरों की सड़क योजना मुख्यतः मोटर वाहनों की गति और संख्या को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। नीति और व्यवहार के इस अंतर ने फुटपाथों को 'वैकल्पिक' बना दिया है, जबकि वे वास्तव में शहरी जीवन की मूलभूत आवश्यकता हैं। परिणामस्वरूप, आज अधिकांश शहरों में या तो फुटपाथ मौजूद ही नहीं हैं, या वे इतने खंडित, संकरे और अव्यवस्थित हैं कि उनका उपयोग करना जोखिम भरा हो जाता है।

फुटपाथों के अतिक्रमण की समस्या इस संकट को और गहरा करती है। शहरी स्थानीय निकायों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले फुटपाथ, व्यवहार में बहुउद्देश्यीय और अनियंत्रित उपयोग के स्थल बन गए हैं। उन पर रेहड़ी-पटरी, अस्थायी दुकानें, अवैध पार्किंग, निर्माण सामग्री और कई बार स्थायी संरचनाएँ तक देखी जा सकती हैं। यह स्थिति केवल अवैधता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह शहरी अर्थव्यवस्था और नियोजन के बीच असंतुलन का भी संकेत है। एक्ट ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित तरीके से निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थान दिया जाए, ताकि उनकी आजीविका भी सुरक्षित रहे और सार्वजनिक स्थानों का अतिक्रमण भी नियंत्रित हो। लेकिन 2026 तक उपलब्ध विभिन्न राज्य स्तरीय क्रियान्वयन रिपोर्टों और मीडिया विश्लेषणों से यह स्पष्ट है कि अधिकांश शहरों में टाउन वेंडिंग कमेटियाँ पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं और न ही पर्याप्त वेंडिंग जोन विकसित किए गए हैं। इस नीति-क्रियान्वयन अंतर ने फुटपाथों को अव्यवस्था के हवाले कर दिया है। प्रशासनिक दृष्टि से देखें तो समस्या और भी जटिल दिखाई देती है। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों के पास अतिक्रमण हटाने के लिए पर्याप्त कानूनी शक्तियाँ मौजूद हैं, लेकिन कार्रवाई प्रायः असंगत और अल्पकालिक होती है। समय-समय पर चलाए जाने वाले अतिक्रमण हटाओ अभियान कुछ दिनों के लिए दृश्य परिवर्तन अवश्य लाते हैं, लेकिन स्थायी सुधार नहीं कर पाते। इसका एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है, क्योंकि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अक्सर स्थानीय स्तर पर विरोध और दबाव का कारण बनती है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी भी एक बड़ी बाधा है, जहाँ सड़क, यातायात, नगर नियोजन और पुलिस विभाग अलग-अलग काम करते हैं, लेकिन साझा रणनीति का अभाव रहता है। यह संस्थागत विफलता फुटपाथों की दुर्दशा को स्थायी बना देती है। फुटपाथों की गुणवत्ता और डिजाइन भी उतनी ही गंभीर समस्या है। भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा जारी दिशानिर्देश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि शहरी सड़कों पर फुटपाथों की न्यूनतम चौड़ाई, समतल सतह, बाधा-रहित मार्ग और दिव्यांगजन के लिए सुगम डिजाइन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। लेकिन जमीनी स्तर पर इन मानकों का पालन अपवाद के रूप में ही देखने को मिलता है। कई शहरों में फुटपाथ बीच-बीच में टूट जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे या पेड़ रास्ता रोक लेते हैं, तो कहीं ऊँचाई और ढलान इतनी असमान होती है कि पैदल चलना लगभग असंभव हो जाता है। इस प्रकार की अव्यवस्थित संरचना पैदल यात्रियों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इस समस्या का एक महत्वपूर्ण आयाम सामाजिक न्याय से भी जुड़ा हुआ है। पैदल चलने वाले लोग प्रायः समाज के वे वर्ग होते हैं, जिनके पास निजी वाहन नहीं होते-जैसे मजदूर, छात्र, बुजुर्ग, महिलाएँ और निम्न आय वर्ग। जब फुटपाथ सुरक्षित नहीं होते, तो इसका सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं वर्गों पर पड़ता है। इस दृष्टि से फुटपाथों का अभाव केवल एक भौतिक कमी नहीं, बल्कि शहरी असमानता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। संयुक्त राष्ट्र के "सतत विकास लक्ष्य" विशेष रूप से लक्ष्य 11 (सतत शहर एवं समुदाय) में सुरक्षित, समावेशी और सुलभ सार्वजनिक स्थानों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। भारत ने इन लक्ष्यों को अपनाया है, लेकिन फुटपाथों की वर्तमान स्थिति यह संकेत देती है कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव यह दिखाते हैं कि यदि नीति-निर्माण में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता दी जाए, तो शहरी जीवन की गुणवत्ता में व्यापक सुधार संभव है। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अध्ययन यह बताते हैं कि जिन शहरों में पैदल और साइकिल आधारित परिवहन को बढ़ावा दिया गया है, वहाँ न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है, बल्कि प्रदूषण, ट्रैफिक जाम और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएँ भी कम हुई हैं। इसके विपरीत, भारत के अधिकांश शहर अभी भी वाहन-केंद्रित विकास मॉडल पर आधारित हैं, जहाँ सड़कों का विस्तार तो होता है, लेकिन फुटपाथों को या तो नजरअंदाज किया जाता है या बाद में जोड़ने की कोशिश की जाती है, जो अक्सर असफल रहती है। समाधान की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता दृष्टिकोण में बदलाव की है। फुटपाथों को 'सप्लीमेंटरी' नहीं, बल्कि 'प्राथमिक' अवसंरचना के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही, अतिक्रमण के समाधान के लिए केवल दमनात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि समावेशी नीति की आवश्यकता है, जिसमें स्ट्रीट वेंडर्स के लिए व्यवस्थित और कानूनी स्थान उपलब्ध कराए जाएँ।

अंततः, फुटपाथों का प्रश्न नागरिक अधिकारों, गरिमा और लोकतांत्रिक समानता से जुड़ा हुआ विषय है। जब कोई नागरिक अपने ही शहर में सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि शासन के मूल उद्देश्यों पर भी प्रश्नचिह्न है। 2026 के इस समय में, जब भारत 'स्मार्ट सिटी', 'अमृत योजना' और सतत विकास की बात कर रहा है, तब यह आवश्यक है कि विकास की परिभाषा को पुनः परिभाषित किया जाए।

# वैश्विक संकट के दौर में पर्यटन उद्योग पर असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है। वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरु कर सकते हो पर युद्ध शुरु होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम भी ताक में रख दिए गए हैं और आमनागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह से पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हांलाकि एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवष्य बढावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। खैर वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरे हो गए हैं और सामान्य हालात होने के अभी तो दूर दूर तक आसार ही नहीं दिख रहे हैं।

# जियो और जीने दो : आज की सबसे बड़ी आवश्यकता

आरके जैन

जब मानवता मार्ग से विचलित होती है, हिंसा, लोभ और असत्य का अंधकार फैलता है, तब इतिहास में एक दिव्य प्रकाश प्रकट होता है, जो युग को दिशा देता है और पीढ़ियों को प्रेरित करता है। लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व वैशाली के समीप कुंडलपुर की पावन भूमि पर जन्मे भगवान महावीर स्वामी ऐसी ही अद्वितीय विभूति थे। उनका जन्म मात्र एक तीर्थंकर का आगमन नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना-क्रांति का आरंभ था, जिसने मानव जीवन को अहिंसा, करुणा और सत्य के उच्चतम आदर्शों तक पहुंचाया। उनके विचार आज भी उतने ही सजीव और प्रासंगिक हैं, जितने उस समय थे—यह सिखाते हुए कि सच्ची विजय हिंसा नहीं, प्रेम और संयम से प्राप्त होती है।

जब सत्य और आत्मबोध की खोज प्रबल होती है, तब महापुरुषों का जीवन मार्गदर्शक बनता है। 599 ईसा पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जन्मे भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, किंतु उनका दर्शन किसी एक संप्रदाय तक सीमित नहीं रहा। वे विश्व-गुरु थे, जिनके संदेश ने समस्त मानवता को नई दिशा दी। अहिंसा परमो धर्मः उनका अमर सिद्धांत था-जो केवल वाणी नहीं, बल्कि जीवन का आधार है, जिस पर शांति और समृद्धि टिकी है। उन्होंने सिखाया कि सिद्धांतों को कहना नहीं, जीना आवश्यक है।

राजसी वैभव त्यागकर और 12 वर्षों की कठोर तपस्या के पश्चात कैवल्य ज्ञान प्राप्त कर उन्होंने सिद्ध किया कि आत्मबल ही सर्वोच्च शक्ति है। महावीर का जीवन स्वयं एक सजीव विश्वविद्यालय था। 30 वर्ष की आयु में संन्यास लेकर उन्होंने जो मार्ग अपनाया, वह अत्यंत कठोर था। नंगे पांव, बिना किसी संपत्ति के, विपरीत परिस्थितियों और उपहास के बीच भी वे अडिग रहे। उनकी तपस्या केवल बाहरी कष्ट नहीं, बल्कि मन, क्रोध और लोभ पर विजय की आंतरिक साधना थी।

कैवल्य ज्ञान प्राप्ति के बाद उन्होंने 30 वर्षों तक जन-जन को यह सिखाया कि जीवन का लक्ष्य भौतिक सुख नहीं, आत्म-मुक्ति है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे उनके पंच महाव्रत आज भी जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने की राह दिखाते हैं। वर्तमान समय में भगवान महावीर के संदेश और भी अधिक सार्थक प्रतीत होते हैं। विश्व में हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और पर्यावरण संकट चरम पर हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 20 लाख से अधिक लोग हिंसक संघर्षों से विस्थापित हुए हैं और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक आपदाएँ 35% बढ़ी हैं। ऐसे दौर में उनका जियो और जीने दो सिद्धांत केवल आदर्श नहीं, एक व्यावहारिक मार्ग है। यदि मानवता का एक अंश भी अहिंसा और संयम अपनाए, तो संघर्ष घट सकते हैं और प्रकृति से संतुलन स्थापित हो सकता है। शाकाहार अपनाने से न केवल हिंसा कम होती है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी घटता है-यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है।

भारत में जैन समुदाय इसका सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। लगभग 45 लाख अनुयायी आज भी महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारते हैं।

वे अहिंसा के साथ दान, संयम और सेवा द्वारा समाज को सुदृढ़ बनाते हैं। यह संयोग नहीं कि भारत जैसे विविध देश में सह-अस्तित्व की भावना जीवित है-इसका श्रेय महावीर के दर्शन को है। उनके पंच महाव्रत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं-अहिंसा हिंसा से दूर रखती है, सत्य नैतिकता सिखाता है, अस्तेय लोभ से बचाता है, ब्रह्मचर्य संयम देता है और अपरिग्रह संग्रह की प्रवृत्ति को त्यागना सिखाता है। ये सिद्धांत व्यक्ति ही नहीं, समाज को भी समृद्ध बनाते हैं। महावीर जयंती का दिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का एक पवित्र अवसर है-एक ऐसा क्षण, जो हमें अपने भीतर झांकने और आत्म-मंथन करने के लिए प्रेरित करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म मंदिरों की भव्यता या रस्मों के शोर में नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन के सरल, पवित्र और सच्चे कर्मों में निहित है। यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हम अपने भीतर की कमजोरियों-हिंसा, क्रोध और ईर्ष्या-को पहचानें और दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें समाप्त करने का प्रयास करें।

# नींद-बैंक और खर्राटों का टैक्स

डॉ. सुरेश कुमार

नीमझर गाँव के आधुनिक दार्शनिक 'गपोड़ी लाल' ने इस बार प्रधानी के चुनाव में वह मुद्दा उठाया, जिसे सुनकर कुंभकरण भी अपनी समाधि तोड़ देता। उनका चुनावी शगूफा था-'स्लीप मैनेजमेंट और खर्राटा ऊर्जा संरक्षण योजना'। गपोड़ी लाल का तर्क था कि गाँव का आदमी दिन भर मेहनत करके रात को जो खर्राटे भरता है, वह वास्तव में एक 'ध्वनि ऊर्जा' है जो व्यर्थ जा रही है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गाँव में एक 'सेंट्रल स्लीप बैंक' बनवाएंगे, जहाँ ग्रामीण अपनी अतिरिक्त नींद जमा कर सकेंगे और जरूरत पड़ने पर बुवाई या कटाई के सीजन में उसे 'विड्रॉ' कर सकेंगे। गाँव के लोग, जो साल भर की थकान को एक रात में उतारने की कोशिश में लगे रहते थे, अचानक इस 'नींद के निवेश' वाले विचार पर ऐसे लट्टू हुए कि उन्हें गपोड़ी लाल में साक्षात निद्रा देवी का अवतार दिखने लगा।

प्रचार के अंतिम चरण में गपोड़ी लाल ने गाँव के ऊसर मैदान में एक विशाल लोहे का पिंजरा रखा और उसे 'ड्रीम-कैप्चर यूनिट' घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा लेकर इस पिंजरे के पास पाँच मिनट सोएगा, उसके सारे बुरे सपने (जैसे कर्ज का नोटिस या साले की विदाई) यह मशीन सोख लेगी और बदले में उसे 'स्वर्गीय सुख' के हसीन सपने मुफ्त में दिखाए जाएंगे। विपक्षी उम्मीदवार 'भोला नाथ' नाली, खड़ंजे और शिक्षा की पुरानी रट लगा रहे थे, लेकिन जनता को तो उस 'डिजिटल तकिये' की तलाश थी जो उनकी सारी चिंताओं को चबा जाए। गपोड़ी लाल ने एक पुराना जनरेटर चलाया और कहा कि यह 'नींद की फ्रीक्वेंसी' सेट कर रहा है। गाँव के सीधे-सादे लोग अपनी चादरें लेकर मैदान में कतार में लग गए, इस उम्मीद में कि अब बिना कुछ किए ही उनकी किस्मत सोये-सोये बदल जाएगी।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और गपोड़ी लाल रिकॉर्ड मतों से विजयी हुए, पूरा गाँव अपनी 'जमा नींद' और 'सपनों का कूपन' लेने उनके घर पहुँच गया। लोग चाहते थे कि अब वे हफ्तों तक सोएं और विकास अपने आप हो जाए। गपोड़ी लाल अपनी नई एसयूवी की छत पर खड़े होकर बोले-भाइयों, बैंक की मशीन खराब हो गई है क्योंकि आप सबके खर्राटों का वॉल्यूम इतना हाई था कि डेटा क्रैश हो गया!

जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर, फिर हमारी नींद और सपनों का क्या होगा? गपोड़ी लाल ने ठहाका लगाया और कड़क आवाज़ में बोले, मूर्खों! तुम लोग तो सो ही रहे थे जब मैं तुम्हारे वोट से अपनी किस्मत जगा रहा था। अब अगले पाँच साल जागकर मातम मनाओ, क्योंकि तुम्हारी नींद का कोटा मैंने अपनी कुर्सी के गद्दों में भरवा लिया है। असली सपना तो मैंने देखा था, जो आज पूरा हो गया! जनता सन्न खड़ी एक-दूसरे का मुँह ताक रही थी और गपोड़ी लाल 'खर्राटों का टैक्स' वसूलने का नया कानून बनाने शहर की ओर निकल पड़े।

# कोर्ट के आदेश के बाद भी फीस बढ़ा रहे हैं प्राइवेट स्कूल?

प्राइवेट स्कूलों के मनमाने ढंग से फीस वसूलने पर एक बार भी चर्चा तेज हो गई है। कुछ स्कूलों को लेकर पेरेंट्स ने शिकायत सामने आई है कि स्कूलों ने नए सेशन के लिए फीस में इजाफा तय कर दिया है, जबकि दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि 1 अप्रैल से फीस नहीं बढ़ाई जाएगी।

दरअसल, दिल्ली के स्कूलों में 1 अप्रैल से नया एकेडमिक सेशन शुरू होने जा रहा है, लेकिन फीस को लेकर कनफ्यूजन अब भी बनी हुई है। दिल्ली में फीस बढ़ोतरी पर स्कूल के पेरेंट्स एसोसिएशन ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय (DoE) को लेटर लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। पेरेंट्स एसोसिएशन का कहना है कि स्कूल मैनेजमेंट कमेटी ने 10 मार्च को एक मीटिंग की थी। मीटिंग में 2026-27 सेशन के लिए फीस में 15% बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव रखा गया है।

पेरेंट्स का कहना है कि दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस) एक्ट 2025 के तहत स्कूलों को 1 अप्रैल से फीस बढ़ाने का अधिकार नहीं है। पेरेंट्स एसोसिएशन के अनुसार, स्कूल पहले भी 2024-25 में 30 प्रतिशत और 2025-26 में 15 प्रतिशत फीस बढ़ा चुका है। इससे पेरेंट्स पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। एसोसिएशन ने दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट के तहत नियमों का हवाला देते हुए मामले की जांच और ऑडिट की मांग की है। हालांकि एक्ट के नियमों को लेकर अभी भी कोर्ट में सुनवाई चल रही

है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को भी बताया था कि फीस एक्ट अगले एकेडमिक ईयर से लागू किया जाएगा।

### क्या है स्कूल फीस के नियम?

दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस) एक्ट, 2025 के तहत प्राइवेट स्कूलों के फीस बढ़ाने को लेकर नियम बनाए गए हैं। जो इस प्रकार हैं-

स्कूल मनमाने तरीके से या अन्य फीस नहीं बढ़ा सकता। फीस बढ़ाने के लिए सरकार से परमिशन लेनी जरूरी है। यानी केवल अप्रूव्ड फीस ही वसूल सकते हैं।

10 सदस्यों की फीस रेगुलेशन कमेटी बनाई जाएगी, जिसमें पेरेंट्स और शिक्षक संघ के लोग भी शामिल होंगे।

नियम तोड़ने वाले स्कूलों पर 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

अगर तय समय में वसूली गई ज्यादा फीस वापस नहीं की जाती तो हर 20 दिन बाद जुर्माना डबल हो जाएगा।

नियम-कानून की पूरी तरह या बार-बार अनदेखी करने वाले स्कूल फीस बढ़ाने का अधिकार तक खो सकते हैं।

स्कूल कैंपस में बुक्स, यूनिफॉर्म और जूते नहीं बेचे जा सकते। इसके अलावा किसी खास दुकान से खरीदने के लिए भी मजबूर नहीं किया जा सकता है।

रजिस्ट्रेशन फीस 25 रुपये और एडमिशन फीस 200 रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

स्कूल-लेवल कमेटियों को हर साल 15 जुलाई तक फीस प्रस्तावों पर फैसला लेना होगा।

### स्कूल फीस नियमों को लेकर चल रही बहस

प्राइवेट स्कूलों में फीस के नए नियमों की संवैधानिकता पर बहस जारी है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने संबंधित याचिकाएं लंबित रहने तक 1 फरवरी 2026 के नोटिफिकेशन-कम-ऑर्डर के क्लॉज 3 (1) और (2) के संचालन और अमल पर रोक लगाई है।

### फिलहाल कितनी फीस वसूल सकते हैं प्राइवेट स्कूल?

कोर्ट ने SLFRC के गठन और फीस प्रपोजल जमा करने की रिवाइज्ड टाइमलाइन को पहली नजर में व्यावहारिक नहीं पाया। हालांकि, कोर्ट ने यह भी साफ किया कि स्कूल अकैडमिक ईयर 2026-27 के लिए उतनी ही फीस लेने के हकदार है जितनी पिछले अकैडमिक ईयर के लिए ली गई थी, जब तक कि एक्ट और रूल्स के तहत फीस फॉर्मली तय या अप्रूव नहीं हो जाती।

बता दें कि निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूलने पर रोक लगाने वाला कानून अगले साल यानी शैक्षणिक सेशन-2026-27 से लागू होगा। यह दिल्ली के सभी 1700 प्राइवेट बिना सरकारी मदद वाले स्कूलों पर लागू होगा। इसमें मौजूदा कमियों को खत्म किया गया है और यह सुनिश्चित करता है कि हर फीस बढ़ोतरी एक पारदर्शी प्रक्रिया का पालन हो।

# दो लाख रुपये, लैपटॉप, सर्टिफिकेट
## पुरस्कार में बिहार बोर्ड 10वीं के टॉपर्स को मिलेंगी ये सब चीजें

बीएसईबी ने मैट्रिक 2026 के टॉप 10 रैंक के 139 छात्रों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की है। इसमें प्रथम स्थान पाने वाले को विद्यार्थी को दो लाख रुपये, द्वितीय को 1.5 लाख रुपये और तृतीय को एक लाख रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही सभी 139 छात्रों को लैपटॉप, मेडल और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। आगे की पढ़ाई के लिए इन छात्रों को दो हजार रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। नकद पुरस्कार के अलावा, सभी चयनित विद्यार्थियों को एक-एक लैपटॉप, प्रशस्ति-पत्र और मेडल भी प्रदान किए जाएंगे।

### स्कॉलरशिप में भी बढ़ोतरी

इतना ही बिहार बोर्ड ने इस बार बिहार विद्यालय परीक्षा समिति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेधा छात्रवृत्ति में भी वृद्धि की है। 2026 में टॉप 10 विद्यार्थियों को 11वीं और 12वीं तक (2 वर्ष) या फिर तकनीकी डिप्लोमा कोर्स करने पर कोर्स पूरा होने तक दो हजार रुपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप दी जाएगी। यह स्कॉलरशिप केवल उन्हीं छात्रों को मिलेगी जो राज्य या केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थान में नियमित रूप से पढ़ाई जारी रखेंगे।

### कुल लाभार्थियों की संख्या

आज यानी 29 मार्च को जारी हुए परिणा में कुल 139 परीक्षार्थियों ने टॉप 10 की सूची में जगह बनाई है, जिन्हें बिहार बोर्ड की ओर से सम्मानित किया जाएगा। यह कदम बिहार में शिक्षा के स्तर को सुधारने और मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

# काम को लेकर अगर मन में कोई संशय है, तो इसकी तह तक पहुंचना जरूरी; दूर करें अपना संदेह

कार्यस्थल की बैठक में जब नई रणनीति पर सभी सहमत होते हैं, तब भी कभी-कभी आपको भीतर से इस पर संदेह होता है, भले ही आप उसे स्पष्ट शब्दों में न समझा पाएं। इसे अंतर्ज्ञान कहते हैं, यानी अनुभव से बनी वह तेज समझ, जो छोटे संकेतों के रूप में सामने आती है।

लंबे समय से नेतृत्व कर रहे लोगों के लिए यह स्थिति सामान्य है। नेतृत्व में, जहां अधूरी जानकारी के बीच फैसले लेने होते हैं, वहां केवल डाटा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता। बेहतर निर्णय वही होते हैं, जिनमें विश्लेषण और अंतर्ज्ञान दोनों का संतुलन हो। इसलिए अपने अंतर्ज्ञान को सही तरीके से व्यक्त करना जरूरी है, ताकि संदेह दूर हो और सही निर्णय लिए ले सकें।

### टीम को ऐसे समझाएं

कभी-कभी हमारा दिमाग नए फैसलों को पुराने अनुभवों से जोड़कर तुरंत यह अंदाजा लगा लेता है कि क्या सही है और क्या गलत। ऐसे में, आप खुद से पूछ सकते हैं कि यह मुझे किस बात की याद दिला रहा है? हो सकता है कि टीम किसी जोखिम को नजरअंदाज कर रही हो। जब आप अपनी बात रखें, तो उसे सरल तरीके से कहें जैसे, यह पहले जैसा लग रहा है या ऐसा हमने पहले भी देखा है। इससे आपकी बात स्पष्ट होती है।

### सवाल पूछें

अगर आपको किसी विचार से असहमति है या कोई संदेह है, तो तुरंत कुछ कहने के बजाय थोड़ा समय लें। स्पष्टीकरण वाले सवाल पूछें और जानकारी जुटाएं, जैसे-अपनी राय देने से पहले कहें कि मुझे समय-सीमा के बारे में कुछ शक है। हमने छह महीने कैसे तय किए? या मैं यह समझना चाहता हूं कि इस योजना के पीछे क्या सोच थी? अक्सर उनका जवाब आपकी सोच को साफ कर देगा। इस तरह आप जिज्ञासु होकर सही निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

### बातों को उदाहरणों से बताएं

अक्सर लोग संख्याओं को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं, क्योंकि वे सटीक और भरोसेमंद लगती हैं। लेकिन हर चीज को नंबर में नहीं मापा जा सकता। बातचीत और अवलोकन से मिली जानकारी भी उतनी ही जरूरी होती है और इसी से अंतर्ज्ञान बनता है। जब आप अपनी बात कहानी या उदाहरण के साथ बताते हैं, तो लोग उसे बेहतर तरीके से समझते हैं। इसलिए सिर्फ यह कहने के बजाय कि मुझे लगता है, यह उत्पाद सफल होगा, आप उदाहरण दें कि जैसे-हमने कई लोगों से बात की और ज्यादातर ने इसी समस्या के बारे में बताया। इससे आपकी बात ज्यादा भरोसेमंद बनती है।

### पहले परीक्षण करें

कभी-कभी बिना सबूत के अंतर्ज्ञान पर भरोसा करना जोखिम भरा होता है, इसलिए छोटे परीक्षण या प्रोजेक्ट से शुरुआत करें। इससे जोखिम कम होता है और लोग आसानी से सहमत होते हैं। आप कह सकते हैं कि मुझे लगता है कि यह मौका अच्छा है, क्यों न एक छोटे प्रोजेक्ट से शुरुआत करें? इससे आपका अनुभव और सोच दूसरों को साफ दिखाई देगी।

# क्या नेटवर्किंग केवल एक्स्ट्रोवर्ट्स के लिए आसान है?

अक्सर नेटवर्किंग को ज्यादा लोगों से मिलना या कुशलतापूर्वक बात करना समझा जाता रहा है, लेकिन इसमें विशेषज्ञता हासिल करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता, खासकर इंट्रोवर्ट (अंतर्मुखी) लोगों को इसमें मुश्किलें भी आ सकती हैं। उन्हें लग सकता है कि लोगों से जुड़ना सिर्फ एक्सट्रोवर्ट (बहिर्मुखी) लोगों के लिए आसान है। लेकिन यह सोच सही नहीं है। नेटवर्किंग का मतलब सबसे ज्यादा बोलना नहीं है, बल्कि सही लोगों से सच्चे और मजबूत रिश्ते बनाना है। अंतर्मुखी लोग भी अपने शांत स्वभाव, ध्यान से सुनने की आदत और गहराई से जुड़ने की कला के जरिये इसमें उतने ही सफल हो सकते हैं।

### अपनी खूबियों को पहचानें

नेटवर्किंग न कर पाना आत्मविश्वास की कमी नहीं, बल्कि आपकी सोच पर निर्भर करता है। कई लोग गहराई से सोचते हैं और ध्यान से सुनते हैं, जो उन्हें बेहतर संबंध बनाने में मदद करता है।

### सीखने के अवसर के रूप में देखें

नेटवर्किंग का सही अर्थ लोगों को प्रभावित करना नहीं, बल्कि उनसे जुड़ना है। जब आप इसे सीखने और समझने के अवसर के रूप में देखते हैं, तो बातचीत अधिक स्वाभाविक हो जाती है और दबाव भी कम महसूस होता है। इससे आप सामने वाले को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और एक भरोसेमंद संबंध बना सकते हैं। ऐसी बातचीत लंबे समय तक यादगार बनी रहती है और अधिक प्रभावशाली होती है।

### प्रकृति के अनुरूप तैयारी

चाहे आप अंतर्मुखी हों या बहिर्मुखी, दोनों के लिए अपनी प्रकृति के अनुसार तैयारी करना उपयोगी होता है। यदि आप पहले से तय कर लें कि किसी कार्यक्रम में जाने का आपका उद्देश्य क्या है, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। साथ ही, जिन लोगों से मिलना जरूरी है, उनसे बातचीत के लिए कुछ सरल विषय पहले से तैयार रखना भी काफी मददगार साबित होता है। इससे आप बातचीत की शुरुआत आसानी से कर पाते हैं।

### फॉलो-अप करें

नेटवर्किंग को मजबूत बनाने में फॉलो-अप बहुत जरूरी है। किसी से मिलने के बाद एक छोटा-सा संदेश भेजना-जैसे धन्यवाद कहना या बातचीत को आगे बढ़ाना यह दर्शाता है कि आप उस रिश्ते को महत्व देते हैं। इससे संबंध मजबूत होते हैं और लंबे समय तक बने रहते हैं।

### खुद को पर्याप्त समय दें

किसी भी व्यक्ति के लिए अपनी ऊर्जा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि नेटवर्किंग में थकान होना सामान्य बात है। इसलिए जरूरत से ज्यादा कार्यक्रमों में न जाएं और खुद को पर्याप्त समय दें। संतुलन बनाए रखना ही लंबे समय तक प्रभावी और स्वस्थ तरीके से नेटवर्किंग करने की कला है। इससे आप बिना थके लगातार बेहतर तरीके से लोगों से जुड़ पाते हैं।

# रेलवे में निकली अपरेंटिस भर्ती, 2800 से ज्यादा वैकेंसी; 11 अप्रैल तक आवेदन करें

अगर आप रेलवे में नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। साउथ सेंट्रल रेलवे में अपरेंटिस पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऐसे में जिन इच्छुक व योग्य उम्मीदवारों को इसके लिए आवेदन करना है वे सभी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने आवेदन पत्र को भरकर जमा कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट 11 अप्रैल 2026 है। नीचे बताए गए स्टेप्स के माध्यम से भी उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र को भर सकते हैं।

### अप्लाई करने के स्टेप्स?

सबसे पहले उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट(रीजनल) पर जाना होगा।

इसके बाद उम्मीदवारों को होमपेज पर संबंधित लिंक पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद उम्मीदवार पहले खुद को पंजीकृत करें।

पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र को भरें।

आवेदन पत्र को भरने के बाद उम्मीदवार उसे सबमिट कर दें।

फॉर्म को सबमिट करने के बाद उम्मीदवार पुष्टिकरण पेज डाउनलोड कर लें।

आखिरी में उम्मीदवार एक प्रिंटआउट ले लें।

### एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं कक्षा की परीक्षा या उसके समकक्ष (10+2 परीक्षा प्रणाली के तहत) कुल मिलाकर कम से कम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। इसके उम्मीदवारों के पास NCVT/SCVT द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से, अधिसूचित ट्रेड में ITI प्रमाणपत्र भी होना चाहिए।

उम्मीदवारों की आयु कम से कम 15 वर्ष होनी चाहिए और ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि, यानी 11-04-2026 तक, उनकी आयु 24 वर्ष पूरी नहीं हुई होनी चाहिए।

### सेलेक्शन प्रोसेस

इस भर्ती में योग्य उम्मीदवारों का चयन एक मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। यह मेरिट लिस्ट 10वीं कक्षा/मैट्रिकुलेशन परीक्षा (जिसमें कुल मिलाकर कम से कम 50% अंक हों) और ITI परीक्षा, दोनों में प्राप्त अंकों के प्रतिशत का औसत निकालकर तैयार की जाएगी, जिसमें दोनों को बराबर महत्व दिया जाएगा।

# आपको नौकरी पर क्यों रखना चाहिए?
## जॉब इंटरव्यू में अपने बारे में बताने से पहले समझ लें ये बात

हमें आपको नौकरी पर क्यों रखना चाहिए? जॉब इंटरव्यू में अक्सर ये सवाल युवाओं को उलझा देता है। अच्छी से अच्छी तैयारी के बावजूद इस तरह का सवाल युवाओं को सोच में डाल देता है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने युवाओं की यही सबसे बड़ी परेशानी सॉल्व कर दी है। उन्होंने बताया कि जॉब इंटरव्यू के समय यह सवाल कितना अहम है और युवाओं को इसका जवाब कैसे देना चाहिए।

अपनी लाइफ में अनगिनत युवाओं को इंटरव्यू ले चुके बिल गेट्स का मानना है कि टेक्निकल नॉलेज और स्किल्स काफी मायने रखते हैं, लेकिन जिस तरह से कैंडिडेट्स अपनी प्रेरणा, योग्यता, क्षमता और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स को इंटरव्यू पैनल के सामने रखते हैं वो काफी प्रभावित करता है।

दरअसल, बिल गेट्स ने 2020 में एनबीए स्टार स्टीफन करी के

यूट्यूब शो स्टेट ऑफ इंस्पिरेशन में एक कॉलेज ड्रापआउट युवा का रोल-प्ले किया था। उन्होंने दिखाया कि अगर वे माइक्रोसॉफ्ट में पहली बार नौकरी के लिए आवेदन करते, तो इंटरव्यू में कैसे पेश आते। तब उन्होंने बताया था कि अक्सर युवा किस तरह के सवालों में उलझ जाते हैं और उन्हें किस तरह से जवाब देना चाहिए।

### 'हमें आपको नौकरी पर क्यों रखना चाहिए?' का क्या जवाब देना चाहिए

अक्सर जब भी इंटरव्यू में यह सवाल पूछा जाता है तो कैंडिडेट्स अपनी बड़ाई करना शुरू कर देते हैं और यहीं वे मात खा जाते हैं। बिल गेट्स का मानना है कि यह सवाल अपनी बड़ाई करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपनी अहमियत समझाने का मौका देता है। अगर यह सवाल पूछा गया है तो हायरिंग मैनेजर सिर्फ आपकी उपलब्धियों की लिस्ट नहीं देखना चाहते, वे आपके हुनर और सोच को परखना चाहते हैं जो आगे चलकर कंपनी के काम आ सके।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'मैं कड़ी मेहनत करता हूं' या 'मैं टीम के साथ मिलकर काम करता हूं' जैसे गोलमोल जवाब देने के बजाय, बिल गेट्स सलाह देते हैं कि आप अपने जवाब को इस तरह से तैयार करें कि उसमें ठीक वही खूबियां बताई जा सकें जिनकी नौकरी देने वाले को तलाश है।

उदाहरण के लिए, अगर किसी पद के लिए कुछ नया करने की जरूरत है, तो कोई उम्मीदवार उस समय के बारे में बता सकता है जब उसने अपनी सूझ-बूझ से किसी मुश्किल समस्या का हल निकाला हो और यह भी बता सकता है कि उसका वह तरीका कंपनी के लिए कैसे फायदेमंद साबित हो सकता है।

गेट्स सलाह देते हैं कि इंटरव्यू के समय अपने खास हुनर को सीधे तौर पर कंपनी की जरूरतों से जोड़ें, यह दिखाएं कि आप इस पद पर रहते हुए आगे बढ़ने के लिए कितने उत्साहित हैं, और खुद को एक ऐसे इंसान के तौर पर पेश करें जो कंपनी के छोटे समय के टारगेट्स और लंबे समय के ड्रीम्स, दोनों को पूरा करने में अपना योगदान दे सकता है।

# कम वेतन पर काम को मजबूर युवा : खेती छोड़कर गांव से निकले, पर शहरों में स्थायी नौकरी मुश्किल, 15 हजार आईटीआई फिर भी स्किल की कमी

देश का युवा अब खेती में भविष्य नहीं देखता। वह अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफ स्टाइल के लिए गांवों से निकलकर शहर जा रहा है। लेकिन वहां न तो स्थायी नौकरी मिल रही है और न ही पढ़ाई और मेहनत के हिसाब से वेतन। नतीजतन सबसे ऊर्जावान वर्ग एक ऐसे चक्र में फंसता जा रहा है, जहां काम तो है पर तरक्की नहीं।

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' के मुताबिक, 1983 से 2023 के बीच खेती में 20-29 साल के युवाओं की हिस्सेदारी 56% से घटकर 27% रह गई। लेकिन शहरों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, स्किल की कमी और कमजोर जॉब मार्केट के बीच युवाओं को मुफीद काम नहीं मिल रहा है। देश में स्किल डेवलपमेंट का ढांचा, खास तौर पर आईटीआई तेजी से फैले हैं। लेकिन कई नए संस्थान प्रशिक्षण के मामले में राष्ट्रीय मानकों पर खरे नहीं उतरते। देश में 15,000 से ज्यादा

आईटीआई हैं, फिर भी उद्योगों को स्किल वर्कर्स नहीं मिल पा रहे हैं। पहले आईटीआई शहरों और औद्योगिक केंद्रों के आसपास बनाए जाते थे, ताकि ट्रेनिंग के बाद सीधे नौकरी मिल सके। लेकिन अब 70% नए आईटीआई गांवों में खुल रहे हैं और ज्यादातर ट्रेनिंग वहीं हो रही है। दूसरी तरफ 66% कारखानें शहरों में हैं। यानी जहां स्किल तैयार हो रही है, वहां नौकरी नहीं है और जहां नौकरी है, वहां स्किल की सप्लाई नहीं है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि काम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। लेकिन इसका बड़ा हिस्सा बिना वेतन के पारिवारिक काम या छोटे-मोटे स्वरोजगार से आता है, जहां न तो स्थिर आमदनी होती है न पहचान। इसके चलते शहरों में पढ़ी-लिखी महिलाएं अब गिग वर्क या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की तरफ जा रही हैं, ताकि नौकरी और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बना सकें। इन कामों में लचीलापन तो है, पर नौकरी की सुरक्षा और स्थिरता नहीं है।

रिपोर्ट कहती है कि सिर्फ स्किल डेवलपमेंट से समस्या हल नहीं होगी। जब तक बड़े पैमाने पर सुरक्षित नौकरियां नहीं होंगी, युवा आबादी कम उत्पादक कामों में ही उलझी रहेगी।

7% से भी कम ग्रेजुएट्स एक साल के भीतर स्थायी नौकरी पा रहे, 12वीं पास में यह औसत सिर्फ 4%

रिपोर्ट बताती है कि भारत में 7 फीसदी से भी कम ग्रेजुएट्स को एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिलती है। 12वीं पास युवाओं में तो यह आंकड़ा 4 फीसदी ही है। वाइट-कॉलर जॉब, मसलन ऑफिस एग्जीक्यूटिव, बैंक कर्मचारी, आईटी प्रोफेशनल में हालात ज्यादा नाजुक हैं। ग्रेजुएट्स में बस 3.7 फीसदी को और 12वीं पास युवाओं में सिर्फ 1.5 फीसदी को ऐसी नौकरियां मिल पाती हैं।

## शाहरुख खान ने अभी तक 'धुरंधर 2' पर नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

शाहरुख खान ने रणवीर सिंह की नई फिल्म 'धुरंधर 2' पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच मुंबई की एक पार्टी में अभिनेता को रणवीर सिंह के साथ देखा गया है। दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए हैं। उनकी यह तस्वीर वायरल हो गई है।

**सलमान-शाहरुख ने नहीं दी प्रतिक्रिया**

फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इसने सिर्फ 10 दिनों में दुनियाभर में 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जहां कई मशहूर हस्तियों ने इस फिल्म की तारीफ की है, वहीं कुछ फैंस ने यह भी गौर किया है कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अब तक इस फिल्म पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

**एक ही फ्रेम में नजर आए शाहरुख और रणवीर**

इसी चर्चा के बीच, मुंबई में हुई एक हाई-प्रोफाइल जन्मदिन पार्टी की एक तस्वीर सामने आई है। यह पार्टी एक आलीशान होटल में हुई। इस पार्टी में फिल्म जगत की हस्तियों और राजनीतिक हस्तियों का मेल देखने को मिला। तस्वीर में, शाहरुख खान और रणवीर सिंह दोस्तों के एक ग्रुप के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में जहां कई लोग खड़े हैं वहीं रणवीर सिंह बैठकर पोज दे रहे हैं।

**शाम का आनंद लेते नजर आए शाहरुख**

ग्रुप फोटो के अलावा, पार्टी के अंदर का एक और वीडियो भी ऑनलाइन वायरल हो रहा है। इसमें शाहरुख खान को अनंत अंबानी के साथ शाम का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। राधिका मर्चेंट भी पास ही खड़ी नजर आईं।

**'धुरंधर 2' का कलेक्शन**

इस बीच, 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म हाल के दिनों की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। भारत में इसने खबर लिखे जाने तक 807.68 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

### अनुराग बसु की फिल्म की लीक हुई तस्वीरें

## कश्मीर शेड्यूल में साथ नजर आए कार्तिक आर्यन और श्रीलीला

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों कश्मीर में हो रही है। सोशल मीडिया पर इस फिल्म के सेट की कुछ तस्वीरें लीक हो रही है, जो फैंस का दिल जीत रही हैं।

**सेट से वायरल हुईं तस्वीरें**

सोशल मीडिया पर अनुराग बसु की नई फिल्म की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर लीक हो गई हैं। इन तस्वीरों को कार्तिक और श्रीलीला को एक साथ देखकर उनके फैंस बहुत खुश और उत्साहित हो गए हैं। तस्वीरों में कार्तिक आर्यन, श्रीलीला और डायरेक्टर अनुराग बसु शूटिंग के दौरान बात करते दिख रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों कश्मीर की वादियों में हो रही है।

**कश्मीर में हो रही है फिल्म की शूटिंग**

एक तस्वीर में श्रीलीला नीले टॉप और फटी जींस के साथ लाल हिजाब पहने नजर आ रही हैं। वहीं कार्तिक आर्यन उनके पास खड़े नजर आ रहे हैं। यह फिल्म पहले कई बार टल चुकी है, लेकिन अब लीक हुई तस्वीरों से लग रहा है कि शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है।

फिल्म का बड़ा हिस्सा कश्मीर में शूट किया जा रहा है। तस्वीरों में कार्तिक घनी दाढ़ी और लंबे बालों के साथ दिख रहे हैं। यह पहली बार है जब कार्तिक आर्यन और श्रीलीला साथ में स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म का आधिकारिक नाम और रिलीज डेट अभी तक गुप्त रखा गया है।

**कार्तिक और श्रीलीला का वर्कफ्रंट**

कार्तिक आर्यन अनुराग बसु की फिल्म के अलावा करण जौहर की फिल्म 'नागजिला' में भी नजर आएंगे। इसके अलावा कार्तिक 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म और 'कैप्टन इंडिया' में नजर आएंगे। वहीं श्रीलीला इन दिनों पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में नजर आ रही हैं।

## चियान विक्रम की अपकमिंग फिल्म 'चियान 63' पर रुका काम

चियान विक्रम अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। वह मैडोन अश्विन के साथ 'चियान 63' नाम की एक फिल्म में काम करने वाले थे। हालांकि अब खबरें आ रही हैं कि यह प्रोजेक्ट रुक रहा है। खबरों के मुताबिक अब इस प्रोजेक्ट पर रोग लग गई है।

**कौन होगा 'चियान 63' का निर्देशक?**

अपकमिंग फिल्म का अस्थाई शीर्षक 'चियान 63' रखा गया था। शुरुआत में घोषणा हुई थी कि इसका निर्देशन मैडोन अश्विन करेंगे। हालांकि, बाद में विक्रम ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट इसके बजाय फिल्ममेकर बोडी राजकुमार के साथ होगा। इसकी घोषणा एक बेहतरीन एक्शन-पैक पोस्टर के साथ की गई थी।

**कार्थी के साथ काम करेंगे मैडोन अश्विन**

मैडोन अश्विन ने अब एक्टर कार्थी को एक स्क्रिप्ट सुनाई है। बताया जा रहा है कि कार्थी ने कहानी सुनने के बाद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। खबरें हैं कि इस प्रोजेक्ट को सूर्या अपने बैनर जगराम स्टूडियो के तहत सपोर्ट करेंगे।

यह भी चर्चा है कि फिल्ममेकर आने वाले दिनों में शिवकार्तिकेयन के साथ किसी और प्रोजेक्ट के लिए फिर से काम कर सकते हैं। हालांकि, इस बात की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हई है।

**किस निर्देशक के साथ काम करेंगे विक्रम?**

हाल ही में, चियान विक्रम ने बताया कि उन्होंने पिछले एक साल में कई स्क्रिप्ट्स सुनीं और फिर अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए चार प्रोजेक्ट्स फाइनल किए, जिससे उनके तुरंत के प्लान में बदलाव का संकेत मिलता है।

इन चारों फिल्मों में काम करने के बाद वह 'चियान 63' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन मैडोन अश्विन के बजाए बोडी राजकुमार करेंगे।

**चियान विक्रम का वर्कफ्रंट**

चियान विक्रम को आखिरी बार अरुण कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'वीरा धीरा सूरनः पार्ट 2' में देखा गया था। इसमें उनके साथ दुशारा विजयन, एसजे सूर्या और सूरज वेंजारामूडु भी थे।

## वरुण वडोला ने टीवी इंडस्ट्री में एक्टर्स की पेमेंट में देरी पर तोड़ी चुप्पी, कहा- ये बार-बार हो रहा है

टीवी की दुनिया के मशहूर एक्टर वरुण बडोला ने कई डेली सोप में काम किया। लंबे अरसे से वह इस इडंस्ट्री में जमे हुए हैं। लेकिन अब उन्होंने एक इंटरव्यू में पेमेंट में देरी और काम करने के लंबे घंटों की आलोचना की है। कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक, चीजें समय पर होनी चाहिए और एक्टर्स को 18 से 24 घंटे तक काम कराने के बारे में भी गंभीरता से सोचना चाहिए। क्योंकि ये गलत है।

वरुण बडोला ने अपने मन की भड़ास निकाली। जब उनसे पूछा गया कि टीवी में अक्सर ये मुद्दा उठाया जाता है कि पेमेंट देर से मिलती है तो उन्होंने कहा, 'मैं क्या बोलूं? पेमेंट हमेशा समय पर होनी चाहिए। बहुत सिंपल बात है। अगर कुछ गलत है तो वो नहीं होना चाहिए।' जब पूछा गया कि इस समस्या को दूर करने के लिए क्या किया जाना चाहिए तो उन्होंने कहा, 'अगर ये चीजें सही होनी होती तो कबका हो जातीं।'

**वरुण बडोला ने ज्यादा देर काम करने पर कहा**

वरुण बडोला ने लंबे वर्किंग आर्स के बारे में भी बात की। कहा, 'कहने के लिए मेरे पास ज्यादा कुछ नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन ये बार-बार हो रहा है तो मुझे अब ऐसा लगता है कि इसके बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। बदलाव जरूरी है।' इसके बाद उनसे ये भी सवाल किया गया कि उन्होंने अब तक क्या बदलाव देखे हैं क्योंकि पहले एक्टर्स के लिए लोगों में अलग क्रेज था लेकिन अब वो कम होता जा रहा है। तो वह बोले, 'अगर ऐसा रहा भी है तो मैंने इसका अनुभव कभी नहीं किया। हालांकि ये सच हे कि काम का प्रेशर बहुत बढ़ गया है।'

**वरुण ने एक्टर्स पर प्रेशर न डालने की अपील की**

अभिनेता ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि हम लोगों की हेल्थ पर प्रेशर डाले बगैर क्वॉलिटी बनाए हुए कम समय में अच्छा काम कर सकते हैं। ऐसा करना मुश्किल नहीं है। लेकिन हम ऐसी कोशिश ही नहीं कर रहे हैं। बहुत कुछ बदल गया है। और सैटिस्फैक्शन एकदम गायब हो गया है। आज काम का बोझ ज्यादा है लेकिन सुपरस्टार हमेशा रहेंगे।'

## मालविका के तमिल और तेलुगु अभिनेत्रियों की डायलॉग डिलीवरी पर विवादास्पद बयान

मालविका के तमिल और तेलुगु अभिनेत्रियों की डायलॉग डिलीवरी पर विवादास्पद बयान के बाद सोशल मीडिया बंट गया। कुछ यूजर्स उसकी आलोचना कर रहे हैं जबकि कुछ उसे सपोर्ट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने मालविका की हालिया परफॉर्मेंस खासकर 'मास्टर' और 'द राजा साब' जैसी फिल्मों में उसके काम का जिक्र किया है। एक यूजर ने लिखा, 'मास्टर में मालविका मोहनन की एक्टिंग को सभी ने उसके एक्सप्रेशंस के लिए ट्रोल किया था लेकिन अब वह दूसरों पर कमैंट कर रही हैं। क्या ही कलयुग है।' एक यूजर ने कहा, " अपनी सलाह खुद भी माननी चाहिए। एक अन्य ने कहा, "दूसरों पर टिप्पणी करने से बेहतर अपने काम पर ध्यान दें।

कई दूसरे यूजर्स ने फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाऊड्स' उसके अभिनय की तारीफ की और कुछ फैंस तथा यूजर्स ने मालविका के दावे का समर्थन भी किया है।

**पिछली फिल्म हुई बुरी तरह फ्लॉप**

मालविका को लेकर यह विवाद तब सामने आया है, जब इस साल रिलीज उसकी फिल्म 'द राजा साब' बुरी तरह फ्लॉप हो गई। प्रभास के लीड रोल वाली इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था, लेकिन समीक्षकों के साथ ही फैंस ने भी इसे खराब रिव्यू दिए ।

**अच्छी कहानी हर 'भाषा' में चलती है**

जैसे-जैसे सिनेमा सचमुच एक पैन इंडिया फिनॉमिना' बनता जा रहा है, आज के कलाकार अलग- अलग इंडस्ट्री और भाषाओं में ज्यादा से ज्यादा काम कर रहे हैं । मालविका मोहनन के लिए, इस बदलाव ने देश के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ काम करने के मौके खोले हैं, साथ ही उसे कहानी कहने के अलग- अलग तरीकों को जानने का भी मौका मिला है।

तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी जैसी 5 फिल्म इंडस्ट्रीज में अपनी धमक दिखा चुकी मालविका अभी कई तमिल फिल्मों में काम कर रही है। वह बताती है कि कैसे वे सीमाएं, जो कभी रीजनल सिनेमा को परिभाषित करती थीं, धीरे-धीरे मिटती जा रही हैं। प्रभास, अल्लू अर्जुन, रजनीकांत और विजय जैसे बड़े सितारों के साथ पहले ही स्क्रीन शेयर कर चुकी मालविका का मानना है कि आज की फिल्ममेकिंग अब भाषा या जगह तक सीमित नहीं रह गई है।

उसने कहा, आज सिनेमा सचमुच सीमाओं से परे है । अगर आप आज किसी अच्छे प्रोजैक्ट का हिस्सा हैं, तो वह हर किसी तक पहुंचता है। भाषा अब कोई रुकावट नहीं रही। यह भी कह है कि वह खुद को खुशकिस्मत मानती है कि उसे अलग- अलग इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। उसने कहा, "मैं आज ऐसी जगह पर हूं जहां मुझे देश के अलग-अलग हिस्सों के कुछ बेहतरीन फिल्ममेकर्स और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है।

इसके साथ ही, वह यह भी मानती है कि कामयाबी और नाकामयाबी, दोनों ही इस सफर का एक जरूरी हिस्सा हैं। बेशक आप चाहते हैं कि आपकी हर फिल्म अच्छा करे, लेकिन कुछ फिल्में चलती हैं और कुछ नहीं। यह इस प्रक्रिया का ही एक हिस्सा है। जब तक मैं एक एक्ट्रैस के तौर पर आगे बढ़ रही हूं और दिलचस्प प्रोजैक्ट्स पर काम कर रही हूं, तब तक यही सबसे ज्यादा मायने रखता है।

**कई हीरोइनें नहीं बोल पाती हैं डायलॉग**

मालविका इन दिनों अपने एक कमैंट को लेकर भी चर्चा में है। विवाद तब शुरू हुआ जब उसने एक हालिया इंटरव्यू में बिना नाम लिए तमिल और तेलुगु अभिनेत्रियों की डायलॉग डिलीवरी पर विवादास्पद बयान दे दिया। 32 वर्षीय मालविका ने दावा किया कि कई अभिनेत्रियां अपने डायलॉग की लाइन्स भी ठीक से नहीं बोल पाती हैं। वे सिर्फ रटे-रटाए एक्सप्रेशंस देती हैं। शूटिंग के वक्त डायलॉग की जगह 1,2,3,4 या ए, बी, सी, डी बुदबुदाती रहती हैं। इसके लिए कई यूजर्स ने उसके इस नजरिए की आलोचना की ।

## शूटिंग से हटा दिये जाने पर आयशा खान का छलका दर्द

फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में नजर आई आयशा खान ने हाल ही में बताया कि जब वह 12वीं कक्षा में थी, तब उसे टी-सीरीज के एक गाने में सैकेंड लीड की भूमिका निभाने का मौका मिला मगर शूटिंग से सिर्फ एक रात पहले उसे ' ओवर वेट' बता कर हटा दिया गया। आयशा ने कहा कि उसे इससे उभरकर अपने लुक को लेकर आत्मविश्वास महसूस करने में काफी वक्त लगा।

आयशा ने कहा, 'सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर को लेकर अभद्र कमैंट्स का सामना करना पड़ता है। एक साधारण सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के हूं रिएक्शन का डर रहता है । स्कर्ट भी पहनती हूं तो लोगों को बुरा लगता है। इस वजह से अब कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है कि लोग इसे किस तरह से देखेंगे। इन सब की वजह से मुझे काफी डर भी लगता है कि पता नहीं वे मेरे साथ क्या करना चाहते हैं। मनचाहा पोस्ट करने पर मेरा कमैंट सैक्शन पढ़ने का मन भी नहीं करता क्योंकि उसमें वे लिखते हैं कि उन्हें मौका मिले तो वे मेरे साथ क्या करना चाहते हैं ।

आयशा ने अपने उत्पीड़न के बारे में बात करते हुए कहा, अगर इन धमकियां देने वालों में इतनी ताकत होती तो वह रेपिस्ट ही बन जाते । ये सिर्फ मामूली टिप्पणियां नहीं हैं। मुझे हर रोज ऐसी धमकियां मिलती हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि इन सब पर कड़ी कार्रवाई की जा सके मगर यह भी सोचती हूं कि अगर मैं सैलिब्रिटी न होती तो शायद धमकियां सच्चाई बन जातीं।

**छोटे पर्दे से की थी शुरूआत**

आयशा ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित धारावाहिक 'कसौटी जिंदगी की' से की थी । इसके बाद उसने 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आई थी। उसने गत दिनों कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' में अहम रोल किया लेकिन इसके ठीक बाद उसे फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से खूब लोकप्रियता मिली।

## 'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना, दिखेगा एक्शन-रोमांस का तड़का

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

### 'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

### 'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

### 'पुष्पा 3: द रैम्पेज'

'पुष्पा 3: द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

### 'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

AA22xA6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

### 'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

# यति नरसिंहानंद बोले- गांधी समाज के लिए जहर

## गोडसे ने हत्या नहीं वध किया; बीजेपी ने सावरकर के विचारों से दूरी बनाकर गद्दारी की

ग्वालियर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जूना अखाड़ा डासना के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी रविवार को ग्वालियर पहुंचे। यहां वे हिन्दू महासभा कार्यालय पहुंचे और पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान देते हुए उन्हें समाज के लिए नुकसानदायक बताया और नाथूराम गोडसे द्वारा की गई हत्या को वध करार दिया।

**नाथूराम गोडसे को बताया 'बलिदानी'**

पत्रकारों से बातचीत के दौरान यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे अपने सहयोगी जयवीर भारद्वाज के निमंत्रण पर गोडसे से जुड़े स्थल पर पहुंचे और वीर सावरकर की प्रतिमा को नमन किया। उन्होंने हिन्दू महासभा भवन आने को भी अपने लिए गौरवपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि अगर हम सावरकर जी के सिद्धांतों पर नहीं चलेंगे तो सनातन धर्म बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा। अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे जी वह व्यक्ति थे जिन्होंने सावरकर के बताए हुए रास्ते पर चलकर जैसे हजारों बलिदानियों ने, हजारों क्रांतिकारीयों ने सावरकर जी की बातों को माना, उसी तरह वीर, वीर विनायक सावरकर जी की बात को अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे जी ने भी माना और गांधी का वध किया।

**महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी बोले- गांधी समाज के लिए जहर**

महामंडलेश्वर ने कहा कि यह स्वतंत्र भारत का पहला अमूल्य बलिदान था, जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए दिया गया। उनके अनुसार, नाथूराम गोडसे एक विचार पुंज हैं और यदि सनातन धर्म व हिंदू समाज उनका सही मूल्यांकन नहीं करेगा, उन्हें नहीं समझेगा, तो हिंदू समाज बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि गांधी समाज के लिए जहर हैं। उनके मुताबिक,

गांधी और उनके जैसे नेता अपने लोगों को दूसरों के लिए धोखा देते हैं, जबकि नाथूराम गोडसे उस नस्तर की तरह हैं, जिससे उस कैंसर और जहर का इलाज किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्मियों की ओर से अब तक नाथूराम गोडसे के साथ जो हुआ, उसके लिए वे उनसे क्षमा प्रार्थी हैं।

**बीजेपी को कांग्रेस से भी ज्यादा जिम्मेदार बताया**

पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वे भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, क्योंकि यहां हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं को नाथूराम गोडसे का मंदिर बनाने से रोका गया। उन्होंने कहा कि जहां कुछ लोग अपने जीवित नेताओं के मंदिर बना रहे हैं, वहीं सनातन धर्म के आजाद भारत में पहले और बड़े बलिदानी माने जाने वाले व्यक्ति का मंदिर बनाने से रोकना निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में भाजपा सरकार दोषी है और उनके अनुसार भाजपा, कांग्रेस से भी ज्यादा जिम्मेदार है। उनका तर्क था कि कांग्रेस गांधीवादी विचारधारा से जुड़ी पार्टी है, लेकिन जनसंघ, भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस खुद को सावरकर के विचारों से जुड़ा बताते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार को सावरकर का अनुयायी माना जाता है और संगठन की स्थापना भी उन्हीं विचारों से प्रभावित बताई जाती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज भाजपा ने सावरकर और गोडसे के विचारों से दूरी बनाकर उनके साथ 'गद्दारी' की है, जिसे उन्होंने अक्षम्य बताया।

**हर घर में गोडसे की प्रतिमा होनी चाहिए**

पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर आगे कहा कि, मैं इसकी निंदा करता हूं। क्या लगता है इसका मंदिर बनेगा? बनना चाहिए। हर सनातनी, हर जीवित हिंदू के घर में नाथूराम गोडसे जी की प्रतिमा होनी चाहिए। उनकी फोटो होनी चाहिए, उनकी तस्वीर होनी चाहिए। लेकिन सब कई बार तो विरोध हुआ है। देखिए, विरोध तो गद्दार करते ही हैं। गांधीवाद देश को बर्बाद करने का नाम है। गांधीवाद धर्म को बर्बाद करने का नाम है। गांधीवाद हिंदू समाज से विश्वासघात का नाम है। लेकिन गांधीवाद से नेताओं को खुलकर अय्याशी करने का मौका और अपनी अय्याशी को छुपाने का मौका मिलता है।

वीर सावरकर जी और नाथूराम गोडसे जी सनातन धर्म की सबसे प्रज्वलित अग्नि है। अगर आप उनके विचारों को अपनाएंगे तो आपको आत्मबलिदान देना पड़ेगा। जो लोग आत्मबलिदान देना नहीं चाहते, जो सुविधाओं को भोगना चाहते हैं वो वीर विनायक दामोदर सावरकर जी के और नाथूराम गोडसे जी के कट्टर विरोधी हैं, तो वो तो विरोध करेंगे। उनका विरोध इंपोर्टेंट नहीं है। जरूरी यह है कि उनके विचारों के मानने वालों ने क्या किया और जो भी गोडसे जी का विरोध करते हैं वो सभी निंदनीय हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

# प्रतिमा से जाट शब्द हटाने पर हंगामा

## सांसद बोले- पुलिस ने हटवाया, बालियान बात करेंगे, नहीं तो योगी को हटवा देंगे

मेरठ, 29 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ में सूरजमल की प्रतिमा अनावरण समारोह में हंगामा हो गया। महाराज सूरजमल की प्रतिमा की फाउंडेशन वॉल से जाट शब्द हटाने पर लोग भड़क गए। बिरादरी के लोग धरने पर बैठकर हंगामा करने लगे।

मामले पर नागौर सांसद हनुमान बेनिवाल ने सीएम योगी पर निशाना साधा। उन्होंने मंच से कहा- पुलिस ने जाट शब्द हटा दिया। वो तो बालियान जी अपने आप बात करेंगे, नहीं तो आपके योगी जी को ही हटवा देंगे।

लोगों का कहना है कि पुलिस-प्रशासन जान बूझकर हमारे समाज को नकार रहा है। हमारे महाराजा श्री का अपमान किया जा रहा है। इसलिए इरादतन प्रतिमा के नीचे जो जाट शब्द लिखा था, उसको रातों-रात हटवाया गया। हम इस तरह अपना अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हालांकि ये हंगामा कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुआ। भगवंत सिंह मान समेत तमाम नेता वापस जा चुके थे। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह और राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनिवाल सकौती के हितकारी इंटर कॉलेज पहुंचे।

उन्हें महाराजा सूरजमल की प्रतिमा अनावरण करना था। जैसे ही भगवंत मान प्रतिमा का अनावरण करने जाने लगे, तभी भीड़ टूट पड़ी। इससे भगवंत मान आगे नहीं बढ़ पाए। वह बिना अनावरण के ही वापस लौटे। भगवंत मान के जाने के बाद मुजफ़्फ़रनगर से पूर्व केंद्रीय मंत्री, भाजपा नेता संजीव बालियान ने महाराज सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण किया।

संसद में यूपी समेत 5 राज्यों से हजारों लोग पहुंचे। एनएच-58 पर ट्रैक्टरों पर लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए चलते रहे। पीछे गाड़ियों की लंबी कतार लगी रही। 2000 से अधिक ट्रैक्टरों से लोग पहुंचे। पंडाल में लगाई गईं 10 हजार कुर्सियां फुल हो गईं। काफी संख्या में लोग बाहर खड़े रहे।

# विजयपत सिंघानिया पंचतत्व में विलीन

## बेटे गौतम सिंघानिया ने मुखाग्नि दी; पद्म भूषण से सम्मानित, वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया था

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। टेक्सटाइल ब्रांड 'रेमंड' को घर-घर तक पहुंचाने वाले पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का रविवार 29 मार्च को मुंबई में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दोपहर 3 बजे चंदनवाड़ी श्मशान घाट पर उनके बेटे और रेमंड के मौजूदा चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में अंतिम रस्में पूरी कीं। 87 वर्षीय सिंघानिया का शनिवार शाम को निधन हुआ था। वे अपने पीछे पत्नी आशादेवी और तीन बच्चों- मधुपति सिंघानिया, शेफाली रुइया और गौतम सिंघानिया को छोड़ गए हैं।

गौतम सिंघानिया ने अपने मैसेज में लिखा है कि उनके पिता एक दूरदर्शी नेता और समाजसेवी इंसान थे, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

**सीमेंट और स्टील सेक्टर में फैलाया कारोबार**

विजयपत सिंघानिया 1980 में रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और MD बने थे। सिंघानिया के नेतृत्व में रेमंड ग्रुप सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने ग्रुप का विस्तार

सिंथेटिक फैब्रिक्स, डेनिम, स्टील, इंडस्ट्रियल फाइल्स और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में किया। उनके विजन ने रेमंड को एक कपड़ा कंपनी से बदलकर एक बड़े औद्योगिक ग्रुप के रूप में खड़ा कर दिया। बिजनेस के अलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान रहा। वे 2007 से 2012 तक आईआईएम अहमदाबाद की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन भी रहे।

**हॉट एयर बैलून में बनाया था वर्ल्ड रिकॉर्ड**

विजयपत सिंघानिया को जोखिम लेने वाले कॉर्पोरेट लीडर के तौर पर जाना जाता था। उन्हें एडवेंचर और एविएशन का शौक था। नवंबर 2005 में, 67 साल की उम्र में उन्होंने हॉट एयर बैलून के जरिए लगभग 69,000 फीट की ऊंचाई तक उड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले 1988 में उन्होंने एक माइक्रोलाइट विमान में लंदन से नई दिल्ली तक 23 दिन में अकेले उड़ान भरकर 'स्पीड-ओवर-टाइम एंड्योरेंस रिकॉर्ड' बनाया था। 1994 में भारतीय वायुसेना ने उन्हें 5000 घंटे से ज्यादा की फ्लाइट एक्सपीरियंस के कारण 'मानद एयर कमोडोर' बनाया, जबकि 2006 में उन्हें मुंबई का 'शेरिफ' नियुक्त किया गया था।

डॉ. विजयपत सिंघानिया ने 26 नवंबर 2005 को मुंबई में 'कैमरून Z-1600' हॉट-एयर बैलून के जरिए 68,986 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

डॉ. विजयपत सिंघानिया ने 26 नवंबर 2005 को मुंबई में 'कैमरून Z-1600' हॉट-एयर बैलून के जरिए 68,986 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

**टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई पहचान दिलाने के लिए मिला था 'पद्म भूषण'**

विजयपत सिंघानिया को साल 2006 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से नवाजा गया था। यह सम्मान उन्हें व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया। उन्होंने न केवल 'रेमंड' को एक ग्लोबल ब्रांड बनाया, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में आधुनिक तकनीक और वर्ल्ड-क्लास क्वालिटी के मानक स्थापित किए।

**बेटे गौतम से संपत्ति का विवाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा**

विजयपत सिंघानिया ने साल 2000 में रेमंड ग्रुप की कमान अपने बेटे गौतम सिंघानिया को सौंप दी थी। हालांकि, पिछले कुछ सालों में पिता और बेटे के बीच संपत्ति और अधिकारों को लेकर कानूनी विवाद काफी सुर्खियों में रहा था। 2017 में विजयपत ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने उन्हें जेके हाउस से निकाल दिया था।

# नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे का कार्यक्रम टला

## अचानक असम क्यों रवाना हुए भाजपा अध्यक्ष

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में रविवार को उस समय अचानक नाटकीय बदलाव आया जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम टल गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नितिन नवीन को एक आपातकालीन स्थिति के कारण अचानक असम के डिब्रूगढ़ के लिए रवाना होना पड़ा। इससे पहले यह संभावना जताई जा रही थी कि वो आज सुबह 9 से 10 बजे के बीच बिहार विधानसभा की सदस्यता से अपना त्यागपत्र सौंप देंगे।

**स्पीकर प्रेम कुमार दिल्ली से पहुंचे**

इस घटनाक्रम के बीच, बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को भी दिल्ली बुलाया गया है। प्रेम कुमार दिल्ली से पटना लौटे थे। लेकिन बताया गया है कि अब वे पुनः राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रस्थान करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रदेश

अध्यक्ष की ओर से इस्तीफे की सूचना दी गई थी, जिसके कारण वे पटना आए थे, लेकिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के असम चले जाने के कारण अब नई तिथि निर्धारित की जाएगी।

**बांकीपुर सीट पर उपचुनाव की सुगबुगाहट तेज**

नितिन नवीन वर्तमान में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और लगातार पांच बार वहां से विधायक रहे हैं। हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद, संवैधानिक नियमों के तहत उन्हें विधानसभा की सदस्यता छोड़नी होगी। उनके इस्तीफे के बाद बांकीपुर सीट पर उपचुनाव की सुगबुगाहट भी तेज हो गई है।

**नीतीश भी कल देंगे त्यागपत्र**

संवैधानिक प्रक्रिया के इसी क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। इस्तीफे की अंतिम तिथि 30 मार्च तय की गई है।

10 अप्रैल को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण

10 अप्रैल को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो सकता है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, शिवेश कुमार और रामनाथ ठाकुर शामिल होंगे। ये सभी नेता 9 अप्रैल को दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां अन्य राज्यों से निर्वाचित सदस्यों के साथ वे उच्च सदन की सदस्यता की शपथ लेंगे। नवनिर्वाचित सदस्य शिवेश राम ने पुष्टि की है कि उन्हें समारोह के लिए आधिकारिक सूचना प्राप्त हो चुकी है।

# बीजेपी अगर बंगाल में सत्ता में आती है तो लोग मछली, मांस, अंडे नहीं खा पाएंगे

## ममता बनर्जी का पुरुलिया रैली में दावा

कोलकाता, 29 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने रविवार को पुरुलिया में एक चुनावी रैली में बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है, तो वह बंगाली खान-पान की आदतों पर रोक लगा देगी। इसमें मछली और मांस भी शामिल हैं। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी कहती है कि मछली, मांस, अंडे नहीं खा सकते। वे किसी भी धर्म में विश्वास नहीं रखते। वे दंगे भड़काते हैं। बीजेपी शासित राज्यों में आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं पर हमले होते हैं। दरअसल ममता बनर्जी की ये टिप्पणियां टीएमसी के चुनावी अभियान की रणनीति के अनुरूप हैं, जिसमें बीजेपी को बंगाल की सांस्कृतिक परंपराओं से कटा हुआ दिखाया जाता है।

**ममता ने अमित शाह पर बोला हमला**

भगवा पार्टी पर अपना हमला तेज करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी के एक बड़े नेता

ने टीएमसी के खिलाफ अपनी 'चार्जशीट' जारी की है। असल में तो उनके खिलाफ 'चार्जशीट' दायर होनी चाहिए। गुजरात में कितने दंगे हुए थे? उन्होंने अमित शाह का जिक्र करते हुए यह बात कही। दरअसल अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में टीएमसी सरकार के खिलाफ बीजेपी की 15 साल की चार्जशीट जारी की थी।

**'लक्ष्मी भंडार' योजना की तारीफ**

टीएमसी की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की तारीफ करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं को इस योजना से फायदा हुआ है। बीजेपी चुनाव से पहले तो कुछ पैसे देगी, लेकिन चुनाव के बाद इसे बंद कर देगी। बनर्जी ने चुनाव आयोग (EC) के 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया के तहत 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए और यह सब उनके समर्थकों को निशाना बनाने के लिए किया गया।

**बंगाल में बीजेपी-टीएमसी का मुकाबला कड़ा**

ममता बनर्जी ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने लगभग उन सभी लोगों को हटा दिया है जिन्होंने मेरे साथ काम किया था। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को अपमानित किया गया। उन्होंने अधिकारियों के हालिया तबादलों का जिक्र करते हुए यह बात कही। दरअसल पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में होंगे। 23 अप्रैल (152 सीटों के लिए) और 29 अप्रैल (142 सीटों के लिए)। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। उम्मीद है कि बीजेपी और बीजेपी के बीच यह मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला होगा।

# महंगी उड़ान पर क्या लगेगी लगाम?

## एयरलाइंस को राहत देने के लिए सरकार बना रही खास प्लान

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एयरलाइनों की बढ़ती परिचालन लागत को कम करने के लिए नागर विमानन मंत्रालय कई विकल्प तलाश रहा है। डीजीसीए राज्यों के साथ मिलकर एटीएफ यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट घटाने की तैयारी कर रहा है। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मुख्यमंत्रियों से चर्चा शुरू कर दी है।

**प्रतिबंधों के कारण बढ़ गई परिचालन की लागत**

उसके बाद हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के चलते एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ रही है।

एक उच्चस्तरीय सूत्र ने कहा कि मंत्रालय बड़े प्रयासों के हिस्से के रूप में एयरलाइंस पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव को कम

करने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है।

**राज्यों के मुख्यमंत्रियों सर कर रहे बात**

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और मंत्रालय ने जेट ईंधन पर कर कम करने की संभावना को लेकर मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकारों के साथ चर्चाएं शुरू की हैं। एयरलाइन की कुल परिचालन लागत में एटीएफ का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत होता है।

**क्यों खर्च हो रहा ज्यादा ईंधन**

पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते, एयरलाइन कंपनियों ने अपनी अनुसूचित सेवाओं को भी कम कर दिया है, विशेष रूप से उस क्षेत्र के लिए, और हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध उन्हें यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी के गंतव्यों के लिए लंबा मार्ग लेने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिससे ईंधन अधिक खर्च हो रहा है।

**पेट्रोल डीजल पर भी घटाया उत्पाद शुल्क**

तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, सरकार ने इस सप्ताह पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटा दिया है।

डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया गया है। यह कदम उनकी घरेलू उपलब्धता को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है।

**पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर संपर्क में है डीजीसीए**

एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) अन्य देशों के समकक्षों के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर संपर्क में है।

डीजीसीए के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने 26 मार्च को कहा था कि एयरलाइन कंपनियों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उनके संचालन की लागत बढ़ रही है। उन्होंने आगे स्थिति में सुधार की उम्मीद जताई थी।

# हिमाचल के लाहौल-स्पीति, जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

## मध्यप्रदेश-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट; चंडीगढ़ में हल्की बारिश हुई

भोपाल/ लखनऊ/ शिमला/ देहरादून, 29 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में रविवार दोपहर को बर्फबारी हुई। यहां के ऊंचाई वाले इलाकों में इसका असर रहा। राज्य के पहाड़ी वाले जिलों में बर्फबारी का असर रहेगा। हिमाचल के अलावा जम्मू-कश्मीर में भी बर्फबारी की संभावना है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में आज बारिश के साथ-साथ ओले गिरने की संभावना है। राजस्थान में 31 मार्च तक बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। आज चंडीगढ़ में भी बारिश हुई है।

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर, रायबरेली और अमेठी में ओले गिरे। प्रयागराज और वाराणसी में बारिश हुई। प्रतापगढ़ में आंधी से एक पोल उखड़कर खड़ी कार पर जा गिरा।

मध्य प्रदेश में 29 मार्च से आंधी-बारिश का एक मजबूत सिस्टम एक्टिव होने जा रहा है। इसका असर करीब 3 दिन तक रहेगा। भोपाल, उज्जैन समेत 40 जिलों में अलर्ट है।

बिहार के पटना समेत 5 जिलों में आंधी-बारिश हुई। उधर, जम्मू-कश्मीर में बांदीपोरा के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई। बांदीपोरा-गुरेज सड़क को फिलहाल बंद कर दिया गया है।

# बिहार के पूर्व राज्यपाल फागू चौहान की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वांचल की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी और बिहार-मेघालय राज्य के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे फागू चौहान की तबीयत अचानक से खराब हो गई। जिसके बाद अचानक से उन्हें लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

परिजनों की मानें तो पिछले दो दिनों से उन्हें पेशाब में जलन

महसूस हो रही थी। जिसके कारण उन्होंने डाक्टरों से राय ली तो उन्होंने उनके स्वास्थ्य में बेहतर सुधार के लिए एडमिट करने की बात कही। रिपोर्ट की बात करें तो यूटीआई इंफेक्शन की बात सामने आई है। बाकी आगे की जांच चिकित्सकों के देख-रेख में की जा रही है।

फागू चौहान की तबीयत खराब होने के बाद पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह उनसे मिलने के लिए लखनऊ के मैक्स अस्पताल पहुंचे।

मउत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के शेखपुरा ग्रामसभा के मूल निवासी फागू चौहान और उनके परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि पड़ोसी जिला मऊ की घोसी और मधुबन विधानसभा सीट रही है। पिछड़े समाज के बड़े चेहरे फागू चौहान का जन्म एक जनवरी 1948 को हुआ।

जनता दल, बसपा और भाजपा से जुड़े फागू चौहान का राजनीतिक करियर दलित मजदूर किसान पार्टी से पहली बार सन् 1985 में नौवीं विधानसभा के सदस्य के रूप में शुरू हुआ था।

# चंदौली पुलिस ने पकड़ी 70 लाख की अवैध शराब

## प्याज लदे ट्रक से एक तस्कर गिरफ्तार, गिरोह के लोगों की तलाश जारी

चंदौली, 29 मार्च (एजेंसियां)। चंदौली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्याज से लदे ट्रक से 70 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान एक अंतरराज्यीय तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जेठमलपुर तिराहे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक को रोका। जिसमें चालक ने प्याज लदा होने की बात कही।

जब पुलिस टीम ने ट्रक की गहन तलाशी ली, तो प्याज की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई 407 पेटियों में 3654 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शराब की खेप मध्य प्रदेश के शिवपुरी से लोड की गई थी, जिसे बिहार के दरभंगा जनपद ले जाया जा रहा था। पुलिस से बचने के लिए शराब की पेटियों के ऊपर प्याज की बोरियां लाद दी गई थीं।

# चीन के समर्थन वाले प्रस्ताव के खिलाफ डब्ल्यूटीओ में भारत ने अकेले खडे रहने का साहस दिखाया

नई दिल्ली,29 मार्च(एजेंसियां)। विश्व व्यापार संगठन में चीन के समर्थन वाले एक प्रस्ताव के खिलाफ भारत अब अकेला देश रह गया है। पहले तुर्की भी इसका विरोध कर रहा था लेकिन अब उसने इससे पल्ला झाड़ दिया है। भारत का कहना है कि वह चीन के समर्थन वाले विवादास्पद इनवेस्टमेंट फेसिलिटेशन फॉर डेवलपमेंट एग्रीमेंट को डब्ल्यूटीओ में डालने का पुरजोर विरोध करता है।

इससे डब्ल्यूटीओ का कामकाज प्रभावित हो सकता है और इसके बुनियादी सिद्धांत कमजोर होंगे। भारत ने कैमरून के याउंडे में चल रहे 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपनी यह बात रखी है। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत ने इनवेस्टमेंट फेसिलिटेशन फॉर डेवलपमेंट एग्रीमेंट के विवादस्पद मुद्दे के विरोध में अकेले खड़े रहने का साहस दिखाया और हम इसे डब्ल्यूटीओ फ्रेमवर्क में शामिल करने पर सहमत नहीं थे।'

**बैकडोर तरीका**

चीन की अगुवाई वाला एक ग्रुप आईएफडी प्रस्ताव के लिए जोर दे रहा है। यह प्रस्ताव केवल उन्हीं देशों पर लागू होगा जिन्होंने इस पर साइन किए हैं। चीन और चीनी निवेश पर निर्भर देशों ने सबसे पहले 2017 में इसका प्रस्ताव रखा था। सॉवरेन वेल्थ फंड्स वाले देश भी इस पैक्ट में शामिल हैं। यह एक प्लूरीलेटरल एग्रीमेंट है और 160 में से 130 देशों ने इस पर सहमति जताई है। उनकी दलील है कि यह उन संधियों को वैध बनाने का एक बैकडोर तरीका है जिन पर सभी सदस्य सहमत नहीं होते हैं। इस बीच भारत ने डब्ल्यूटीओ के सदस्यों को चेतावनी दी है कि वे शुल्क लगाने को उचित ठहराने या वैध घरेलू नीतियों को चुनौती देने के लिए डब्ल्यूटीओ के पारदर्शिता प्रावधान का दुरुपयोग न करें। भारत ने कहा कि पारदर्शिता को निरंतर क्षमता निर्माण सहायता के जरिए समर्थन दिया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी देश निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से अपने दायित्वों का पालन करें।

**भारत का विरोध**

डब्ल्यूटीओ के व्यापार में तकनीकी बाधाओं से संबंधित समझौते में पारदर्शिता एक महत्वपूर्ण भाग है। इसके तहत, सदस्य देशों को अपनी व्यापार नीतियों, सब्सिडी और नियामक उपायों के बारे में नियमित और स्पष्ट रूप से जानकारी साझा करनी होती है। अमेरिका डब्ल्यूटीओ सुधार प्रस्ताव के तहत अनिवार्य खुलासों पर सख्त नियमों के लिए दबाव डाल रहा है। उसका आरोप है कि कई देश डब्ल्यूटीओ को सब्सिडी, शुल्क या नीतिगत बदलावों की सूचना समय पर नहीं देते हैं। डब्ल्यूटीओ के विकासशील सदस्य देश सैद्धांतिक रूप से पारदर्शिता के महत्व से सहमत हैं, लेकिन अमेरिका द्वारा इसे लागू करने के तरीके पर उन्हें गंभीर आपत्ति है। उभरती अर्थव्यवस्थाएं सूचना न देने पर लगने वाले जुर्माने का विरोध कर रही हैं। उनका तर्क है कि कई देशों में क्षमता की कमी है।

# 5 हिस्सों में बंट जाएगी अनिल अग्रवाल की वेदांता

## किसके पास होगी सबसे ज्यादा हिस्सेदारी?

नई दिल्ली,29 मार्च(एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता अगले महीने की शुरुआत में 5 लिस्टेड कंपनियों में बंट जाएगी। कंपनी पिछले एक साल से रिस्ट्रक्चरिंग प्रोग्राम में लगी है। इसका उद्देश्य कर्ज कम करना और वैल्यू बढ़ाना है। इस पुनर्गठन के तहत वेदांता लिमिटेड के साथ ही चार कंपनियां वेदांता एल्युमिनियम, तलवंडी साबो पावर, वेदांता स्टील एंड आयरन और माल्को एनर्जी बनाई जाएंगी जो स्वतंत्र रूप से शेयर बाजार में लिस्ट होंगी।

वेदांता लिमिटेड में बेस मेटल बिजनेस होगा। कंपनी के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। वेदांता की डीमर्जर योजना को एनसीएलटी ने 16 दिसंबर 2025 को मंजूरी दे दी थी। अग्रवाल ने कहा कि डिमर्जर के बाद बनने वाली पांच कंपनियों का मार्केट कैप मौजूदा 27 अरब डॉलर से कहीं ज्यादा होगा। अग्रवाल के कंट्रोल वाली एक प्राइवेट पेरेंट कंपनी के पास हर नई कंपनी के करीब आधे शेयर होंगे।

**डिमर्जर का प्लान**

पांच कंपनियों में बंट जाएगी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता मूल कंपनी वेदांता लिमिटेड में ग्रुप का बेस मेटल बिजनेस होगा एल्युमिनियम, पावर, स्टील एंड आयरन और एनर्जी के लिए अलग-अलग कंपनियां होंगी पांच कंपनियों का मार्केट कैप मौजूदा 27 अरब डॉलर से कहीं ज्यादा होगा अग्रवाल के कंट्रोल वाली प्राइवेट पेरेंट कंपनी के पास हर नई कंपनी के करीब आधे शेयर होंगे

**वेदांता का सफर**

वेदांता ने सबसे पहले 2023 में डिमर्जर का प्लान बताया था लेकिन सरकार ने इसका विरोध किया था। उसे आशंका थी कि कंपनी के डिमर्जर से उसे अपना बकाया वसूलने में दिक्कत हो सकती है। कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अजय गोयल ने जनवरी में रॉयटर्स को बताया था कि वेदांता कि अपनी चार कंपनियों को मई तक भारतीय बाजारों में लिस्ट कराने की योजना है।मेटल किंग के नाम से मशहूर अनिल अग्रवाल का जन्म पटना में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था। अनिल अग्रवाल ने 20 साल की उम्र में ही बिहार छोड़ दिया और मुंबई आ गए। साल 1970 में उन्होंने कबाड़ के धंधे से अपने कारोबारी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अग्रवाल लगातार सफलता की नई कहानी लिखते चले गए। वेदांता रिसोर्सेज एक नेचुरल रिसोर्सेज कंपनी है जिसकी दुनियाभर में मौजूदगी है।

**कंपनी पर कर्ज**

एसएंडपी कैपिटल आईक्यू के मुताबिक वेदांता का कुल कर्ज करीब 11 अरब डॉलर है। दुनियाभर में कमोडिटी की कीमतों में तेजी से जनवरी में कंपनी के शेयर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गए थे। माना जा रहा है कि डिमर्जर से निवेशकों को इंडिविजुअल वर्टिकल्स पर फोकस करने का मौका मिलेगा और सेगमेंट में ज्यादा वैल्यू अनलॉक हो सकती है।

# ईरान युद्ध का असर ! रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गंवाए 89,720.3 करोड़

## लार्सन एंड टुब्रो को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली,29 मार्च(एजेंसियां)। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 949.74 अंक या 1.27 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 294.9 अंक या 1.27 प्रतिशत के नुकसान में रहा। कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से 1.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 89,720.3 करोड़ रुपये घटकर 18,24,515.62 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को सबसे ज्यादा गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 37,248.59 करोड़ रुपये घटकर 11,64,018.69 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 35,399.42 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,41,569.15 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 8,121.76 करोड़ रुपये घटकर 8,83,551.30 करोड़ रुपये रह गया और भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,480.42 करोड़ रुपये घटकर 10,50,413.33 करोड़ रुपये पर आ गई। हिंदुस्तान युनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,091.13 करोड़ रुपये घटकर 4,87,540.19 करोड़ रुपये रहा, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 271.35 करोड़ रुपये घटकर 8,64,668.65 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 18,051.68 करोड़ रुपये बढ़कर 4,90,536.19 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 8,680.36 करोड़ रुपये बढ़कर 5,25,395.48 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,245.3 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,15,034.67 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

# देश की इकॉनमी पर पड़ने लगा है ईरान युद्ध का साया

## हो सकता है व्यापक असर, सीईए ने जताई आशंका

नई दिल्ली,29 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच भारत के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं है। इस युद्ध से अब देश की इकॉनमी पर शुरुआती दबाव दिखने लगा है। देश के चीफ इकनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन का कहना है कि ईरान युद्ध का देश के मैक्रोइकनॉमिक इंडिकेटर्स पर व्यापक असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ, महंगाई, राजकोषीय संतुलन और बाहरी संतुलन पर इसका काफी असर देखने को मिल सकता है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि देश में निकट भविष्य का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है।

बाहरी झटके विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट, कच्चे माल की उच्च लागत और संभावित आपूर्ति बाधाएं वृद्धि के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और ठोस घरेलू मांग प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी मार्च माह की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार वैश्विक घटनाओं ने भारत के लिए जटिल और बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं। इसका कारण देश एक प्रमुख ऊर्जा आयातक होने के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ मजबूत व्यापार, निवेश और धन प्रेषण का जुड़ाव है। इसमें कहा गया , 'हालांकि भारत के अपेक्षाकृत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और निरंतर नीतिगत प्रयास मजबूती प्रदान करते हैं, लेकिन बदलती स्थिति के लिए गहन निगरानी और सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है।' रिपोर्ट के अनुसार ऊर्जा विविधीकरण, कृषि क्षेत्र में तैयारी, महंगाई की स्थिति, बाह्य क्षेत्र की मजबूती और नीतिगत उपायों के जरिये सरकार के हस्तक्षेप आर्थिक प्रणाली की क्षमता को मजबूत करता है ताकि वैश्विक घटनाओं से उत्पन्न होने वाले अल्पकालिक व्यवधानों को सहन किया जा सके। इसके साथ ही, बदलती परिस्थितियों को देखते हुए सतत निगरानी और समायोजित प्रतिक्रिया बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया कि इन उपायों और मौजूदा आर्थिक सुरक्षा पहल के साथ कुछ सहारा मिलने के बावजूद, जोखिमों का संतुलन नकारात्मक दिशा में बना हुआ है। ऐसे हालात में, लगातार सतर्कता बनाए रखना और सक्रिय नीतिगत कदम उठाना आवश्यक होगा ताकि बदलती वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम किया जा सके। हाल में तेल की कीमतों में उछाल मध्यम अवधि में महंगाई के लिए जरिपोर्ट में कहा गया कि अगर तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रही, तो इससे विभिन्न क्षेत्रों में लागत बढ़ने के और प्रभाव पड़ सकते हैं।

इसके बावजूद, सरकार सतर्क है और घरेलू ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा संभावित महंगाई दबाव को कम करने के लिए उपाय कर रही है।जोखिम पैदा करता है, क्योंकि ऊंची ऊर्जा लागत विशेष रूप से ईंधन-निर्भर क्षेत्रों में धीरे-धीरे घरेलू कीमतों में तेजी के रूप में बदलती है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगर तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रही, तो इससे विभिन्न क्षेत्रों में लागत बढ़ने के और प्रभाव पड़ सकते हैं।

# देश में 11 करोड़ से अधिक लोग करते हैं क्रेडिट कार्ड का यूज

## 1 अप्रैल से होने जा रहे हैं कई बदलाव

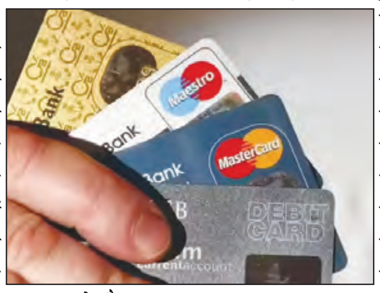


नई दिल्ली,29 मार्च(एजेंसियां)। नया फाइनेंशियल ईयर 1 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में भी बदलाव होने जा रहा है। देश में 11 करोड़ से अधिक एक्टिव क्रेडिट कार्ड यूजर हैं और हर महीने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का ट्रांजैक्शन होता है।

इनकम टैक्स एक्ट, 2025 और ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 के तहत इनकम टैक्स विभाग आपके क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर करीबी नजर रख सकता है। जानिए 1 अप्रैल से क्या-क्या बदल सकता है। एक अप्रैल से आपका क्रेडिट कार्ड केवल पेमेंट टूल नहीं रह जाएगा। यह आपके टैक्स प्रोफाइल से जुड़ा एक मजबूत फाइनेंशियल दस्तावेज बन जाएगा। अगर आपकी इनकम, खर्च और टैक्स फाइलिंग में कोई अंतर नहीं है तो आपको नए नियमों से बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर आपका खर्च ज्यादा है और रिपोर्टेड इनकम कम है तो आप टैक्स विभाग की नजर में आ सकते हैं।

**हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन**

क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए सबसे बड़ा बदलाव हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन की रिपोर्टिंग को लेकर है। ड्राफ्ट नियमों के मुताबिक अगर किसी यूजर ने एक फाइनेंशियल ईयर में क्रेडिट कार्ड से 10 लाख या उससे ज्यादा का भुगतान किया है तो आपका बैंक इसकी जानकारी इनकम टैक्स विभाग को दे सकता है। साथ ही तय लिमिट से ज्यादा विदेशी खर्च पर भी विभाग की नजर रहेगी। 1 लाख या उससे ज्यादा कैश लेनदेन पर भी और ज्यादा नजर रहेगी। साफ है कि अगर आपका खर्च आईटीआर ने दिखाई गई इनकम से ज्यादा रहता है तो आपको नोटिस आ सकता है। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार दूसरा बड़ा बदलाव यह है कि पैन को क्रेडिट कार्ड से लिंक करना अनिवार्य बना दिया गया है। 1 अप्रैल के बाद बैंक बिना क्रेडिट कार्ड जारी नहीं करेंगे। साथ ही आपको अपने मौजूदा क्रेडिट कार्ड को भी पैन से लिंक कराना होगा। इस तरह क्रेडिट कार्ड आपकी टैक्स आइडेंटिटी का एक अहम हिस्सा बन जाएगा। इतना ही नहीं अगर आपका क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट तीन महीने से ज्यादा पुराना नहीं है, तो उसे पैन बनवाते समय एड्रेस प्रूफ के रूप में दिया जा सकता है।क्रेडिट कार्ड के साथ आपको एक और विकल्प मिल सकता है। अब आप क्रेडिट कार्ड के जरिए इनकम टैक्स का ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं। अब तक केवल डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग के जरिए ऐसा किया जा सकता था। अब क्रेडिट कार्ड को भी इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड के लिए मान्यता दी जा चुकी है। लेकिन बैंक इस पर प्रोसेसिंग फीस ले सकता है और अगर आपने समय पर क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं भरा तो ब्याज भी चुकाना पड़ सकता है।

# वित्त मंत्रालय ने माना इकोनॉमी की रफ्तार धीमी : महंगे तेल-लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन बिगड़ने से महंगाई के संकेत

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा है।

**फरवरी तक स्थिति मजबूत थी, मार्च से बिगड़ने लगी**

रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी। डोमेस्टिक डिमांड, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और सरकारी नीतियों की मदद से सप्लाई और डिमांड दोनों मोर्चों पर प्रदर्शन अच्छा रहा था। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में बढ़त बनी हुई थी, वहीं गाड़ियों की बिक्री और डिजिटल पेमेंट्स में भी लगातार ग्रोथ दर्ज की गई थी।

**इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ीं**

मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 से ग्लोबल हालात बदलने लगे। वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ने से एनर्जी मार्केट और लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसका सीधा असर भारत के प्रोडक्शन सेक्टर पर पड़ा है। रिपोर्ट में ई-वे बिल जनरेशन में आई कमी और फ्लैश पीएमआई (परचेज मैनेजर इंडेक्स) के कमजोर आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि महीने-दर महीने आधार पर इकोनॉमी की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है।

**इकोनॉमी पर इन 3 वजहों से बढ़ रहा है दबाव**

महंगा कच्चा तेलः ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें बढ़ने से कंपनियों की लागत बढ़ गई है।लॉजिस्टिक्स-इंश्योरेंसः समुद्री रास्तों में तनाव की वजह से माल ढुलाई का किराया और इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा हो गया है।

**सप्लाई चेनः** जरूरी इनपुट्स की सप्लाई में देरी होने से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर असर पड़ रहा है।

**डिमांड अब भी बरकरार, पर ग्रामीण इलाकों में चिंता**

राहत की बात यह है कि देश में घरेलू मांग अभी भी बनी हुई है। व्हीकल रजिस्ट्रेशन और डिजिटल ट्रांजैक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि लोग खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक रेड फ्लैग भी दिखाया गया है। मंत्रालय ने नोट किया है कि ग्रामीण इलाकों में सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर हुआ है। मांग और सप्लाई के बीच यह अंतर बताता है कि फिलहाल सुस्ती कंजम्पशन की कमी से नहीं, बल्कि बढ़ती लागत और सप्लाई में रुकावटों की वजह से है।

**रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत**

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत मिले हैं। अभी तक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतें थीं, लेकिन मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा असर अभी तक घरेलू बाजार में नहीं दिखा है। अगर वैश्विक स्तर पर एनर्जी की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है।

# ईरान युद्ध के बीच तुर्की ने दो हफ्ते में बेच दिया 58 टन सोना, भारत से है पुरानी दुश्मनी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत, तुर्की, चीन और पोलैंड समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने हाल के वर्षों में जमकर सोने की खरीदारी की है। इस कारण सोने की कीमत में काफी तेजी आई है। लेकिन तुर्की के केंद्रीय बैंक ने पिछले दो हफ्ते में 58 टन सोना बेचा है। इस बिक्री से उसे 8 अरब डॉलर से ज्यादा पैसा मिला है। इसके साथ ही तुर्की को गोल्ड रिजर्व 513 टन रह गया है जो सात साल में सबसे कम है। तुर्की ने अपना आधे से अधिक सोने का इस्तेमाल अमेरिकी डॉलर को उधार लेने के लिए स्वैप किया जबकि बाकी ओपन मार्केट में बेचा। तुर्की ने 13 मार्च को खत्म हुए हफ्ते के दौरान 6 टन सोना बेचा जबकि 20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में 52 टन सोने की बिक्री की। इस दौरान दुनिया में गोल्ड ईटीएफ से कुल 43 टन का आउटफ्लो रहा। इससे साफ है कि इस दौरान तुर्की सोने की बिक्री का सबसे बड़ा स्रोत रहा।

**क्यों बेचना पड़ा सोना?**

तुर्की की करेंसी लीरा को बचाने के लिए वहां के सेंट्रल बैंक को जमकर डॉलर झोंकने पड़ रहे हैं। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इस कारण तुर्की का आयात बिल बढ़ गया है। इससे लीरा पर दबाव बढ़ रहा है। यही वजह है कि अपनी करेंसी की गिरावट को थामने के लिए तुर्की के सेंट्रल बैंक को विदेशी मुद्रा भंडार में से डॉलर झोंकने पड़ रहे हैं।

इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार 40 अरब डॉलर गिरकर 175 अरब डॉलर रह गया है जो 2025 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे कम है। तेल और गैस की बढ़ती कीमत के कारण तुर्की को अपना सोना बेचना पड़ रहा है। अमेरिकी फेड रिजर्व के फिलहाल ब्याज दरों में कटौती नहीं करने के फैसले से सोने की कीमत में हाल में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर यह शुक्रवार को 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

# दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन | मे | मीन.... | 05-28 बजे |
| चंद्र | सिंह | मे | मेष..... | 07-04 बजे |
| मंगल | कुंभ | मे | वृष.... | 08-48 बजे |
| बुध | कुंभ | मे | मिथुन.. | 10-49 बजे |
| गुरु | मिथुन | मे | कर्क... | 13-01 बजे |
| शुक्र | मेष | मे | सिंह--- | 15-13 बजे |
| शनि | मीन | मे | कन्या-- | 17-20 बजे |
| राहु | कुंभ | मे | तुला---- | 19-25 बजे |
| केतु | सिंह | मे | वृश्चिक.. | 21-35 बजे |
| | | | धनु..... | 23-48 बजे |
| | | | मकर... | 01-55 बजे |
| | | | कुंभ.... | 03-45 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-16

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्यास्त. 18 -25

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

मास - चैत्र कृष्ण पक्ष सोमवार 30 March 2026

तिथि - द्वादशी 07-09 तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - मघा 14-47 तक उप पूर्वाफाल्गुनी

योग - शूल 16-51 तक उप गण्ड

करण - बालव 07-09 तक उप कौलव

सोम प्रदोष व्रत,विष्णु द्वादशी

हरि दमनोत्सव,अनंग त्रयोदशी

मघा नक्षत्र शांति

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल**
07-45 से
09-17 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 06-16 - 07-45 | शुभ | चंचल | 18-25 - 19-56 | शुभ |
| काल | 07-45 - 09-17 | अशुभ | रोग | 19-56 - 21-24 | अशुभ |
| शुभ | 09-17 - 10-49 | शुभ | काल | 21-24 - 22-52 | अशुभ |
| रोग | 10-49 - 12-21 | अशुभ | लाभ | 22-52 - 00-20 | शुभ |
| उत्पात | 12-21 - 13-52 | अशुभ | उत्पात | 00-20 - 01-48 | अशुभ |
| चंचल | 13-52 - 15-24 | शुभ | शुभ | 01-48 - 03-17 | शुभ |
| लाभ | 15-24 - 16-56 | शुभ | अमृत | 03-17 - 04-45 | शुभ |
| अमृत | 16-56 - 18-25 | शुभ | चंचल | 04-45 - 06-16 | शुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपका आत्मविश्वास कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन को बढ़ाता है, जबकि रचनात्मक ऊर्जा समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। आप शारीरिक या भावनात्मक रूप से थका हुआ महसूस कर सकते हैं, इसलिए अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए अपनी समयबद्धता और सहज ज्ञान पर भरोसा करें।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते है । सही रास्ता चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपके करियर और पढ़ाई को मजबूत महत्वाकांक्षा और सहज सोच से बढ़ावा मिलता है। आपको भाग्यशाली अवसर मिल सकते हैं, लेकिन चीजों को संतुलित रखें और अति करने से बचें। शांत और विचारशील शब्दों से रिश्तों में तनाव कम किया जा सकता है। धैर्य और ईमानदार संचार के माध्यम से स्थायी संबंध बनाने पर ध्यान दें।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

जैसे-जैसे आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प बढ़ता है, आपका करियर और पढ़ाई गति पकड़ती है। आप दृढ़ निश्चयी हैं और अवसरों का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे यह लक्ष्य निर्धारण और त्वरित कार्रवाई के लिए एक मज़बूत समय है। मानसिक स्पष्टता और तीक्ष्ण संवाद आपको परिस्थितियों का शीघ्र आकलन करने और आत्मविश्वास से प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपके करियर में स्थिर गति आएगी क्योंकि ऊर्जा का पोषण आपको नए अवसरों का समर्थन करने में मदद करेगा। स्थिरता आपके कार्यों का मार्गदर्शन करती है, जबकि प्रेरणा में वृद्धि आपको नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए प्रेरित करती है। पेशेवर रिश्तों में जोश की चिंगारी भड़क सकती है, इसलिए स्पष्ट संचार बनाए रखें। अपने उत्साह और गर्मजोशी को अपने काम में सार्थक प्रगति की ओर ले जाने दें।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# अशोक गहलोत हकीकत से दूर

## इंतजार शास्त्र' से जनता को कर रहे भ्रमित : राजेन्द्र राठौर

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि गहलोत "हकीकत शास्त्र" से कोसों दूर हैं और केवल "इंतजार शास्त्र" के माध्यम से जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

राठौड़ ने आरोप लगाया कि गहलोत अपने कार्यकाल की विफलताओं को छिपाने के लिए बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में कांग्रेस सरकार ने आपदा को अवसर में बदलते हुए दवाओं और उपकरणों की खरीद में अनियमितताएं कीं। साथ ही उन्होंने "पुत्र मोह" का आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत ने वैभव गहलोत को आगे बढ़ाने के लिए अन्य नेताओं की अनदेखी की, लेकिन जनता ने उन्हें चुनाव में नकार दिया।

आईपीडी टावर परियोजना को लेकर राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बिना समुचित योजना के प्रोजेक्ट शुरू किए, जिन्हें वर्तमान सरकार सुधार रही है। उन्होंने बताया कि अब परियोजना का विस्तार 23 मंजिल तक हो चुका है और जनवरी 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है।

राठौड़ ने भजन लाल शर्मा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत 92 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख पदों पर भर्ती जारी है। "ना पर्ची, ना खर्ची" के सिद्धांत को लागू किया गया है।

उन्होंने वैश्विक हालात का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि स्वाभाविक है, फिर भी केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाकर राहत दी है। राज्य सरकार ने गैस और पेट्रोलियम आपूर्ति बनाए रखने के लिए हेल्पलाइन और सख्त कार्रवाई जैसे कदम उठाए हैं।

आर्थिक मोर्चे पर राठौड़ ने दावा किया कि राजस्थान की जीएसडीपी 21.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है और प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि एकजुट होकर काम करने का है और कांग्रेस को ओछी राजनीति छोड़नी चाहिए।

# टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

## आत्मनिर्भरता के दावे पर उठाए सवाल

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए शासन की कार्यशैली को विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासन चलाने के बजाय केवल विज्ञापन और इवेंट प्रबंधन तक सीमित हो गई है, जबकि आम जनता की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।

जूली ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों से आत्मनिर्भरता का जो दावा किया जा रहा है, उसका वास्तविक लाभ आम जनता को नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है, जिससे जनता पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के "इंतजारशास्त्र" का जिक्र करते हुए कहा कि इससे भाजपा के नेता असहज हो गए हैं और अब वे भ्रामक बयानबाजी कर रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार को जनता के सामने यह बताना चाहिए कि लंबित परियोजनाएं कब तक पूरी होंगी।

**एलपीजी और पेट्रोल की कमी पर चिंता**

राज्य में एलपीजी और पेट्रोल की कथित कमी को लेकर भी जूली ने सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि कालाबाजारी बढ़ रही है और प्रशासन इसे रोकने में असफल रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था गंभीर हालात में है, लेकिन सरकार प्रभावी कदम नहीं उठा रही।

मेडिकल कॉलेजों के मुद्दे पर भी जूली ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़, राजसमंद और जालोर में मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान रखी गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इन परियोजनाओं को आगे नहीं बढ़ाया।

**नवगठित जिलों में स्वास्थ्य ढांचे की कमी**

जूली ने नवगठित जिलों में स्वास्थ्य ढांचे की कमी पर भी सवाल उठाए और कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में आम जनता की जरूरतें शामिल नहीं हैं। जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन के दावों को लेकर जूली ने कहा कि सरकार अपने लक्ष्य से काफी पीछे है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट बना हुआ है, जबकि सरकार केवल प्रचार में लगी हुई है। अंत में टीकाराम जूली ने सरकार से पूछा कि जनहित की योजनाओं को कब तक पूरा किया जाएगा और क्या शासन केवल विज्ञापनों तक ही सीमित रहेगा।

# राज्यपाल बोले-नौकरी मिली तो जल्दी छोकरी भी मिल सकती है

## अघोरी शैलेंद्रनाथ को पीएचडी उपाधि देने का विरोध, एसएफआई ने किया प्रदर्शन

सीकर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा- आपने डिग्री तो हासिल की, लेकिन डिग्री हासिल करने के बाद आगे क्या करोगे। नौकरी मिली तो मिल जाएगी। बिजनेस करना होगा तो बिजनेस करोगे। लेकिन अपन को अच्छी नौकरी और झटपट नौकरी चाहिए। नौकरी मिली तो जल्दी छोकरी भी मिल सकती है, वरना नहीं।

यह बात भी ध्यान में रखना। केवल डिग्री वाला है तो गांव-गांव घूमेगा, कि कहीं पर जॉब मिलेगी क्या। इसलिए हाथ में कौशल होना जरूरी है। राजस्थान तो कौशल की खान है। रणकपुर में भगवान महावीर का एक मंदिर है जिसे तैयार करने में 64 साल लगे। उसमें नक्काशी और कलाकारी का इतना बेहतरीन काम है। आप देखोगे तो मुंह में उंगली डालोगे कि क्या काम है।

राज्यपाल ने ये बातें सीकर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी यूनिवर्सिटी में छठें दीक्षांत समारोह में कही। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यूनिवर्सिटी ने अघोरी शैलेंद्रनाथ को पीएचडी की मानद उपाधि दी। इसके विरोध में स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के छात्रों ने प्रदर्शन किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा- शेखावाटी की धरती देश को सबसे ज्यादा फौजी और अधिकारी देने वाली है। यदि व्यापार जगत की बात करें तो खासकर मारवाड़ी लोग जैसे बिड़ला, बजाज देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, राजस्थान के व्यापारी आपको देश और विदेश

में मिलेंगे।

दीक्षांत समारोह कोई अंत नहीं बल्कि जीवन की नई चुनौतियों की शुरुआत है। डिग्री प्राप्त की, इसका मतलब यह नहीं कि आपकी शिक्षा पूरी हो गई, यह नहीं मानना चाहिए। आपने विश्वविद्यालय में जो भी अध्ययन किया और जो भी ज्ञान प्राप्त किया, उससे देश की उन्नति और विकास कैसे हो, इसके बारे में सोचते रहो। खुद की नौकरी करो, व्यापार करो और पैसे भी कमाओ। लेकिन उसके साथ-साथ आप अपने समाज की भी चिंता करो।

हमारे देश में अंग्रेजों के आने से पहले 8 लाख गुरुकुल थे। उन गुरुकुल में जो बच्चे जाते थे, वे आयुर्वेद और इंजीनियरिंग भी सीखते थे। पहले डिग्री नहीं होती थी, लेकिन कला होती थी। जिसके हाथ में कौशल होगा, वह कभी भूखा नहीं रहेगा।

कर्नाटक के मैसूर में भी एक मंदिर है, जो 270 फीट का है। उस मंदिर के ऊपर एक 80 टन का पत्थर लेकर गए। मंदिर बनाने के बाद 80 टन का पत्थर रखा गया। उस जमाने में तो ऐसी कोई मशीनरी नहीं थी फिर भी उन्होंने सोचा कि इस तरह से पत्थर ऊपर लेना है तो उन्होंने मिट्टी का 6 किलोमीटर का एक रैंप बनाया और हाथियों के जरिए पत्थर वहां रखा गया, यही तो इंजीनियरिंग है।

भारत ने तो हजारों साल तक संकट देखे हैं, लड़ाई और आक्रमण के। यहां पर आक्रमण करने वालों ने हमारी संस्कृति को भी उखाड़ने के लिए सोचा, हमारी शिक्षा पद्धति उन्होंने बदल दी। अंग्रेजों ने भी बोला कि हमें भारत के लोगों को गुलाम बनाना है तो उनको भूखा मारना होगा। जब तक भारत के लोग भूखे नहीं रहेंगे तब तक तो अपने गुलाम नहीं बनेंगे। मुगलों का भी संकट था, उन्होंने लोगों का धर्मांतरण किया और काटा भी, मारा भी था। यह संकट भी हमने सह लिए। अभी न पेट्रोल बढ़ा, न डीजल बढ़ा और न गैस बढ़ा फिर भी लोग बोल रहे हैं यह बढ़ा, वह बढ़ा। वह लोग तो राजनीति कर रहे हैं। यह बात राजनीति की नहीं बल्कि सबके एक साथ एकजुट रहने की बात है। जो अलग चलता है उनका मत सुनो, लोग भी नहीं सुनेंगे। राज्यपाल ने आगे कहा- जब हमारे पास नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय थे तब विदेश के लोग यहां पर पढ़ने के लिए आते थे। तक्षशिला अविभाजित पंजाब में था रावलपिंडी (पाकिस्तान) के पास। अभी भी 34-35 किलोमीटर दूर खंडहर पड़ा होगा।

# मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म बोले- हिरासत में मौत पर राजनीति गलत, सभी मामलों में पुलिस दोषी नहीं

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा पुलिस हिरासत में मौत के मामलों को लेकर दिए गए बयान को पूरी तरह मिथ्यापूर्ण और भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील विषय पर राजनीति करना उचित नहीं है और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना जनता को गुमराह करने का प्रयास है।

बेढ़म ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश में पुलिस हिरासत में कुल 13 मौतों के मामले सामने आए हैं। इन सभी मामलों की निष्पक्ष और विधिसम्मत न्यायिक जांच करवाई गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 3 मौतें प्राकृतिक कारणों जैसे हृदयाघात या पूर्व से चली आ रही बीमारी के कारण हुईं। वहीं 3 मामलों में आत्महत्या की पुष्टि हुई

है। एक मामले में आरोपी के भागने के दौरान दुर्घटनावश मृत्यु हुई, जबकि 6 मामलों में हिरासत के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हुई। उन्होंने कहा कि अब तक जिन मामलों की जांच पूरी हो चुकी है, उनमें कहीं भी कस्टोडियल टॉर्चर या पुलिस की लापरवाही अथवा प्रताड़ना का कोई प्रमाण नहीं मिला है। इससे स्पष्ट है कि पुलिस द्वारा किसी प्रकार की अमानवीय कार्रवाई नहीं की गई।

गृह राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी मामलों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और पुलिस प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बेढ़म ने विपक्ष से अपील की कि वे ऐसे मामलों में तथ्यों के आधार पर बात करें और जनता में भ्रम फैलाने से बचें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

# भीलवाड़ा में तेज रफ्तार का कहर

## हादसे में 3 युवकों की मौत; 100 मीटर दूर गिरे बाइक सवार

भीलवाड़ा, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में रविवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। दो बाइकों में हुई आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक युवक गंभीर घायल हो गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बाइक पर सवार चारों युवक करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के मुताबिक जहाजपुर थाना क्षेत्र में नाथून के पास नेशनल हाईवे-148डी पर सुबह करीब 9 बजे दो बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। दोनों बाइकों पर चार लोग सवार थे। जिनमें से 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक घायल को उपचार के लिए जहाजपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों की पहचान जितेंद्र पुत्र अशोक मेघवंशी, विशाल पुत्र हनुमान सिंह राजपूत और नरेंद्र पुत्र हरजीराम मेघवंशी के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों युवकों के शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और परिजनों को सूचना भिजवा दी है। परिजनों के आने के बाद मृतकों का पोस्टमार्टम होगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। वहीं, हादसे में घायल राहुल पुत्र सरदार सिंह निवासी जोझर थाना शक्करगढ़ का जहाजपुर के अस्पताल में उपचार जारी है।

# बेटियों को 20 करोड़ रुपए से बड़ा तोहफा देगी भजनलाल सरकार, 30 एकड़ जमीन पर होगा काम

अजमेर, 29 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर के शैक्षिक इतिहास में जल्द नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। हाथीखेड़ा क्षेत्र में 30 एकड़ क्षेत्र में 20 करोड़ रुपए की लागत से बालिका सैनिक स्कूल बनेगा। इसके वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी होंगे। इसके साथ ही सुंदर विलास स्थित मॉडल बालिका स्कूल को सावित्री बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन में शिफ्ट किया जाएगा। ऐसे में करीब 300 छात्राओं को अन्य स्कूलों में शिफ्ट होने की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। अजमेर उत्तर क्षेत्र की स्कूलों में डीएमएफटी फंड से 5 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जाएंगे। इससे क्षेत्र में शैक्षिक आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सर्किट हाउस में अजमेर में शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से हाथीखेड़ा क्षेत्र में बनने वाले बालिका सैनिक स्कूल की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जयपुर में अधिकारियों को फोन कर वर्क ऑर्डर अप्रेल में जारी करने के निर्देश दिए। बालिका सैनिक स्कूल करीब 20 एकड़ जमीन पर बनने जा रहा है। इसके निर्माण पर करीब 20 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस परियोजना से बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ अनुशासनात्मक माहौल भी मिलेगा।

देवनानी ने शहर में बालिका शिक्षा की एक बड़ी समस्या का समाधान भी किया। उन्होंने सुंदर विलास स्थित मॉडल बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भवन संबंधी समस्या पर चर्चा करते हुए इसे सावित्री बालिका प्राथमिक विद्यालय के भवन में संचालित करने के निर्देश दिए। इससे छात्राओं और स्टाफ को दूसरे स्कूलों में मर्ज नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय भवन में पर्याप्त कक्षा कक्ष हैं। सेफ्टी ऑडिट भी करवा ली गई है। जल्द ही इसकी मरम्मत व रंग-रोगन करवा कर बालिकाओं के लिए संचालित करवा दिया जाएगा। इससे छात्राओं को बेहतर वातावरण मिलेगा। देवनानी ने अधिकारियों से शहर में जीर्ण-शीर्ण विद्यालयों व कक्षों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि बारिश के समय किसी तरह की दुर्घटना न हो, इसके लिए जर्जर भवनों की मरम्मत कराई जाए। पीडब्ल्यूडी भी इस दिशा में काम करे। बच्चों को किसी तरह के खतरे में नहीं पढ़ाया जाना चाहिए।

# नशे की रफ्तार ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार

## पिता-पुत्री की मौत, मां-पत्नी लड़ रहीं जिंदगी की जंग

भीलवाड़ा, 29 मार्च (एजेंसियां)। कोटड़ी थाना क्षेत्र के सोडियास चौराहे के पास बेकाबू ट्रक ने ना केवल एक राह चलते परिवार को रौंदा, बल्कि एक बूढ़े पिता के बुढ़ापे की लाठी और एक मासूम के बचपन को हमेशा के लिए छीन लिया। हादसे में कांटी निवासी भेरुनाथ और उनकी पांच वर्षीय मासूम बेटी रिया की मौत हो गई, जबकि मृतक की मां और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। बहन के ससुराल में शादी की खुशियों में शामिल होने के लिए भाई और उसका परिवार झूम रहा था। वहां अब रूह कंपा देने वाला करुण क्रंदन सुनाई दे रहा है।

जानकारी के अनुसार, कांटी निवासी 40 वर्षीय भैरूनाथ बहन मनभर के ससुराल में होने वाली शादी को लेकर बेहद उत्साहित था। वह अपनी मां हीरा देवी, पत्नी समता और बेटी रिया के साथ बाइक पर कोटड़ी जा रहा था। उसे अपनी बहन के लिए कपड़े और शगुन का सामान खरीदना था। लेकिन सोडियास चौराहे के पास अचानक बाइक खराब हो गई। भैरूनाथ ने गाड़ी किनारे खड़ी की और परिवार के साथ सुरक्षित जगह खड़े होकर आगे जाने का रास्ता सोच ही रहा था कि कोटड़ी की ओर से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। थानाधिकारी महावीर मीणा ने बताया कि घायलों को पहले कोटड़ी और फिर भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान पिता-पुत्री ने दम तोड़ दिया।

# शराब के नशे में हैवान बना पति

## झगड़े के बाद कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी को उतारा मौत के घाट

बारां, 29 मार्च (एजेंसियां)। बारां जिले के कवाई थाना क्षेत्र के सोनी-दिलोद गांव में आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब पीने की लत से उपजे विवाद में एक पति ने अपनी ही पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। थानाप्रभारी राजपाल सिंह तंवर ने बताया कि बापचा थाना क्षेत्र के गेहूंखेड़ी निवासी दयाचंद सहरिया अपनी पत्नी विमला बाई के साथ पिछले डेढ़ महीने से सोनी-दिलोद गांव में टापरी बनाकर रह रहा था। दोनों यहां मजदूरी का कार्य करते थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दयाचंद का शराब पीने की बात को लेकर पत्नी विमला से विवाद हुआ।

# शादी से नाराज थे काका, गुस्साए भतीजे ने गोली से उड़ाया

टोंक, 29 मार्च (एजेंसियां)। टोंक जिले के पचेवर क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां एक भतीजे ने अपने काका की गोली मारकर हत्या कर दी। अंतरजातीय विवाह को लेकर हुए इस विवाद ने गांव में दहशत फैला दी है।पचेवर पंचायत समिति क्षेत्र की आवड़ा पंचायत में यह सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां एक भतीजे ने अपने ही काका को नालीदार बंदूक से गोली मार दी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल छा गया। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रजापत, मालपुरा व पचेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

# करोड़ों रुपए के सोने और नकदी का पर्दाफाश , 3 आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले के मंडार टोल प्लाजा में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए गुजरात नंबर की एक कार में छुपाए गए करोड़ों रुपए के सोने और नकदी का पर्दाफाश कर दिया। मंडार थानाधिकारी प्रवीण आचार्य की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया गया। मंडार टोल प्लाजा के पास पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान गुजरात नंबर की एक कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में कार की पिछली सीटों के नीचे बड़ी चालाकी से बनाए गए एक गुप्त बॉक्स में 13 प्लास्टिक के पैकेट मिले। जब इन पैकेटों को खोला गया तो अंदर 6.319 किलोग्राम सोने की ज्वैलरी और 93,550 रुपए नकद बरामद हुए। पुलिस के अनुमान के मुताबिक इस ज्वैलरी की कुल कीमत करीब 9 करोड़ रुपए आंकी गई है। पूछताछ के दौरान आरोपी न तो इस संपत्ति से जुड़े कोई वैध दस्तावेज पेश कर सके और न ही कोई संतोषजनक जवाब दे पाए। इस पर पुलिस ने ज्वैलरी, नकदी और कार तीनों को जब्त कर लिया।

पुलिस ने गुजरात के पाटन जिले के नायता निवासी मोहनभाई रेबारी, सिरोही जिले के मोहब्बतनगर निवासी सुरेशकुमार घांची और उसी इलाके के दिलीप घांची को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

# फर्जी बिलों से लाखों का गबन

## विद्यापीठ के सस्पेंड प्रोफेसर गिरफ्तार

उदयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के सस्पेंड असिस्टेंट प्रोफेसर को प्रतापनगर थाना पुलिस ने फर्जी बिलों से लाखों रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामले में विश्वविद्यालय के कुलसचिव रजिस्ट्रार तरुण श्रीमाली की ओर से प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद यह मामला सामने आया। शिकायत में बताया गया कि डॉ. चौहान ने वर्ष 2021 से 2024 और 2020 से 2023 के बीच छात्रों के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी की है।

आरोप है कि डॉ. चौहान ने योग विभाग के विद्यार्थियों के लिए

ट्रैकसूट और ब्लेजर खरीदने के नाम पर विश्वविद्यालय से राशि प्राप्त की, लेकिन वास्तविकता में किसी भी छात्र को यह सामान उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने केवल कागजों में खरीदारी दिखाकर पूरा भुगतान ले लिया।

जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2017 से 2021 के बीच कक्षाएं लेने के नाम पर मिलने वाले मानदेय में भी हेराफेरी की गई। आरोप है कि डॉ. चौहान स्वयं ही बिल तैयार कर अकाउंट्स विभाग में प्रस्तुत कर देते थे।

शुरुआत में विश्वविद्यालय के अकाउंट्स विभाग ने इन बिलों को सही मानकर भुगतान कर दिया था। बाद में विश्वविद्यालय की ओर से गठित जांच कमेटी ने पूरे मामले का खुलासा किया। जांच रिपोर्ट के आधार पर करीब तीन महीने पहले उन्हें सस्पेंड किया गया था। पुलिस ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए डॉ. चौहान को गिरफ्तार किया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

# पिता-पुत्र पर तेंदुए ने किया हमला

## पलटवार में हुई उसकी मौत

बीकानेर, 29 मार्च (एजेंसियां)। बज्जू क्षेत्र के बरसलपुर ग्राम पंचायत के चक 6 बीडीवाई में खेत में काम कर रहे पिता-पुत्र पर अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में दोनों घायल हो गए। बाद में तेंदुआ पास के पानी के खाळे में मृत अवस्था में मिला। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

ओमप्रकाश मेघवाल और उसका पुत्र कमल मेघवाल खेत में फसल की कटाई कर रहे थे। इस दौरान झाड़ियों की ओर से अचानक एक तेंदुआ निकलकर उन पर टूट पड़ा। अचानक हुए हमले से दोनों घबरा गए, लेकिन संभालते हुए उन्होंने हिम्मत दिखाई और बचाव किया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि इलाके में नियमित गश्त बढ़ाई जाए और जंगली जानवरों की गतिविधियों पर नजर रखी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव किया जा सके।

हमले के दौरान पिता-पुत्र ने फसल काटने के औजार 'दांती' से तेंदुए का मुकाबला किया। उनके प्रतिरोध के चलते तेंदुआ वहां से भाग निकला। इस दौरान दोनों को चोट आईं, लेकिन उन्होंने स्वयं को बचा लिया। घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस सक्रिय है।

# मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मेनका गांधी के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मेनका गांधी के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। इस दौरान मंत्री श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, त्रि-म्युनिसिपल कॉरपोरेशनों के आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने राज्य की नगरपालिकाओं के अंतर्गत आवारा कुत्तों के प्रबंधन तथा गौ-संरक्षण से संबंधित उपायों की जानकारी मेनका गांधी को दी। नगर क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की नसबंदी (स्टेरिलाइजेशन) से संबंधित विवरण पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से समझाया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने गौ-संरक्षण के लिए पहले ही योजनाएं तैयार कर ली हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विस्तृत क्षेत्र में एनकेपल्ली में गोशाला निर्माण के लिए शिलान्यास पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों तथा मंदिरों के समीप गोशालाओं के निर्माण हेतु योजनाएं तैयार की गई हैं। मेनका गांधी ने पशु संरक्षण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया तथा इस अवसर पर राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।

## एलपीजी की कमी से ऑटो चालकों को परेशानी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एलपीजी गैस की कमी के कारण ऑटो चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के कई वितरण केंद्रों और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि उन्हें गैस भरवाने के लिए कई घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। ताडबन निवासी एक चालक ने बताया कि वह सुबह 6:30 बजे पंप पर पहुंच गया था, लेकिन करीब पांच घंटे बाद ही उसे एलपीजी मिल सकी। चालकों के अनुसार, शहर में कई पेट्रोल पंप बंद होने के कारण स्थिति और खराब हो गई है। चंद्रयनगुट्टा से नाचारम तक आए एक अन्य चालक ने बताया कि वहां पहले से ही करीब 200 ऑटो की लाइन लगी थी और उसे भी पांच घंटे इंतजार करना पड़ा।

कुछ चालकों ने बताया कि रात में वे पंप के बाहर ही गाड़ियों में सो जाते हैं, इस उम्मीद में कि सुबह टैंकर आएगा। वहीं कई बार लंबा इंतजार करने के बाद भी गैस नहीं मिल पाती और खाली लौटना पड़ता है। ऑटो चालकों ने कुछ पेट्रोल पंप संचालकों पर अधिक पैसे वसूलने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पहले से ही कमाई कम हो गई है और ऊपर से अतिरिक्त शुल्क के कारण आर्थिक परेशानी और बढ़ रही है।

## निजामाबाद में दो नाबालिगों का अपहरण

### एक से दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

निर्मल/निजामाबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के एक पार्क में शनिवार को दो नाबालिग लड़कियों का कथित रूप से अपहरण कर उन्हें नशीला पदार्थ पिलाया गया और उनमें से एक के साथ दुष्कर्म किया गया। मामले में पुलिस ने रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार निर्मल के शेख सलीम और एक अन्य आरोपी को सोफीनगर क्षेत्र से लड़कियों का अपहरण करने, उन्हें बेहोश करने और यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पीड़ितों के परिजनों की शिकायत के आधार पर की गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो अधिनियम और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है, क्योंकि पीड़िताएं कमजोर वर्ग से हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की थीं, जिन्होंने संदिग्ध गतिविधियों के दौरान दोनों को पकड़ लिया।

घटना पोचमपहाड़ गांव के पास एक पार्क में हुई, जहां एक लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया, जबकि दूसरी लड़की किसी तरह बचकर निकल गई और अपने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस बीच, जिले की एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

## आसिफाबाद के कई नेता बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लिए बड़ी राजनीतिक मजबूती देखने को मिली, जब आसिफाबाद क्षेत्र के कई नेता रविवार को तेलंगाना भवन में पार्टी में शामिल हो गए। कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव की मौजूदगी में नए सदस्यों को पार्टी का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें उचित सम्मान देने का आश्वासन दिया गया। इस शामिल होने के कार्यक्रम का नेतृत्व विधायक कोवा लक्ष्मी ने किया। इसमें बड़ी संख्या में सरपंच, उप सरपंच, पूर्व जेडपीटीसी और एमपीटीसी अपने समर्थकों के साथ बीआरएस में शामिल हुए। नए नेताओं ने कहा कि वे राज्य में कांग्रेस सरकार की नीतियों का विरोध करने और बीआरएस को मजबूत करने के उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं। इस मौके पर विधायक अनिल जाधव भी मौजूद रहे।

# भट्टी की जन प्रतिनिधियों से 'मॉडल सोलर विलेज' पहल में सहयोग की अपील

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने रविवार को चुने हुए प्रतिनिधियों से राज्य सरकार द्वारा लॉन्च किए गए प्रतिष्ठित 'मॉडल सोलर विलेज' कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस पहल का उद्देश्य तेलंगाना को एक हरित और ऊर्जा-कुशल राज्य के रूप में विकसित करना है। भट्टी विक्रमार्का ने विधानसभा हॉल में मंत्रियों, विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से पत्र सौंपकर उन्हें इस पहल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हर चुने हुए प्रतिनिधि को अपने आवास पर 2केडब्लू का ग्रिड-कनेक्टेड सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि नेता स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करके जनता में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता पैदा करें और इस प्रकार आवासीय क्षेत्रों को ऊर्जा उत्पादन केंद्र में बदल दिया जा सकता है। इस पहल से न केवल घरेलू बिजली खर्च में कमी आएगी, बल्कि राज्य के हरित ऊर्जा ग्रिड में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इच्छुक प्रतिनिधियों को अपने निवास का पता और नवीनतम बिजली बिल की प्रति टीजीआरईडीसीओ कार्यालय, खैरताबाद में जमा करने के लिए कहा गया है। इसके आधार पर तकनीकी टीम सर्वेक्षण करेगी और स्थापना प्रक्रिया पूरी करेगी। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि यह निर्णय कार्बन न्यूट्रैलिटी प्राप्त करने और ऊर्जा-सुरक्षित तेलंगाना के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वाधान में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 से 15 अप्रैल तक प्रति दिन मध्यान 3 बजे से सायं 7 बजे तक बाहेती भवन सिद्धअम्बर बाजार में होगा। इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को सुबह 11.30 बजे बाहेती भवन में बैठक संपन्न हुई।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यस्थाओं पर चर्चा की गई। सभी ने श्रीमद् भागवत कथा कि सांय आरती के पश्चात आये हुए कथा श्रवण करने वाले धार्मिक बंधुओ को भोजन की व्यवस्था को सहज स्वीकर किया गया। मुख्य संयोजक महेश अग्रवाल ने सभी धार्मिक बंधुओ को भोजन प्रसाद में सहयोग करने का आग्रह किया। मीटिंग में शहर के प्रतिष्ठित यजमानों ने आने की स्वीकृति दी है। श्रीमद् भागवत कथा में समाज के धार्मिक बंधुओ ने अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया है। बैठक में अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक हिरावत, मंत्री महेश अग्रवाल, कोषाध्यश संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदनी, गोकुल भट्टड, मुकेश शर्मा, नेमिचंद झा आदि मौजूद थे।

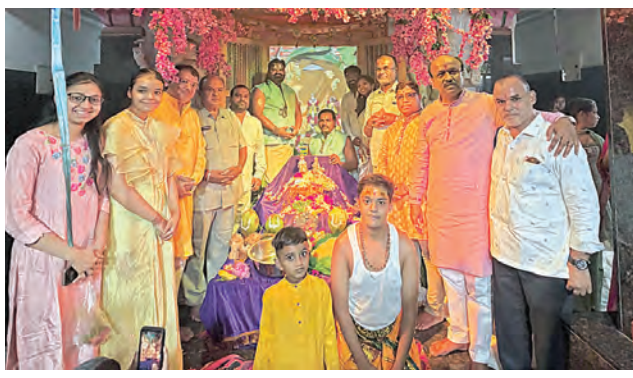

पुराना पुल सखीबाबा मठ में आयोजित रामनवमी महोत्सव पर महाराज ठाकुरदास जी के साथ भक्तगण।

## बेटी की शादी के लिए पैसे न जुटा पाने पर किसान ने की आत्महत्या

मेदक, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के पापन्नापेट मंडल के नरसिंगी गांव में एक किसान ने बेटी की शादी के लिए धन जुटाने में असमर्थ होने पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान फिरंगी सत्यनारायण (50) के रूप में हुई है। उन्होंने अपनी बड़ी बेटी की शादी तय कर दी थी और सगाई भी हो चुकी थी, लेकिन शादी के लिए पैसे जुटाने में उन्हें परेशानी हो रही थी। बताया जा रहा है कि शनिवार को वह घर से निकले और गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक बंद पड़ी चावल मिल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

# राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड स्तर पर 1,44,251 मामलों का निपटारा : चारु सिन्हा

### इस बार 37.14 प्रतिशत अधिक मामलों का निपटारा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईडी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारु सिन्हा ने कहा कि आपराधिक मामलों तथा दीवानी विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत एक उत्कृष्ट मंच के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने बताया कि शनिवार को राज्यभर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड स्तर पर 1,44,251 मामलों का निपटारा हुआ, जो उल्लेखनीय है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार यह लोक अदालत पहले 14 मार्च को आयोजित होनी थी, जिसे पुनर्निर्धारित कर 28 मार्च को आयोजित किया गया। इस अवसर का जनता द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किए जाने के कारण, पिछले वर्ष दिसंबर में आयोजित लोक अदालत की तुलना में इस बार 37.14 प्रतिशत अधिक मामलों का निपटारा हुआ, अर्थात लगभग 39,069 अतिरिक्त

मामलों का समाधान किया गया। चारु सिन्हा ने बताया कि इस बार लोक अदालत में केवल सामान्य मामलों पर ही नहीं, बल्कि साइबर अपराध के पीड़ितों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई। कुल 4,635 साइबर अपराध मामलों का निपटारा कर पीड़ितों को लगभग 24.95 करोड़ की राशि वापस दिलाई गई, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त 21,388 सुलझने योग्य एफआईआर मामले, 57,343 ई-पेटी मामले, 60,094 मोटर वाहन अधिनियम उल्लंघन से संबंधित मामले तथा 791 आपदा प्रबंधन से जुड़े मामलों का भी सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इस अभियान में हैदराबाद इकाई 15,719 मामलों के निपटारे के साथ प्रथम स्थान पर रही, जबकि इसके बाद मल्काजगिरी, सिद्धिपेट, रामागुंडम और नलगोंडा जिले क्रमशः अगले स्थानों पर रहे। अतिरिक्त डीजीपी ने बताया कि लोक अदालत की सफलता के लिए पुलिस तंत्र ने 19 मार्च से ही तैयारी शुरू कर दी थी, जिसमें योग्य मामलों की पहचान कर दोनों पक्षों को नोटिस जारी किए गए। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय के कारण ही यह सफलता संभव हो पाई है। इससे न केवल वादियों को न्यायालयों के चक्कर लगाने की परेशानी कम होती है, बल्कि समय और धन की भी बचत होती है। उन्होंने भविष्य में भी लोगों से अपील की कि वे ऐसे मंचों का उपयोग कर अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करें।

# अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के बेगम बाजार शाखा का उद्घाटन

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने बेगम बाजार में अपनी 12वीं शाखा का आज उद्घाटन किया। इस शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि डी. जोएल डेविस (आईपीएस), संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात, हैदराबाद शहर द्वारा किया गया।

जी. शंकर यादव (कॉर्पोरेटर, बेगम बाज़ार), पुरुषोत्तम लाल भागेरिया, दामोदर डोबा (दामू गुरु) और अविनाश देवड़ा जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने इस शाखा में क्षेत्र के ग्राहकों के लाभ के लिए उपलब्ध कराई गई अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया। यह शाखा 24X7 एटीएम केंद्र, सेफ़ डिपॉजिट लॉकर और एक पूर्ण-विकसित शाखा द्वारा दी जाने वाली अन्य सभी बैंकिंग सुविधाओं से सुसज्जित है।

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि हैदराबाद के जुड़वां शहरों में अग्रसेन बैंक की शाखाओं की कुल संख्या बढ़कर 12 हो गई है। उन्होंने बताया कि बैंक को आरबीआई और सहकारिता विभाग से अपने परिचालन क्षेत्र का विस्तार पूरे तेलंगाना राज्य तक करने की मंज़ूरी मिल गई है, और बैंक राज्य के पड़ोसी जिलों के साथ-साथ हैदराबाद शहर के संभावित नए क्षेत्रों में भी नई शाखाएं खोलने पर विचार कर रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंक अगले वित्तीय वर्ष में भी 4 से 5 नई शाखाएं खोलेगा, और उसने अपने वार्षिक व्यावसायिक योजना (एबीपी) 2026-27 के तहत आरबीआई से लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि शाखाओं की संख्या में वृद्धि के अलावा, अग्रसेन बैंक चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अपने व्यावसायिक आकार में ऐतिहासिक और जबरदस्त वृद्धि दर्ज करने वाला है। इसमें 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे बैंक द्वारा पेश की गई विभिन्न आकर्षक योजनाओं का लाभ उठाएं, चाहे वह नया टर्म डिपॉजिट खाता खोलकर हो या किसी आवश्यक ऋण उत्पाद का लाभ उठाकर बैंक की विकास गाथा में अपना योगदान दें।

उद्घाटन कार्यक्रम में सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (अध्यक्ष- बीओएम) उपस्थित थे।

इस अवसर पर निदेशकगण नरसिंह दास, मोहन अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए. पंकज कुमार अग्रवाल और महावीर पिट्टी-सदस्य बीओएम भी उपस्थित थे।

उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुनंदन यादव, सूरजमल कांकाणी, राजेश पचेरिया, दामोदरदास विजयवर्गी, गोविंद कांकाणी, सुरेश कांकाणी, नवल जाजू, मुकुंद डोबा, एमआर रामप्रकाश नागला, कन्हैयालाल उपाध्याय, डॉ. मोहन गुप्ता, लक्ष्मीनारायण राठी, गोविंद राठी, विकास अग्रवाल, प्रफुल चंद गुप्ता, सुशील साह, विश्वनाथ अग्रवाल, पवन मंत्री और अन्य लोगों की गरिमामय उपस्थित रही। इनके अलावा सीवी राव महाप्रबंधक/सीईओ, आनंद अग्रवाल डीजीएम, प्रसाद गोलेगांवकर शाखा प्रबंधक और सभी स्टाफ सदस्य शामिल हुए।

## मेहदीपटनम में पुलिसकर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले दो हिरासत में

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मेहदीपटनम क्षेत्र में शनिवार रात सादे कपड़ों में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार रात करीब 2:30 बजे फ्लाईओवर के पास गश्त के दौरान कुछ लोग संदिग्ध हालत में दिखे। पूछताछ करने पर दो व्यक्तियों ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और उन पर हमला करने की कोशिश की। घटना के बाद दोनों मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज कर बाद में उन्हें पकड़ लिया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

# सार्वभौमिक मूल्यों को लाभ-लोभ के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है : जस्टिस वेंकटरमना राव

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आज की दुनिया में, हर चीज को पैसे के संदर्भ में मापा जाता है। किसी व्यक्ति का मूल्यांकन अक्सर उसके चरित्र की बजाय उसकी संपत्ति के आधार पर किया जाता है। निःसंदेह, समकालीन समाज का प्रमुख मूल्य धन और संपत्ति ही है। परिणामस्वरूप, ईमानदारी, सत्य, साहस, करुणा, क्षमा, सेवा आदि जैसे शाश्वत और सार्वभौमिक मूल्यों को लाभ-लोभ के कारण नुकसान उठाना पड़ा है।

उक्त उद्गार बंजाराहिल्स स्थित ताज डेक्कन में बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती के 98वीं जयंती पर आयोजित 20वां स्मृति व्याख्यान में मुख्य अतिथि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन. वेंकटरमना ने दिये। जस्टिस एन. वेंकटरमना ने सर्वप्रथम बद्री विशाल पित्ती को श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए कहा कि आज हम केवल एक जीवन को याद करने के लिए एकत्रित नहीं हुए हैं। हम यहां समाज सेवा के लिए समर्पित एक विरासत पर विचार करने के लिए आए हैं। मुझे अपने युवावस्था में बदरी विशाल पित्ती से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वे उस पीढ़ी से थे जिनके लिए सार्वजनिक जीवन सार्थक अस्तित्व की खोज थी। बचपन से ही उनमें राष्ट्रवाद की भावना प्रबल थी। एक युवा छात्र के रूप में उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। हैदराबाद की मुक्ति में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवावस्था में श्री राम मनोहर लोहिया के साथ उनके जुड़ाव ने उनकी वैचारिक यात्रा को आकार दिया। उन्होंने राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों से प्रभावित होकर, 1955 में समाजवादी पार्टी की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में आंध्र प्रदेश विधानमंडल के सदस्य के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने लगातार अपना समय और ऊर्जा लोगों और उनके उत्थान के लिए समर्पित की। वे कई पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य भी रहे। 2003 में उनके निधन के बाद भी, 2004 में स्थापित बद्रीविशाल पित्ती ट्रस्ट के माध्यम से उनकी विरासत जारी है। यह देखकर प्रसन्नता हुई कि उनके पुत्र शारद पित्ती और पोते अक्षय उनके द्वारा स्थापित परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि राजनीतिक जीवन में बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती से बहुत ही प्रेरणा मिली है वे सच्चे अर्थों में समाज सेवी थे जिन्होंने न केवल राजनीति में बल्कि शिक्षा, कला, मानव सेवा को भी जीवंत कर सहायता से अपना नाम इतिहास में दर्ज करवाया है। बदरीविशाल पित्ती ने जो सेवा का क्रम जारी रखा था उनको शरद बी.पित्ती और अक्षय पित्ती व पूरा पित्ती परिवार चलाकर आदर्श स्थापित किया है।

अवसर पर सभी का स्वागत ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती ने करते हुए ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों से सभी को अवगत करवाया। सेवा के अंतर्गत अनाथालय, वृद्धाश्रम एवं सरकारी स्कूलों में आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध करवाकर उनके जीवन स्तर को बढाया जा रहा है। शरद बी.पित्ती ने बताया कि बत्तिनी गौड़ द्वारा दमा रोग के निवारण के लिए दिये जाने वाले मछली प्रसादम के दौरान मेगा कैंप 3-4 दिनों के लिए लगाया जाता है जिसमें 70000 से अधिक लोगों को निशुल्क भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा वर्ष में 18 निशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता है जिसमें नेत्र जांच, दंत जांच, हृदय रोग, अस्थि रोग, स्त्री रोग, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन, ईसीजी 2डी ईको, बीएमडी, ईएनटी, आरबीएस व रक्तचाप की जांच कर निशुल्क दवाई एवं चश्में दिये जाते हैं। इनमें मेडिकवर अस्पताल, किम्स सनशाइन अस्पताल, टीएक्स अस्पताल मुख्य सहयोगी है।

अवसर पर मुख्य अतिथि जस्टिस रमना राव का परिचय राधिका पित्ती ने दिया तथा पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का परिचय आशीष पित्ती ने दिया। कार्यक्रम का आभार ट्रस्टी अक्षय पित्ती ने व्यक्त किया तथा रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अवसर पर जस्टिस सुदर्शन रेड्डी, अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, कैलाश केडिया, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष बद्रीविशाल बंसल, विनय सी अग्रवाल, अजित गुप्ता, उमेश अग्रवाल, दुर्गाप्रशाद नरेठा, मनीष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सुरेन्द्र अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, नरेश चौधरी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड, डॉ. मोहन गुप्ता, अग्रवाल समाज के मानद मंत्री विकास कुमार केशान, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, समाज सेवी गोपाल सिंह सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## अस्पतालों में आईएएस नियुक्ति प्रस्ताव का डॉक्टरों ने किया विरोध

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। स्वास्थ्यकर्मियों ने शिक्षण अस्पतालों के प्रमुख के रूप में आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन और तेलंगाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने सरकारी अस्पतालों में प्रशासनिक प्रमुख के रूप में ग्रुप-I और ग्रुप-II अधिकारियों की नियुक्ति की योजना पर नाराजगी जताई है।

डॉक्टरों का कहना है कि एआईआईएमएस, जेआईपीएमईआर और पीजीआईएमईआर जैसे राष्ट्रीय संस्थान इस तरह का मॉडल नहीं अपनाते हैं। वहीं डब्ल्यूएचओ और सीडीसी जैसे वैश्विक संगठनों का नेतृत्व भी चिकित्सा विशेषज्ञ ही करते हैं। डॉक्टर संगठनों ने सुझाव दिया कि सरकार बाहरी नौकरशाहों को लाने के बजाय मौजूदा अधीक्षकों और प्रधानाचार्यों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार दे, ताकि अस्पतालों की कार्यप्रणाली बेहतर हो सके।

उन्होंने कहा कि आधुनिक अस्पताल प्रशासन एक विशेष क्षेत्र है, जिसमें चिकित्सा ज्ञान और प्रबंधन कौशल दोनों की जरूरत होती है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पताल प्रशासन में एमडी एक तीन वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स है, जो डॉक्टरों को अस्पताल संचालन, गुणवत्ता, मरीज सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन में प्रशिक्षित करता है।

# प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

## बीआरएस के...

उन्होंने कहा कि बीआरएस केवल हाउस कमेटी के बहाने अपने कुछ सदस्यों के जरिए मंत्री को ब्लैकमेल करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने साफ-साफ कहा कि अगर विपक्ष के पास कोई सबूत है, तो वे उसे सीबी-सीआईडी के सामने पेश करें।

**31 मार्च को समाप्त हो रहा है तेलंगाना का बजट सत्र :** स्पीकर ने भी विधायकों से कई बार अपील की। जब वे नहीं माने तो स्पीकर ने हंगामा करने वाले सभी विधायकों को सदन के बाहर का रास्ता दिखा दिया। निलंबित होने वाले विधायकों की लिस्ट में बीआरएस नेता टी हरीश राव, केटी रामाराव, श्रीनिवास यादव, जगदीश रेड्डी और गंगुला कमलाकर शामिल हैं। तेलंगाना का बजट सत्र 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। निलंबन के बाद बीआरएस विधायकों ने विधानसभा परिसर में ही धरने पर बैठकर विरोध दर्ज किया।

## केरल में पीएम...

अगर राज्य में भाजपा सरकार आई तो इनके सारे घोटालों की जांच कराई जाएगी और केरल की जनता को न्याय दिलाएगी। पीएम ने कहा, केरल में बनने वाली एनडीए सरकार राज्य का तेज विकास करेगी और यह 'मोदी की गारंटी' है।

**पश्चिम एशिया पर कही ये बात :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, इस समय पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर सबकी नजर है। इस युद्ध का प्रभाव भारत पर कम से कम पड़े इसके लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही मैं इन देशों के सभी राष्ट्राध्यक्षों से संपर्क में हूं। सारे देश युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस संवेदनशील मामले में कांग्रेस किस तरह राजनीति कर रही है वह भी आपको याद रखना है, कांग्रेस जिस तरह के बयान दे रही है वह खतरनाक है। कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देशों में रहने वाले करीब 1 करोड़ भारतीयों की जिंदगी खतरे में पड़ जाए और फिर कांग्रेस इसका सियासी फायदा उठा सके।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# आर अश्विन अब अमेरिका में खेलेंगे क्रिकेट

## सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार; 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था

वाशिंगटन डीसी, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्चिन अब अमेरिका की टी-20 लीग में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने आगामी मेजर लीग क्रिकेट सीजन के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम से करार किया है। इसके साथ ही वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले पूर्व भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी बन गए हैं।

**दिसंबर 2024 में लिया था इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास**

अश्विन ने साल 2024 के अंत में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद 2025 के आईपीएल में वे सीएसके की तरफ से खेलते नजर आए थे, हालांकि वह सीजन उनके लिए बहुत खास नहीं रहा था। आईपीएल खत्म होने के बाद उन्होंने इस लीग से भी संन्यास का ऐलान कर दिया था। अब संन्यास के बाद वे ग्लोबल लीग्स का रुख कर रहे हैं।

**पहली बार आईपीएल के बाहर किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलेंगे**

अपने लंबे और सफल करियर में अश्विन ने भारत के बाहर किसी भी टी-20 लीग में हिस्सा नहीं लिया है। यह पहला मौका होगा जब वे आईपीएल के अलावा किसी ग्लोबल फ्रेंचाइजी कॉम्पिटिशन में खेलेंगे।

इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के साथ करार किया था, लेकिन घुटने की सर्जरी के कारण वे उस समय खेल नहीं पाए थे।

अमेरिका में खेलने को लेकर अश्विन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'हाल ही में मैंने डलास में एक एग्जीबिशन मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों के बीच क्रिकेट को लेकर जो दीवानगी देखी, उसने मुझे हैरान कर दिया। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल में रुचि दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं एमएससी का हिस्सा बनना चाहता था।

साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इससे पहले अमेरिका खुद को क्रिकेट के बड़े डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है। एमएलसी के चीफ एग्जीक्यूटिव जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे कद के खिलाड़ी का हमारे साथ जुड़ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग ने कितनी तरक्की की है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं।

मेजर लीग क्रिकेट में आईपीएल का गहरा कनेक्शन है। लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक वही ग्रुप्स हैं जिनके पास आईपीएल टीमें हैं। इनमें एमआई न्यूयॉर्क, टेक्सास सुपर किंग्स और एलए नाइट राइडर्स शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में राजस्थान रॉयल्स को भी अमेरिका के बड़े निवेशकों ने खरीदा है, जिसमें एनएफएल टीमों के मालिक भी शामिल हैं।

**18 जून से शुरू होगा चौथा सीजन, ओकलैंड में होगा फाइनल**

एमएलसी का चौथा सीजन यानी 2026 सीजन 18 जून से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट टेक्सास, लॉस एंजिल्स और ओकलैंड में खेला जाएगा। इसका फाइनल मुकाबला 18 जुलाई को ओकलैंड कोलिजियम में होगा। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे।

# पीएम मोदी ने रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को सराहा

## विश्वकप विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया। वहीं, पहला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली जम्मू-कश्मीर की टीम को भी सराहा। भारत ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। पीएम मोदी ने भारतीय टीम को मिली इस जीत पर 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों देशभर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह महीना जोश और उत्साह से भर देने वाला रहा है। जब भारत ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो देश में हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई। अपनी टीम की इस शानदार सफलता पर हम सभी को बहुत गर्व है।

**जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत का किया जिक्र**

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर की ऐतिसाहिक जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पिछले महीने के आखिर में कर्नाटक के हुबली में एक बहुत ही रोचक मुकाबला देखने को मिला। इस मुकाबले को जीतकर जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। सबसे खुशी की बात है कि करीब सात दशकों के लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने अपना पहला रणजी खिताब हासिल किया। यह अभूतपूर्व सफलता खिलाड़ियों के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कौशल दिखाया। अपने नेतृत्व से इस जीत में उन्होंने अहम योगदान दिया।

**आकिब नबी के प्रदर्शन को सराहा**

पीएम मोदी ने कहा, आज देश में कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है, जिन्होंने रणजी सीजन में 60 विकेट लिए हैं। इस जीत से टीम के खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत रोमांचित हैं। क्रिकेट के मैदान में इस शानदार प्रदर्शन के बाद वहां के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ गया है। आने वाले समय में यह कई युवाओं को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों में खेलों को लेकर गजब का जज्बा रहा है। मुझे खुशी है कि अब यह बड़े खेल आयोजनों का हब भी बनता जा रहा है। खेल इंडिया शीतकालीन खेल के लिए गुलमर्ग तो पहले ही अपनी पहचान बना चुका है। फुटबॉल जैसे खेल भी यहां के युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। मुझे आशा है कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की जीत का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

**स्क्वाश और एथलेटिक्स को लेकर क्या बोले पीएम?**

पीएम मोदी ने कहा, स्क्वाश खिलाड़ी बेटी अनाहत सिंह ने स्क्वाश ऑन फायर का बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। सिर्फ 17 साल की उम्र में उन्होंने ये सफलता हासिल की इसके साथ ही वे पीएसए विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली एथलीट गुलवीर सिंह ने कुछ ही हफ्ते पहले न्यूयॉर्क सिटी हॉफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच डाला। वे एक घंटे से कम समय में हॉफ मैराथन को पूरा करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे अस्मिता एथलेटिक्स लीग की जानकारी भी मिली है। इसमें आठ मार्च को महिला दिवस के अवसर पर कई खेल इवेंट्स का शानदार आयोजन किया गया। लीग में करीब दो लाख बेटियों ने भागीदारी की। ये देखकर अच्छा लगता है कि भारत की नारीशक्ति देश में हो रहे इस स्पोर्टिंग परिवर्तन में अहम भूमिका निभा रही है।

# अरिना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन का खिताब

## फाइनल में कोको गॉफ को हराया; पूरा किया सनशाइन डबल

मियामी, 29 मार्च (एजेंसियां)। अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के खिताब को अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियातेक के बाद सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनका लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले एश्ले बार्टी (2019 और 2021) और सेरेना विलियम्स (2013 से 2015) ही लगातार यह टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है।

**सबालेंका का कीर्तिमान**

सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक यह कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं जो साल के अपने पहले चार टूर्नामेंट (मार्टिना हिंगिस, 2001, सेरेना विलियम्स, 2003, और विक्टोरिया अजारेंका, 2012) के फाइनल में पहुंची हैं। ये सभी टूर्नामेंट हार्ड कोर्ट पर हुए हैं। उन्होंने इनमें से तीन जीते, जिसमें ब्रिस्बेन और सनशाइन डबल शामिल हैं।

खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा, यह खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है और मैंने बस वही किया। यह सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे कर पाई, लेकिन अभी मुझे बहुत गर्व है। बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं।

**नंबर पर स्थिति मजबूत की**

यह जीत उनके करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल मिलाकर 30वां खिताब है जिसमें छह युगल खिताब भी शामिल हैं। इनमें चार ग्रैंडस्लैम एकल खिताब, दो डबल्स, 11 डब्ल्यूटीए 1000 सिंगल्स टाइटल और दो डबल्स खिताब शामिल हैं। सबालेंका लंबे समय से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हुई हैं और अब उनकी यह स्थिति और मजबूत हो गई है। सबालेंका ने अब तक विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में कुल 83 हफ्ते बिताए हैं। इसमें उनका मौजूदा शानदार दौर भी शामिल है जो लगातार 75 हफ्तों तक पहुंच चुका है। सोमवार को वह लगातार 76वें हफ्ते के लिए नंबर एक बनी रहेंगी। इसके साथ ही वह इगा स्वियातेक के सबसे लंबे नंबर एक रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। हालांकि, उनसे आगे अभी एश्ले बार्टी हैं, जिन्होंने सितंबर 2019 से मार्च 2022 तक लगातार 114 हफ्तों तक नंबर 1 की कुर्सी संभाली थी। उस दौरान कोविड-19 महामारी की वजह से रैंकिंग कुछ समय के लिए रुकी भी थी।

# आईपीएल 2026 का विवाद नंबर 1

## आरसीबी बनाम एसआरएच मैच में ऐसा क्या हुआ जिस पर मचा बवाल?

बेंगलुरु, 29 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत जोरदार हुई. आरसीबी बनाम एसआरएच मुकाबले में रन दोनों टीमों की ओर से बरसे. मतलब, दर्शकों के लिए रोमांच भरपूर रहा. लेकिन, रोमांचक मुकाबले के साथ शुरू होने वाले आईपीएल 2026 को विवाद ने भी जकड़ लिया है. आईपीएल के नए सीजन का विवाद नंबर 1 सामने आ चुका है. इस विवाद के तार आरसीबी और एसआरएच के बीच खेले पहले ही मैच में मचे बवाल से जुड़े हैं. जिसे लेकर सोशल मीडिया तक पर बातें चल रही हैं.

अब सवाल है कि वो विवाद है क्या? आरसीबी और एसआरएच के बीच खेले आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में आखिर ऐसा क्या हुआ? दरअसल, ये पूरी घटना मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की इनिंग के 14वें ओवर से जुड़ी है. आरसीबी की ओर से ये ओवर डालने रोमारियो शेफर्ड आए. उनकी पहली ही गेंद पर स्ट्राइक पर खड़े एसआरएच के इनफॉर्म बल्लेबाज हेनरिक क्लासन ने बड़ा शॉट खेला. लेकिन, आरसीबी के तेज-तर्रार फील्ड फिल सॉल्ट ने गेंद को बाउंड्री लाइन क्रॉस करने से पहले ही लपक लिया. हालांकि, इस बीच ऐसा लगा कि सॉल्ट के पैर बाउंड्री लाइन में टच हो गए. मगर थर्ड अंपायर ने उसे नजरअंदाज कर क्लासन को आउट दे दिया. बस वहीं से विवाद खड़ा हो गया.

थर्ड अंपायर ने तो खुशी-खुशी अपने फैसले पर मुहर लगा दी लेकिन क्लासन उससे नाराज हो गए. वो अंपायर से फैसले को लेकर बातचीत भी करते दिखे. आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में अंपायरिंग पर उठे सवाल से मुद्दा गरमा गया, जिसकी आंच सोशल मीडिया पर भी देखने को मिली.

हेनरिक क्लासन जिस वक्त आउट हुए वो 31 रन बनाकर खेल रहे थे और ईशान किशन के साथ 97 रन की पार्टनरशिप कर चुके थे.

# पीएसएल 2026: *स्टीव स्मिथ ने डेब्यू पर उड़ाए सबसे ज्यादा छक्के, 5 विकेट से जीती टीम*

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग में डेब्यू करने वाले बड़े विदेशी नामों में अब ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ का भी नाम जुड़ गया. स्टीव स्मिथ ने 28 मार्च को इस्लामाबाद यूनाइटेड और मुल्तान सुल्तांस के बीच खेले मुकाबले में डेब्यू किया. इस मैच में स्मिथ, मुल्तान सुल्तांस का हिस्सा थे, जिसने इस्लामाबाद यूनाइटेड को 5 विकेट से हराया. स्टीव स्मिथ के डेब्यू के अलावा ये मुकाबला दो सगे भाइयों के टकराव का भी गवाह बना. ऑलराउंडर बड़ा भाई जहां स्टीव स्मिथ के साथ मुल्तान सुल्तांस से खेल रहा था. वहीं छोटे भाई ने मैच में इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए ओपनर की भूमिका निभाई थी.

स्मिथ ने पीएसएल डेब्यू पर लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस्लामाबाद यूनाइटेड और मुल्तान सुल्तांस के बीच पीएसएल के मुकाबले में स्टीव स्मिथ ने डेब्यू जरूर किया. मगर उन्हें खेलते देखकर जरा भी नहीं लगा कि उन्हें कोई दिक्कत या परेशानी है. पीएसएल के अपने पहले ही मैच में वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए . इस मुकाबले में दोनों टीमों के मिलाकर कुल 13 छक्के लगे.

**इस्लामाबाद यूनाइटेड ने बनाए 171 रन**

इस्लामाबाद यूनाइटेड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 छक्के के साथ 20 ओवर में 8 विकेट पर 171 रन बनाए. इस्लामाबाद यूनाइटेड की ओर से मार्क चैपमैन सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 21 गेंदों में 2 छक्के के साथ 40 रन बनाए. वहीं 21 गेंदों पर 28 रन बनाने वाले ओपनर समीर मिन्हास टीम के दूसरे सफल बल्लेबाज रहे. मुल्तान सुल्तांस की ओर से मोमीन कमर 3 विकेट लेकर टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे.

मुल्तान सुल्तांस ने चेज किया लक्ष्य, स्मिथ ने लगाए सबसे ज्यादा छक्के

मुल्तान सुल्तांस को 172 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 18.4 ओवर में ही चेज कर लिया. मुल्तान सुल्तांस के लिए सबसे ज्यादा 55 रन, 35 गेंदों पर भले ही जोश फिलिप्स ने बनाए. मगर सबसे ज्यादा छक्के स्टीव स्मिथ के बल्ले से निकले. मुल्तान सुल्तांस की इनिंग में कुल 7 छक्के लगे, जिसमें से 3 छक्के स्टीव स्मिथ ने जमाए. उन्होंने पीएसएल में खेली अपनी डेब्यू पारी में 3 छक्कों के साथ 21 गेंदों पर 31 रन बनाए.

# शशांक सिंह का गोल, इम्पैक्टफुल पारियां

## टीम को चैंपियन बनाने पर पूरा फोकस, कल गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी पंजाब किंग्स

भिलाई, 29 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के फिनिशर शशांक सिंह ने आईपीएल 2026 से पहले अपने गोल को लेकर साफ कहा है कि इस सीजन उनका पूरा फोकस इम्पैक्टफुल पारियां खेलने पर रहेगा। उन्होंने बताया कि उनका मकसद ज्यादा रन बनाना या व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागना नहीं, बल्कि टीम के लिए मैच जिताने वाली भूमिका निभाना है।

> इस सीजन मेरा एक ही मकसद है, टीम को जिताना और खिताब जीतना, क्योंकि मैं भी ट्रॉफी के साथ फोटो लेना चाहता हूं।
>
> शशांक सिंह
> पंजाब किंग्स

जियोस्टार प्रेस रूम में दैनिक भास्कर के सवाल पर शशांक ने कहा, उनका बल्लेबाजी क्रम ऐसा है, जहां उन्हें अक्सर दबाव में क्रीज पर आना पड़ता है। ऐसे में उनकी पहली प्राथमिकता हर हाल में टीम को जीत दिलाना होती है।

पिछले सीजन को याद करते हुए उन्होंने कहा, शुरुआत में उन्हें अपने रोल को लेकर ज्यादा स्पष्टता नहीं थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन्हें फिनिशर की जिम्मेदारी दी। अब वे अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। शशांक ने कहा कि 20 गेंदों में 50 रन जैसी पारियां खेलना ही उनका असली काम है और इस बार भी उनका टारगेट यही रहेगा। उन्होंने साफ किया कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा जरूरी टीम की जीत और खिताब है।

**31 मई को हम चिन्नास्वामी में खेलेंगे और कप उठाएंगे**

शशांक ने कहा, मुझे पता है कि 31 मई को हम चिन्नास्वामी में खेलेंगे और कप उठाएंगे। यह सिर्फ एक एहसास नहीं है, मुझे यह पता है यह होगा। यह खुद पर और टीम पर भरोसा है।

सब एक ही पेज पर हैं। सबमें आत्मविश्वास है। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे क्योंकि आखिरी मकसद ट्रॉफी जीतना है। अगर हम सोचते रहे कि हम पिछले साल फाइनल में पहुंचे थे, तो हम पर बहुत दबाव होगा। इसलिए हमारा अभी का मकसद गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने पहले मैच, फिर चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने मैच की तैयारी करना है।

**पंजाब का पहला मैच 31 मार्च को**

आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबले से हुई। पंजाब किंग्स अपने अभियान की शुरुआत न्यू चंडीगढ़ में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 31 मार्च को करेगी।

**पंजाब पिछले सीजन का फाइनल 6 रन से हारी थी**

पंजाब ने पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन किया। लीग स्टेज में टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही थी। उन्होंने उस मोमेंटम को प्लेऑफ में भी जारी रखा, लेकिन फाइनल में आरसीबी से करीबी मुकाबले में 6 रन से हार झेलनी पड़ी।

# प्लेयर ऑफ द मैच बनने पर मिलते हैं कितने पैसे?

## एक अवॉर्ड ने दिखा दी पूरे पाकिस्तान की औकात

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट की दुनिया में भारत की आईपीएल और पाकिस्तान की पीएसएल के बीच अक्सर तुलना की जाती है, लेकिन हालिया आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि पीएसएल के बड़े दावे केवल हवाई बातें और हवाबाजी ही नजर आते हैं। आईपीएल 2026 के पहले ही मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के गेंदबाज जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 1 लाख भारतीय रुपये की प्राइज मनी दी गई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान में चल रहे पीएसएल के एक मुकाबले में पेशावर जाल्मी के माइकल ब्रेसवेल को भी प्लेयर ऑफ द मैच बनने पर 5 लाख रुपये ही मिले, लेकिन असल खेल करेंसी की वैल्यू में छिपा था। कहने को तो जैकब डफी को 1 लाख और माइकल ब्रेसवेल को 5 लाख की राशि मिली है, लेकिन जब हम इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में असल कीमत देखते हैं, तो पाकिस्तान की लीग ज्यादा आगे नजर नहीं आती है। जैकब डफी को मिले 1 लाख भारतीय रुपये अपनी पूरी वैल्यू रखते हैं, जबकि माइकल ब्रेसवेल को मिले 5 लाख पाकिस्तानी रुपये भारतीय करेंसी के हिसाब से महज 1 लाख 42 हजार रुपये के बराबर ही ठहरते हैं। आपको बता दें कि आईपीएल में सिर्फ प्लेयर ऑफ द मैच का ही खिताब नहीं दिया जाता है। आईपीएल में प्रति मैच सुपर स्ट्राइकर, बेस्ट कैच, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द मैच जैसे खिताब दिए जाते हैं। जिसमें कुल 5 लाख रुपये खर्च होते हैं। यानी आईपीएल का एक मैच में पीएसएल के मैच विनर की तुलना में करीब साढ़े तीन गुना ज्यादा खर्च किए जाते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और वहां के विशेषज्ञ अक्सर यह दावा करते रहते हैं कि उनकी लीग आईपीएल को टक्कर देती है और दुनिया की सबसे बड़ी लीगों में शामिल है। लेकिन प्राइज मनी का यह मामूली स्तर हकीकत कुछ और ही बयान करता है।

जहां आईपीएल में एक मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को मिलने वाली राशि एक सम्मानजनक और बड़ी पूंजी होती है, वहीं पीएसएल में वही सम्मान राशि भारतीय रुपयों में बदलने पर काफी मामूली रह जाती है। यह साफ तौर पर दिखाता है कि आईपीएल का आर्थिक ढांचा, स्पॉन्सरशिप और ब्रांड वैल्यू पीएसएल के मुकाबले कहीं ज्यादा विशाल है और पाकिस्तान के दावे सिर्फ बयानबाजी तक ही सीमित हैं।

# सीएम के खिलाफ ट्वीट करना नसीम शाह को पड़ा भारी, पीसीबी ने लिया बड़ा एक्शन

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 की शुरुआत में ही एक बड़ा विवाद सामने आया है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज नसीम शाह एक सोशल मीडिया पोस्ट पर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है. जिसके चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नसीम शाह को नोटिस जारी कर दिया है. नसीम ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट और मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन किया है. नसीम शाह ने पीसीबी के एक अधिकारिक पोस्ट को कोट करते हुए ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने मरियम नवाज के स्टेडियम में मौजूद होने पर सवाल उठाया. उन्होंने लिखा, उन्हें लॉर्ड्स की क्वीन की तरह क्यों ट्रीट किया जा रहा है? हालांकि, ट्वीट कुछ मिनट बाद डिलीट कर दिया गया. ऐसे में पीसीबी ने नसीम शाह को शो-कॉज नोटिस भेजा है. बोर्ड का कहना है कि खिलाड़ी की तरफ से जवाब मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी. पीसीबी के कोड ऑफ कंडक्ट की धारा 2.23 के तहत सार्वजनिक रूप से बोर्ड, उसके अधिकारियों या नीतियों की आलोचना करना मना है.

# अवैध खनन मामले में सीबीआई जांच के लिए तैयार : रेवंत रेड्डी

## मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी के इस्तीफे का सवाल ही नहीं

## पूर्व सीएम केसीआर पर 'दलित विरोधी' होने का आरोप

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि यदि विपक्ष सीबीसीआईडी जांच पर संदेह व्यक्त करता है, तो राज्य सरकार अवैध खनन मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि यदि अवैध खनन में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी या स्वयं मुख्यमंत्री के परिवार की संलिप्तता पाई जाती है, तो सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, किसी का पद या हैसियत चाहे जो भी हो, दोषी पाए जाने पर कार्रवाई अवश्य होगी। साथ ही उन्होंने पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के इस्तीफे की मांग को खारिज कर दिया।

उन्होंने बताया कि खनन विभाग ने वर्ष 2025 में राघव कंस्ट्रक्शन्स से बकाया कर की वसूली कर ली है। विपक्ष द्वारा इस मामले में हाउस कमेटी गठित करने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार ने तीन हाउस कमेटियां गठित कर उनका दुरुपयोग किया, कुछ व्यक्तियों को ब्लैकमेल किया और उनकी संपत्तियां जब्त कीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस ने राजनीतिक लाभ के लिए दल-बदल को प्रोत्साहित किया। उन्होंने हरीश राव और केटीआर से अपील की कि यदि उनके पास कोई साक्ष्य है तो उसे सीबीसीआईडी को सौंपें, ताकि आगे की जांच की जा सके। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले में व्यापक जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर हाउस कमेटी गठित करने पर सरकार विचार करेगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर बीआरएस शासनकाल और वर्तमान में विपक्ष के रूप में दलितों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए तीखी आलोचना की।

विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना का पहला मुख्यमंत्री दलित समुदाय से बनाने का वादा किया था, लेकिन बाद में स्वयं मुख्यमंत्री बनकर पूरे दलित समाज को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि दूसरे कार्यकाल में केसीआर ने उप-मुख्यमंत्री का पद समाप्त कर दलित समुदाय का अपमान किया। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में केवल कोप्पुला ईश्वर को ही मंत्रिमंडल में स्थान देकर दलित नेताओं की उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सरकार से सवाल पूछने पर विपक्ष के नेता भट्टी विक्रमार्का को पद से हटाया गया। केसीआर एक दलित नेता को विपक्ष का नेता के रूप में बर्दाश्त नहीं कर सके क्योंकि वह सरकार से सवाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भट्टी विक्रमार्का, दामोदर राजा नरसिम्हा, सीतक्का, विवेक वेंकटस्वामी, अड्लुरी लक्ष्मण, रामचंद्र नायक, वेमुला वीरेशम और अदांकी दयाकर जैसे कई दलित नेताओं को सरकार में प्रमुख पद दिए गए हैं, जबकि पिछली बीआरएस सरकार में केवल केटीआर, हरीश राव, दयाकर राव और विंदो राव को प्राथमिकता दी गई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर विधानसभा में इसलिए नहीं आ रहे हैं क्योंकि वे सदन में एक दलित स्पीकर का सामना नहीं करना चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस सदस्य लगातार सदन की कार्यवाही में बाधा डालकर स्पीकर का अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पीकर से अपील की कि बीआरएस विधायक पी. कौशिक रेड्डी के अव्यवस्थित आचरण पर कार्रवाई की जाए और हरीश राव के सुझाव के अनुसार इस मामले को एथिक्स कमेटी को भेजा जाए।

## विधानसभा में विधायक दानम नागेंद्र के बयानों पर हंगामा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के चल रहे सत्र के दौरान आज हंगामा देखने को मिला। बीआरएस पार्टी के विधायक सदन में भारी प्रदर्शन करते हुए बेल की ओर दौड़े और नारेबाजी की। कार्यवाही के बीच पूर्व मंत्री और वर्तमान खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र के बयानों ने सदन में भूचाल ला दिया। उन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल में की गई भूमि आवंटनों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विशेष रूप से उनके आरोप बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के खिलाफ चर्चा का विषय बन गए। इस मामले पर बोलते हुए विधायक दानम नागेंद्र ने आरोप लगाया कि उन्हें अपनी जमीन निजी कंपनी को हस्तांतरित करनी पड़ी और चूंकि उस समय केटीआर सत्ता के शीर्ष पर थे, उन्हें इस वजह से भारी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं हैदराबाद में पैदा हुआ और बड़ा हुआ, फिर भी उस समय मैं असहाय था। मुझे चुप रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मैं मांग करता हूं कि राज्य सरकार तुरंत एक हाउस कमेटी गठित करे ताकि इन भूमि हस्तांतरणों में शामिल अनियमितताओं का पता लगाया जा सके। मेरे पास इन अनियमितताओं से जुड़े सभी प्रमाण और दस्तावेज हैं। मैं इन्हें सरकार की मांग पर सौंपने के लिए तैयार हूं। केवल मुझे ही पता है कि मैंने व्यक्तिगत रूप से कितना नुकसान सहा है। यह आवश्यक है कि ये सभी तथ्य सार्वजनिक हों।

# मंत्री पोंगुलेटी के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई तो राज्यपाल के पास जाएंगे : केटीआर

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के खिलाफ भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोपों के चलते तत्काल बर्खास्तगी की मांग की है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने चेतावनी दी कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो पार्टी औपचारिक शिकायत के साथ राज्यपाल के पास जाएगी और आवश्यक होने पर इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर सीधे जनता के समक्ष ले जाएगी।

केटीआर ने मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि बीआरएस विधानसभा दल के उपनेता टी. हरीश राव द्वारा किए गए खुलासों के बाद सरकार हिल गई है। उन्होंने कहा कि हरीश राव ने सरकारी दस्तावेज़ों के आधार पर एक बड़े घोटाले का खुलासा किया, जिसमें राज्य सरकार के नंबर 2 दर्जे के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम शामिल है। मंत्री के परिवार से जुड़े कंपनी ने नियमों का उल्लंघन किया और अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त पाया गया। केटीआर ने सवाल किया कि अन्य कंपनियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई क्यों की गई, लेकिन राघव कंस्ट्रक्शंस के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने संदेह जताया कि क्या इस निष्क्रियता का कारण मंत्री के साथ कंपनी का संबंध है या मुख्यमंत्री की स्वयं की संलिप्तता। केटीआर ने कहा कि हरीश राव के खुलासे के बाद मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि वास्तव में अनियमितताएं हुई थीं। लेकिन जिम्मेदारी लेने के बजाय उन्होंने यह दावा किया कि यह मुद्दा सरकार ने स्वयं उजागर किया। केटीआर ने मुख्यमंत्री के इस कथन की आलोचना की कि कंपनी "मंत्री पोंगुलेटी के दूर के रिश्तेदारों" की है, इसे असंगत और अविश्वसनीय बताया।

केटीआर ने कहा कि मंत्री की पत्नी, पुत्र और भाई सीधे कंपनी से जुड़े हैं और मंत्री स्वयं 2020 से 2022 तक इसके चेयरमैन रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री के विरोधी और भ्रामक बयानों को सरकार की विश्वसनीयता की कमी के रूप में देखा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का राघव कंस्ट्रक्शंस की मजबूत रक्षा करना उनके स्वयं के संलिप्त होने का संकेत है। उन्होंने कोडंगल लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के तहत उसी कंपनी को अनुबंध आवंटित किए जाने और राज्य में बड़े पैमाने पर भूमि अनियमितताओं पर चिंता जताई। केटीआर ने खनन मंत्री की 4 लाख रुपये की मामूली समस्या बताने वाली टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केवल एक दिन में 32 लाख रुपये के उल्लंघन पाए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह लंबी अवधि तक चलने वाला बड़ा घोटाला है। केटीआर ने कहा कि एक अन्य कंपनी, भग्यलक्ष्मी माइनिंग (जो कोकापेट में स्थित है) मुख्यमंत्री के करीबी रिश्तेदार से जुड़ी है। उन्होंने खनन राजस्व में अंतर पर सवाल उठाया और कहा कि जबकि सरकार राजस्व में वृद्धि का दावा कर रही है, वास्तविकता में 1,700-1,800 करोड़ रुपये की अपेक्षा के बजाय केवल लगभग 900 करोड़ ही प्राप्त हो रहे हैं, जिससे फंड के गबन की गंभीर चिंता है।

बीआरएस ने मंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य संबंधितों की भूमिका की जांच के लिए एक हाउस कमिटी के गठन की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले भी ओबुलापुरम खनन मामले जैसी घटनाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हाउस कमिटी द्वारा जांच की गई थी। केटीआर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भी आलोचना की कि उसने जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम नहीं किया और आरोप लगाया कि विधानसभा में इसके सदस्य सरकार का समर्थन करते दिखे।

## बीआरएस ने मुख्यमंत्री से भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग की

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखकर राज्य में कथित भ्रष्टाचार और घोटालों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। बीआरएस ने कहा कि जांच किसी मौजूदा न्यायाधीश या विधानसभा समिति से कराई जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष हो सके। पार्टी ने यह भी कहा कि जिन लोगों पर आरोप हैं, उन्हें जांच पूरी होने तक अपने पद छोड़ देने चाहिए। विधायकों ने आरोप लगाया कि पिछले ढाई साल में कई विभागों में अनियमितताएं बढ़ी हैं, जिससे सरकार पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। उनका कहना है कि इन मामलों में मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं की संलिप्तता के आरोप सामने आए हैं, जिससे जनता में चिंता बढ़ी है। बीआरएस ने नागरिक आपूर्ति, ऊर्जा परियोजनाओं, जमीन से जुड़े मामलों और अन्य नीतियों में कथित घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि इनकी गंभीर जांच जरूरी है।

# केवल स्वस्थ युवाओं के माध्यम से ही 'फिट इंडिया' संभव : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि 'फिट इंडिया' का विज़न केवल स्वस्थ युवा वर्ग के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने शहर के नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाज़ा में आयोजित भारत की सबसे बड़ी फिटनेस इवेंट 'युवा भारत रन 2026' में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन एमएलसी मल्का कोमारैया के नेतृत्व में किया गया था। कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और राज्य मंत्री श्रीधर बाबू भी उपस्थित रहे। संबोधन में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि यह दौड़ स्वास्थ्य, एकता, 'विकसित भारत' और 'विकसित तेलंगाना' के लिए समर्पित है। युवा हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। हमारे देश के पास इतनी विशाल युवा जनसंख्या है, जितनी दुनिया के

किसी अन्य देश में नहीं है। अगले 25 वर्षों में अपने देश को 'विकसित भारत' बनाने के हमारे प्रयास में युवा ही परिवर्तन की प्रेरक शक्ति होंगे। यदि हम युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय साझेदार बनाएंगे, तो हमारा देश वैश्विक स्तर पर विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं, क्योंकि उन्होंने सिखाया कि स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती युवाओं के लिए सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा, युवा भारत और फिट इंडिया तभी वास्तविकता बन सकते हैं जब युवा स्वस्थ हों।

## नशे में वाहन चलाने वाले 138 पकड़े गए

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत पर विशेष ड्रंक एंड ड्राइव जांच अभियान चलाया, जिसमें कुल 138 आरोपियों को पकड़ा गया। कुल मामलों में 121 दोपहिया वाहन चालक, 5 तीनपहिया, 11 चारपहिया तथा 1 भारी वाहन चालक शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया कि शराब पीकर वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के अंतर्गत अधिकतम 10 वर्ष की सजा और जुर्माना का प्रावधान है। पिछले सप्ताह (23 मार्च से 28 मार्च) के दौरान कुल 403 ड्रंक एंड ड्राइव मामलों का न्यायालय में निपटारा किया गया, जिनमें सभी 403 व्यक्तियों पर केवल जुर्माना लगाया गया।

# तेलंगाना विधानसभा में पारिवारिक देखभाल कानून 2026 पास

## सरकारी कर्मचारियों को अपने माता-पिता का रखना होगा ख्याल

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और गरिमा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तेलंगाना विधानसभा ने तेलंगाना एम्प्लॉइज़ रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड पैरेंटल केयर मॉनिटरिंग बिल, 2026 पास किया। यह बिल समाज कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार द्वारा पेश किया गया। इस कानून के तहत कर्मचारियों की अपने माता-पिता की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारियों को कानूनी रूप दिया गया है। बिल में स्वास्थ्य, आवास और वित्तीय सुरक्षा जैसी आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही तय की गई है। उपेक्षा के मामलों में प्रशासनिक हस्तक्षेप और पालन-प्रणाली लागू करने के प्रावधान भी शामिल हैं। बिल माता-पिता को यह अधिकार देता है कि वे अपने बच्चों से भरण-पोषण की मांग कर सकें और शिकायत निवारण प्रणाली के तहत न्याय पा सकें। इसका उद्देश्य वृद्धजन के परित्याग और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं को रोकना और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करना है। मंत्री लक्ष्मण कुमार ने कहा, माता-पिता की देखभाल करना मूलभूत नैतिक कर्तव्य है। सामाजिक बदलावों के कारण पारंपरिक पारिवारिक मूल्य दबाव में हैं, इसलिए इन जिम्मेदारियों को कानूनी रूप देना आवश्यक हो गया है। यह कानून मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से लाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बिल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक निगरानी तंत्र और शिकायत निवारण प्रणाली बनाई जाएगी, जिससे वृद्ध नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके।

# महिलाओं की बचत से हुए परिवहन शुल्क का आंकड़ा 10 हजार करोड़ के पार

## महालक्ष्मी योजना ने खोला नया अध्याय

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू की गई महालक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा योजना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और राज्य की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर में नई ऊंचाई स्थापित की है। योजना के तहत अब तक महिलाओं द्वारा बचे हुए परिवहन शुल्क का कुल मूल्य 10 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एमडी वी. नागिरेड्डी, आईपीएस ने बताया कि 9 दिसंबर 2023 से योजना की शुरूआत के बाद (लगभग 28 महीनों में), राज्यभर में लगभग 290 करोड़ मुफ्त टिकटों का उपयोग महिला यात्री कर चुकी हैं। पहले, आम महिला, छात्राएं और मजदूर महीने में औसतन 1,500 से 2,500 रुपये तक परिवहन पर खर्च करती थीं। अब यह राशि बचाई जा रही है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूती मिली है। आरटीसी बसों में महिला यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। योजना से पहले यह संख्या 40 प्रतिशत थी, जबकि अब 67 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। रोजाना औसतन 35 लाख से अधिक महिलाएं सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच रही हैं। मुफ्त टिकटों के मूल्य की प्रतिपूर्ति तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा आरटीसी को भुगतान की जा रही है, जिससे आरटीसी की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है और कर्मचारियों की सैलरी तथा अन्य संचालन खर्चों में मदद मिली है। महालक्ष्मी योजना का उद्देश्य केवल मुफ्त यात्रा नहीं है, बल्कि महिलाओं को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करना भी है। महिलाएं गांव से शहर आती हैं, नौकरी करती हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त करती हैं और अपने परिवार के साथ मंदिरों में जाती हैं। आरटीसी एमडी वी. नागिरेड्डी ने बताया कि जल्द ही चिप आधारित स्मार्ट कार्ड प्रणाली शुरू की जाएगी। इससे महिलाओं को आधार कार्ड दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी और यात्रा और भी सहज होगी। बढ़ती मांग को देखते हुए नई बसों को भी सेवा में शामिल किया जा रहा है। कुल 81 प्रतिशत बसें इस योजना में शामिल है। टीजीएसआरटीसी की ओर से महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा की सुविधा देने पर गर्व व्यक्त किया गया और योजना के सफल कार्यान्वयन में योगदान देने वाले कर्मचारियों और सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# उमेश चंद्र की पेशेवर विरासत युवा पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा : शिवधर रेड्डी

## आईपीएस अधिकारी चदलावाड़ा उमेश चंद्र की 60वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एस.आर. नगर में स्वर्गीय आईपीएस अधिकारी चदलावाड़ा उमेश चंद्र की 60वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने दिवंगत अधिकारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उमेश चंद्र की उत्कृष्ट सेवाओं को स्मरण करते हुए डीजीपी ने उनके अद्वितीय साहस, वीरता तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने दिवंगत अधिकारी को पुलिस सेवा में समर्पण और ईमानदारी का प्रतीक बताया। इस अवसर पर डीजीपी ने उमेश चंद्र के जीवन और उनकी विशिष्ट सेवाओं पर आधारित एक पुस्तक का भी लोकार्पण किया। आंध्र प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक च. द्वारका तिरुमला राव, उमेश चंद्र के पिता चदलावाड़ा वेंणुगोपाल राव तथा अन्य कई गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस पुस्तक की प्रस्तावना बी. शिवधर रेड्डी द्वारा लिखी गई है। अपनी प्रस्तावना में उन्होंने उल्लेख किया कि उमेश चंद्र ने अपने पूरे कार्यकाल में अत्यंत निष्ठा के साथ पुलिस विभाग को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने विशेष रूप से उग्रवाद की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान उनके दृढ़ नेतृत्व की सराहना की और इसे जनसुरक्षा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। डीजीपी ने आगे कहा कि एक मार्गदर्शक अधिकारी तथा टीम भावना को बढ़ावा देने वाले नेता के रूप में उमेश चंद्र की पेशेवर विरासत आज भी युवा पुलिसकर्मियों को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक दिवंगत अधिकारी की निष्ठा और सेवाओं को समर्पित एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है।

# तेलंगाना में हो रहा है बड़ा राजनीतिक बदलाव : रामचंदर राव

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि तेलंगाना में बड़ा राजनीतिक बदलाव हो रहा है। भारी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ते जा रहे है। उन्होंने कहा कि आगामी जीएचएमसी चुनावों से पहले तेलंगाना में भाजपा को बड़ा बढ़ावा मिलता दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवा, स्थानीय वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य तथा विभिन्न दलों के नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। रविवार को दिलसुखनगर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में बड़ी संख्या में युवा और स्थानीय संगठनों के सदस्य पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि पार्टी में लगातार लोगों का शामिल होना राज्य में 'आसन्न राजनीतिक परिवर्तन' का स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव होने वाला है। उन्होंने कहा कि पार्टी के राज्य मुख्यालय में लगभग प्रतिदिन शामिल होने के कार्यक्रम हो रहे हैं। केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि स्थानीय निवासी कल्याण

संघ और युवा भी भाजपा को चुन रहे हैं। बीआरएस और कांग्रेस के पूर्व सरपंच एवं कार्यकर्ता यह समझ रहे हैं कि तेलंगाना के भविष्य के लिए भाजपा ही एक विश्वसनीय विकल्प है। कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए मूसी नदी के किनारे मंदिर, मस्जिद और चर्च निर्माण जैसे मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में बना राम मंदिर सरकारी धन से नहीं, बल्कि लोगों के योगदान और विश्वास से निर्मित हुआ है। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस के दस वर्षों के शासनकाल में शहर की उपेक्षा हुई और वर्तमान कांग्रेस सरकार में भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने हैदराबाद के आसपास राष्ट्रीय राजमार्गों और बेहतर कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और 'स्टैंड अप इंडिया' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे रक्षा और मोबाइल निर्माण इकाइयों की स्थापना हुई, जिससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। ईंधन की कमी के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ कीमतों को नियंत्रित करने का भी प्रयास किया है, जिससे आम जनता को राहत मिली है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बुद्धिजीवियों, महिलाओं और युवाओं से आगामी जीएचएमसी चुनावों में भाजपा का समर्थन करने की अपील की, ताकि 'परिवारवाद' और 'भ्रष्ट कांग्रेस शासन' का अंत किया जा सके। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 6 अप्रैल को भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर अपने घरों पर पार्टी का झंडा फहराने का आह्वान किया।

## समन्वय की कमी से साइबर अपराधियों को मिल रहा फायदा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सामने आए एक मामले से यह संकेत मिल रहा है कि पुलिस विभागों के बीच समन्वय की कमी का फायदा उठाकर साइबर अपराधी देशभर में आसानी से ठगी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एक पीड़ित से साइबर ठगों ने पैसे ठगकर एक बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। जांच में पता चला कि यह खाता फर्जी था और तेलंगाना के एक जिले में खोला गया था। पुलिस ने मामले की जानकारी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर अपलोड कर दी। नियमों के अनुसार, हर राज्य की पुलिस को अपने क्षेत्र में खोले गए फर्जी खातों की जांच कर एफआईआर दर्ज करनी होती है। इसके लिए साइबर अपराध इकाइयां तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीएससीबी) के साथ मिलकर काम करती हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर कार्रवाई में कमी के कारण साइबर अपराध इकाइयों पर काम का बोझ बढ़ रहा है। कई मामलों में पुलिस थानों के स्तर पर जांच और कार्रवाई नहीं हो पाती, जिससे फर्जी खाताधारकों को पकड़ने में देरी होती है। अधिकारियों ने बताया कि अगर स्थानीय पुलिस सक्रिय रूप से इन खातों की जांच करे, तो साइबर अपराधों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

# जन्मदिन पर छात्र ने चिड़ियाघर में हनी बैजर को लिया गोद

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र जे. रेहान प्रकाश ने रविवार को अपना 20वां जन्मदिन नेहरू चिड़ियाघर में एक हनी बैजर को छह महीने के लिए गोद लेकर मनाया। चिड़ियाघर में इस प्रजाति को गोद लेने का यह पहला मामला है। प्रकाश ने अपने माता-पिता और दोस्तों के साथ मिलकर तेलंगाना चिड़ियाघर पार्क के निदेशक डॉ. सुनील एस. हीरेमठ को जानवर के गोद लेने और रखरखाव के लिए 50,000 रुपये का चेक सौंपा।

उन्होंने बताया कि उन्हें यह प्रेरणा अपने पिता से मिली, जो

एक वन अधिकारी हैं, और इसी के चलते उन्होंने वन्यजीव संरक्षण में योगदान देने का निर्णय लिया। हनी बैजर, जिसे रैटेल भी कहा जाता है, हनी बैजर एक मांसाहारी स्तनधारी जीव है, जो भारत, अफ्रीका और दक्षिण-पश्चिम एशिया में पाया जाता है। चिड़ियाघर ने इस निशाचर जीव को नॉक्टर्नल एनिमल हाउस में प्रदर्शित किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.